THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 286 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.8 2081 मंगलवार, 7 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

इंडिया गेट का नाम भारत माता द्वार करने की मांग

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की मांग की है। जमाल ने प्रधानमंत्री मोदी के नाम एक चिट्ठी लिखी, जिसमें कहा है कि नाम बदलना देश के 10 हजार शहीद जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जमाल ने कहा, आपने क्रूर मुगल के नाम पर बनी औरंगजेब रोड का नाम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड किया। इंडिया गेट पर लगी जॉर्ज पंचम की मूर्ति हटाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाई। राजपथ का नाम कर्तव्य पथ करवाया। उसी तरह इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करवाएं। >14

पीएम ने चेर्लापल्ली टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से चेर्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया, साथ ही नए जम्मू रेलवे डिवीजन का उद्घाटन किया और रायगढ़ रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी ने भी वीडियो लिंक के माध्यम से भाग लियासा। साथ ही, चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में जिष्णु देव वर्मा, राज्यपाल, जी. किशन रेड्डी केंद्रीय कोयला और खान मंत्री, वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री; जल शक्ती, बंडी संजय कुमार, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, डी. श्रीधर बाबू आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी मामले, तेलंगाना सरकार, सांसद ईटेला राजेंदर, विधायक बन्दरी लक्ष्मा रेड्डी ने भाग लिया।

तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने स्वागत भाषण दिया; सिकंदराबाद डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आउटर रिंग रोड से जुड़कर क्षेत्रीय विकास को गति देने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'आउटर रिंग रोड से जुड़ा यह स्टेशन क्षेत्र में विकास को काफी बढ़ावा देगा।' श्री मोदी ने स्टेशन के प्लेफॉर्म, लिफ्ट, एस्केलेटर, सौर ऊर्जा के उपयोग सहित आधुनिक सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला और कहा, 'यह टिकाऊ बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में एक कदम आगे है।' उन्होंने आगे बताया कि यह नया टर्मिनल सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा में मौजूदा स्टेशनों पर दबाव कम करेगा, जिससे लोगों के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की परियोजनाएं न केवल जीवन को आसान बनाती हैं बल्कि भारत के व्यापक बुनियादी ढांचे के लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए व्यापार करने में आसानी को भी बढ़ावा देती हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत में इस समय बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है, जिसमें एक्सप्रेसवे, जलमार्ग और मेट्रो नेटवर्क शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर आज 150 से अधिक हो गई है और मेट्रो सेवाएं देश भर में 5 शहरों से बढ़कर 21 शहरों तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा, "ये परियोजनाएं एक विकसित भारत की दिशा में एक बड़े रोडमैप का हिस्सा हैं, जो अब इस देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक मिशन है।' जिष्णु देव वर्मा, माननीय राज्यपाल, तेलंगाना ने कहा कि भारतीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे कई पहलुओं में विकास देख रहे हैं। बहुआयामी दृष्टिकोण रेल परिवहन क्षेत्र में तेजी से बदलाव ला रहा है। कवच का नवीनतम संस्करण - स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली सुरक्षा सुनिश्चित करने में बहुत मददगार है। चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर्यावरण अनुकूल पहल के साथ आधुनिक सुविधाओं का एक सराहनीय उदाहरण है। >14

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा चेर्लापल्ली अल्ट्रा मॉडर्न न्यू टर्मिनल स्टेशन के उद्घाटन में भाग लिया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, बंडी संजय, दमरे जीएम अरुण जैन आदि उपस्थित थे।

कोरोना जैसे चीनी वायरस के भारत में 6 केस

कर्नाटक-तमिलनाडु में 2-2 और बंगाल, गुजरात में एक-एक बच्चा संक्रमित मिला, उम्र 3 से 8 महीने

बेंगलुरू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस एचएमपीवी के भारत में अब तक छह केस सामने आ चुके हैं। अहमदाबाद में सोमवार को 2 महीने के बच्चे में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का संक्रमण मिला। यह बच्चा राजस्थान का है और इलाज के लिए अहमदाबाद पहुंचा है। इससे पहले, सोमवार सुबह कर्नाटक में 3 महीने की बच्ची और 8 महीने के बच्चे में यह वायरस मिला था। दोनों बच्चों की जांच बेंगलुरू के एक अस्पताल में की गई थी। पश्चिम बंगाल में भी पांच महीने के बच्चे में इस बीमारी के लक्षण मिले हैं।

इसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उधर, तमिलनाडु के चेन्नई में भी दो बच्चे संक्रमित मिले हैं। अभी इनके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे को तबीयत खराब होने पर 15 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। >14

चीन के नए वायरस पर आई राहत वाली खबर

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। भारत में भी एचएमपीवी वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। भारत में अब तक एचएमपीवी वायरस के तीन मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से दो कर्नाटक में और अब एक मामला गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया है।

बेंगलुरू के बाद गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। भारत में एचएमपीवी वायरस के बढ़ते मामलों के बीच एम्स के डॉक्टर ने इसे लेकर राहत भरी जानकारी दी है।दिल्ली एम्स के डॉक्टर ने कहा कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। यह पुराना वायरस है और इसके खिलाफ लोगों में इम्यूनिटी भी है।

पंजाब सरकार बोली-आंदोलनकारी किसान कमेटी से बातचीत को राजी

> कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से टाइम मांगा
> अगली सुनवाई 10 जनवरी को

पटियाला, 6 जनवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन को लेकर सोमवार (6 जनवरी) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें पंजाब सरकार ने दावा किया कि किसान नेता जगजीत डल्लेवाल कोर्ट की बनाई कमेटी से मिलने के लिए राजी हो गए हैं। पंजाब सरकार की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल पेश हुए।

उन्होंने कहा कि हमने आंदोलनकारी किसानों को कोर्ट की बनाई हाईपावर कमेटी के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस नवाब सिंह से मिलने के लिए मना लिया है। उम्मीद है इस मामले में कुछ सकारात्मक निकलेगा। सिब्बल ने इस मामले की सुनवाई कुछ समय बाद करने की अपील की। जिस पर कोर्ट ने इसकी सुनवाई शुक्रवार (10 जनवरी) के लिए तय कर दी।

इससे पहले डल्लेवाल ने कमेटी अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस नवाब सिंह को चिट्ठी लिखकर कहा था कि उनका प्रतिनिधिमंडल 4 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से मिला था लेकिन कमेटी को शंभू और खनौरी बॉर्डर आने का टाइम नहीं मिला। क्या वे मेरी मौत का इंतजार कर रहे थे। तब डल्लेवाल ने कहा था कि हम सिर्फ केंद्र सरकार से बात करेंगे। बता दें कि हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 11 महीने से किसान आंदोलन चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़े 2 मामले चल रहे हैं। पहला मामला पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के शंभू बॉर्डर खोलने के फैसले के खिलाफ हरियाणा सरकार की याचिका का है।

दूसरी खनौरी बॉर्डर पर 42 दिन से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती न कराने की पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका है। 2 जनवरी को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दोनों मामले एक साथ रखने को कहा था।

संबोधन के बाद डल्लेवाल को लगी थी उल्टियां : शनिवार को महापंचायत में 9 मिनट के संबोधन के बाद डल्लेवाल को चक्कर और उल्टियां होने लगीं। उनका ब्लड प्रेशर काफी कम गया। जिसके बाद सेहत विभाग ने एक टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया है। वहीं उल्टियां होने की वजह से डल्लेवाल ने अब पानी पीना भी छोड़ दिया है। उनकी सेहत काफी कमजोर हो गई है।

रैतु भरोसा के खिलाफ बीआरएस का प्रदर्शन

कांग्रेस ने किसानों को धोखा दिया : बीआरएस

आदिलाबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार के उस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें वादा किए गए 15,000 रुपये प्रति एकड़ के बजाय 'रैतु भरोसा' के तहत केवल 12,000 रुपये प्रति एकड़ देने की पेशकश की गई थी। कार्यकर्ताओं ने आदिलाबाद, निर्मल, मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के मंडल केंद्रों और कस्बों में रास्ता रोको प्रदर्शन किया। उन्होंने किसानों के साथ विश्वासघात करने के लिए सरकार की आलोचना करते हुए नारे लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के समय किए गए वादे पूरे करने में विफल रही और किसानों को धोखा दिया। नेराडिगोंडा मंडल केंद्र में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल बोथ विधायक अनिल जाधव ने कहा कि कांग्रेस द्वारा अपनी बात से मुकरना और किसानों को धोखा देना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि किसान जल्द ही पार्टी को सबक सिखाएंगे।

'लाल आतंक' के खात्मे की डेडलाइन तय

एक ड्राइवर व 8 जवान आईआईडी ब्लास्ट में बलिदान

बीजापुर-नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुए नक्सली हमले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया है। अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलियों को खत्म करने का संकल्प लिया और कहा कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। शाह ने कहा कि एक आईईडी विस्फोट में डीआरजी के जवानों के बलिदान की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं बहादुर जवानों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

शाह ने आगे कहा कि इस दुख को शब्दों में व्यक्त करना असंभव है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक भारत में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। बता दें कि राज्य में सुरक्षाबलों पर माओवादियों द्वारा पिछले दो वर्षों में सबसे बड़ा हमला था और साल 2025 का पहला हमला है।

बता दें कि बीजापुर के कुटरू मार्ग में नक्सलियों ने जवानों के वाहन पर आईईडी ब्लास्ट किया है। हादसे में एक ड्राइवर और आठ जवान बलिदान हो गए हैं। वहीं कई जवान घायल बताए जा रहे हैं। वाहन में कुल कितने जवान सवार थे इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि जवान नक्सल ऑपरेशन से वापस लौट रहे थे इस दौरान कुटरु मार्ग में नक्सलियों ने घात लगाकर आईईडी ब्लास्ट किया है। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल ऑपरेशन से नक्सली बौखलाए हुए हैं जिसके चलते नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाया है। मिली जानकारी के मुताबिक जवान पंखाजूर में नक्सल ऑपरेशन को अंजाम देने के बाद वहां से वापस लौट रहे थे। फोर्स ने पखांजूर ऑपरेशन में रविवार को पांच नक्सलियों को ढेर कर दिया था। इसके बाद आज जवान वापस लौट रहे थे। इस दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर आईईडी विस्फोट कर वाहन को उड़ा दिया। मिली जानकारी के मुताबिक आठ जवान गंभीर रूप से घायल हैं। घायल जवानों को विमान से बस्तर लाया जाएगा इसके बाद वहां से रायपुर लाने की तैयारी है।

असम की कोयला खदान में बड़ा हादसा

पानी भरने से फंसे 15 मजदूर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

गुवाहाटी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। असम में एक कोयला खदान में सोमवार को पानी भर जाने से 15 मजदूर फंस गए। यह घटना दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो के 3 किलो इलाके में स्थित असम कोयला खदान में हुई।

दीमा हसाओ के एसपी मयंक कुमार झा ने बताया कि दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो इलाके में एक कोयला खदान के अंदर कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। हम अभी सटीक संख्या नहीं बता सकते। अधिकारियों के मुताबिक, पानी खदान में घुस गया जिससे मजदूर अंडर ग्राउड फंस गए। रेस्क्यू ऑपरेशन तुरंत शुरू कर दिया गया, टीमें फंसे हुए श्रमिकों को निकालने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

तमिलनाडु गवर्नर ने बिना स्पीच दिए विधानसभा से वॉकआउट किया

> *राष्ट्रगान का अपमान हुआ, सीएम स्टालिन बोले-ये बचकाना व्यवहार*

चेन्नई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाड़ के विधानसभा सत्र के दौरान सोमवार को सदन में हाईलेवल ड्रामा हुआ। राज्यपाल आरएन रवि ने राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए अभिभाषण देने से इनकार कर दिया और सत्र बीच में ही छोड़कर विधानसभा से चले गए। इससे पहले फरवरी 2024 में भी वे ऐसा कर चुके हैं।

परंपरा के अनुसार, सदन की कार्यवाही शुरू होने पर राज्य गान तमिल थाई वल्थु गाया जाता है और आखिरी में राष्ट्रगान गाया जाता है। लेकिन राज्यपाल रवि ने इस नियम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राष्ट्रगान दोनों समय गाया जाना चाहिए। राज्यपाल के इस व्यवहार पर सीएम स्टालिन ने कहा कि यह बचकाना और लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन है। जब राज्यपाल अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन नहीं कर सकते, तो वे इस पद पर क्यों बने हुए हैं। यह राज्य के लोगों का अपमान है।

राजभवन ने कहा-सीएम और स्पीकर ने राष्ट्रगान गाने से मना किया

राजभवन ने एक बयान में कहा, आज तमिलनाडु विधानसभा में एक बार फिर भारत के संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे संविधान में निहित पहले मौलिक कर्तव्यों में से एक है। राज्यपाल के अभिभाषण के आरंभ और अंत में इसे सभी राज्य विधानसभाओं में गाया जाता है।

आज राज्यपाल के सदन में आने पर केवल तमिल थाई वाझथु गाया गया। राज्यपाल ने सदन को उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और सदन के नेता मुख्यमंत्री और स्पीकर से राष्ट्रगान गाने की अपील की। हालांकि, उन्होंने मना कर दिया। यह गंभीर चिंता का विषय है। संविधान और राष्ट्रगान के अपमान से नाराज होकर राज्यपाल सदन से चले गए।

फरवरी में भी राज्यपाल विधानसभा छोड़कर चले गए थे

राज्यपाल के सदन से बाहर चले जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने राज्यपाल द्वारा पढ़ा जाने वाला अभिभाषण दिया। यह पहली बार नहीं है जब राजभवन और डीएमके सरकार के बीच तमिलनाडु विधानसभा में इस प्रथा को लेकर बहस हुई है।

इसरो ने स्पेडेक्स मिशन की डॉकिंग टाली

अब सात की बजाय 9 जनवरी को किया जाएगा परीक्षण

बेंगलूरू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने बताया है कि उसने अपने स्पेडेक्स मिशन के तहत होने वाले डॉकिंग परीक्षण को फिलहाल टाल दिया है। दरअसल पहले ये परीक्षण सात जनवरी को होना था, लेकिन अब यह नौ जनवरी को किया जाएगा। हालांकि इसरो ने परीक्षण टालने की वजह का खुलासा नहीं किया है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्पेडेक्स मिशन को भारतीय डॉकिंग तकनीक नाम दिया था। यह पूरी तरह से भारतीय मिशन है और भारत पहली बार डॉकिंग परीक्षण को अंजाम देने जा रहा है।

क्या है डॉकिंग :

डॉकिंग मिशन के तहत विशेष रूप से डिजाइन दो उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में जोड़ा जाएगा। अभी तक केवल रूस, अमेरिका और चीन ने ही इस जटिल तकनीक में महारत हासिल की है और किसी भी देश ने इस मिशन की पेचीदियां को साझा नहीं किया है।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ को बड़ी राहत

भ्रष्टाचार मामले पर लोकपाल बोले-ये हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। देश के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप वाली शिकायत का निपटारा करने को लेकर कहा है कि यह उसके अधिकार क्षेत्र के बाहर का मामला है। इसमें पूर्व सीजेआई के खिलाफ कथित तौर पर पद का दुरूपयोग करने से लेकर, एक राजनेता और राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने के आरोप में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

पूर्व सीजेआई के खिलाफ यह केस 18 अक्टूबर 2024 को दर्ज कराया गया था, जबकि चंद्रचूड़ ने सीजेआई के तौर पर 10 नवंबर 2024 को अपना पद छोड़ दिया है। लोकपाल ने अपने आदेश में विस्तार से जांच की और यह भी जाना कि क्या वर्तमान मुख्य जज और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश लोकपाल या लोकायुक्त अधिनियम की धारा 14 के तहत उसके अधिकार क्षेत्र के आधीन है या नहीं।

कानून के अन्य उपायों को अपनाने के लिए तैयार शिकायतकर्ता :

शिकायत को लेकर 3 जनवरी के आदेश के अनुसार लोकपाल ने कहा है कि हम इस मामले में और कुछ नहीं कहेंगे। लोकपाल के अध्यक्ष जस्टिस ए.एम. खानविलकर और पांच अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए आदेश में कहा गया कि वे इसे अधिकार क्षेत्र से वर्जित मानते हुए निपटारा कर रहे हैं। आदेश में कहा गया कि शिकायतकर्ता कानून में स्वीकार्य अन्य उपायों को अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं। लोकपाल के आदेश में कहा गया कि पहली नजर में इस तथ्य पर बहस ही नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जज एक ग्रुप से जुड़े हुए हैं। इसमें कहा गया कि सामान्य तौर पर सुप्रीम कोर्ट के जज सहित सभी न्यायाधीश पीसी अधिनियम की धारा 2(सी) के अंतर्गत अधिनियमों के तहत किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकारी द्वारा अधिकारिता का प्रयोग किया जा सकता है। आदेश में कहा गया कि किसी भी कोर्ट का जज जनता का एक सेवक होता है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार का अपराध करने के लिए कार्यवाई की जा सकती है। इसमें पीसी अधिनियम के तहत भी एक्शन हो सकता है, जैसा कि के वीरास्वामी बनाम भारत और अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा आदेश दिया गया था।

सरपंच हत्याकांड में शरद पवार ने सीएम फडणवीस को लिखा पत्र, रखी मांग

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड को लेकर महाराष्ट्र में सियासत तेज है। अब एनसीपीएसपी प्रमुख शरद पवार ने सीएम देवेंद्र फडणवीस को देशमुख हत्याकांड और उसके बाद पूरे राज्य में पैदा हुई स्थिति के बारे में पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि बीड में संतोष देशमुख की मौत के खिलाफ आंदोलन कर रहे सभी जन प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी। देशमुख ने इस जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद नौ दिसंबर को उनका अपहरण किया गया और फिर हत्या कर दी गई। उनकी मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कुछ दिन पहले, महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड ने पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। कराड को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अभी तक कुल सात आरोपी इस मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं।

सरपंच की हत्या को राजनीति से नहीं जोड़ें: सीएम

इस मामले में सीएम फडणवीस लगातार नजर बनाए रखे हुए हैं। उन्होंने साफ कहा कि वह किसी भी दोषी को नहीं बख्शेंगे। सीएम ने हाल ही में कहा था, 'बीड मामले में सरकार और पुलिस पूरी ताकत व दृढ़ता से काम कर रही हैं। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। देशमुख एक लोकप्रिय सरपंच थे, इसलिए उनकी हत्या को राजनीतिक रूप से इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

यहां तक कि अगर आरोपी फरार हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हम उन लोगों को भी नहीं छोड़ रहे हैं, जिन्होंने आरोपियों की मदद की। एजेंसियों को मामले की सही तरीके से जांच करने दिया जाना चाहिए।'

कब क्या-क्या हुआ?

28 मई 2024 को विंड मिल कंपनी के कर्मचारियों का अपहरण किया गया। बदले में दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई। कहा गया कि अगर काम दोबारा से चालू करना है तो पैसे दे दो। यह कंपनी अपने विंड मिल प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधीग्रहण करने वाली थी। 6 दिसंबर 2024 को घुले की अगुवाई में मासाजोग गांव में स्थित कंपनी की इस साइट पर लोग पहुंचे। इन लोगों ने वहां मौजूद गार्ड और कर्मचारियों पर हमला किया। इसकी सूचना जब सरपंच देशमुख को मिली तो वो भी कुछ गांव वालों को लेकर मौके पर पहुंचे। इसके बाद दोनों गुटों में झड़प हुई। इसके बाद धुले को गिरफ्तार किया गया। जो बाद में जमानत पर बाहर आ गया। 9 दिसंबर 2024 को धुले ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले सरपंच देशमुख की कार रोकी और बाद में उनका अपहरण किया। इसके कुछ घंटे बाद ही सरपंच देशमुख का शव मिला। 10 दिसंबर 2024 को मासाजोग गांव के लोग ने इस हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

फडणवीस सरकार के मंत्री ने लाड़की बहन योजना पर उठाए सवाल, बताया आर्थिक बोझ

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। महायुति सरकार की लाड़की बहन योजना को महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने आर्थिक बोझ करार दिया है। कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने कहा कि लाड़की बहन योजना से राज्य के खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इसके चलते कृषि ऋण माफी योजना लागू नहीं हो पा रही है। पुणे में कृषि मंत्री कोकाटे ने कहा कि लाड़की बहन योजना के चलते पैदा हुए वित्तीय तनाव ने राज्य की अधिशेष बनाने की क्षमता को बाधित कर दिया है। इस अधिशेष से किसानों का कृषि ऋण माफ किया जाता।

एनसीपी नेता ने कहा लाड़की बहन योजना के कारण पैदा हुए बोझ ने कृषि ऋण माफी के लिए अलग से धन रखने की हमारी क्षमता को प्रभावित किया है। हम वित्तीय स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और एक बार राज्य की आय बढ़ जाने के बाद हम अगले चार से छह महीनों में ऋण माफी योजना ला सकेंगे। उन्होंने कहा कि ऋण माफी योजना को लागू करने का काम राज्य के सहकारिता विभाग का है। इसका फैसला मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री लेंगे।

फर्जी लाभार्थियों की जांच की जाएगी: अदिति

पिछले सप्ताह महाराष्ट्र की महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा था कि सरकार केवल फर्जी लाभार्थियों के बारे में शिकायतों का समाधान करेगी। महाराष्ट्र सरकार लाड़की बहन योजना के लाभार्थियों की जांच करने के लिए कोई अभियान नहीं चला रही है। हमने कोई सरकारी नीति नहीं बदली है। हम केवल स्थानीय सरकारी कार्यालयों में दर्ज शिकायतों का समाधान कर रहे हैं।'

इससे पहले उन्होंने कहा था कि योजना के लाभार्थियों के बारे में कोई जांच नहीं की जाएगी। हमने आयकर विभाग और राज्य परिवहन विभाग से डाटा मांगा है क्योंकि कुछ शिकायतों में ऐसे लाभार्थी शामिल हैं जिनकी आय निर्धारित सीमा से अधिक है या जिनके पास चार पहिया वाहन है। एक बार जब हमें यह डाटा मिल जाएगा, तो हम उन शिकायतों का समाधान कर सकेंगे।'

अवैध घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन तेज, पांच दिनों में नौ बांग्लादेशी दिल्ली से पकड़े

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के डीसीपी सेंट्रल एम. हर्षवर्धन ने कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे या प्रवेश कर रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना हमारा काम है। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे पास कुछ सुराग हैं और जांच जारी है। फर्जी दस्तावेजों का मामला दर्ज किया गया है। जांच बहुत शुरुआती चरण में है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि इस साल 2025 में पांच दिनों में हमने नौ विदेशी नागरिकों की पहचान की है, वे बांग्लादेशी हैं। हमने उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हमने पिछले साल भी यह कार्रवाई की थी। अब तक हमने 14 विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली में हुए गैंगवार को लेकर आम आदमी पार्टी ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में अपराध को लेकर लगातार आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बनी हुई है। कोई भी घटना होती है तो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पार्टी के तमाम नेता भाजपा और केंद्र सरकार को इसके लिए दोषी बताने लगते हैं। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि एक ही जिम्मेदारी केंद्र सरकार के पास है, वह भी दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था की, जो वह ठीक से नहीं निभा पा रही है।

दिल्ली के संगम विहार में रविवार की रात हुए गैंगवार को लेकर अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, अमित शाह जी, कृपया इसे रोकिए। आप लोगों ने दिल्ली का क्या हाल कर दिया। कुछ तो कीजिए? प्रधानमंत्री जी, अगर अमित शाह से नहीं हो पा रहा तो कोई काबिल गृह मंत्री दीजिए जो दिल्ली वालों को सुरक्षा दे सके।

इस घटना को लेकर मनीष सिसोदिया ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला है। बीती रात संगम विहार में गैंगवार की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि रोजाना खुलेआम गोलियां चल रही हैं। कल रात को संगम विहार में जो घटना हुई है, उसमें भी बता रहे हैं एक और आदमी को गोली लगी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को, गृहमंत्री को और भारतीय जनता पार्टी को दिल्ली की जनता ने एक काम दे रखा है कानून व्यवस्था ठीक करने का। कानून व्यवस्था का इतना बुरा हाल हो गया कि हर रोज चारों तरफ गोलियां चलती रहती हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कानून व्यवस्था का बहुत बुरा हाल हो चुका है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि कानून व्यवस्था तो बहुत बुरी हालत में है ही और निश्चित रूप से आने वाले समय में दिल्ली की जनता के साथ मिलकर दिल्ली को सुरक्षित हम बनाएंगे। क्योंकि यह भाजपा से संभल नहीं रहा है। हम ऐसी व्यवस्थाएं बनाएंगे जिससे कि दिल्ली और सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि अभी तक लगे सीसीटीवी से बहुत फायदे हुए हैं और भी बहुत सारी ऐसी चीज करेंगे जिससे दिल्ली की जनता को फायदा हो।

सदाशिवनगर में एक ही परिवार के चार लोग घर में मृत मिले, पुलिस जांच में जुटी

बेंगलुरु, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में सदाशिवनगर थाना क्षेत्र के आरएमवी स्टेज-2 स्थित एक किराए के मकान में सोमवार सुबह एक ही परिवार के चार लोग मृत पाए गए। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अनूप कुमार (38) राखी (35), उनकी पांच वर्षीय बेटी और दो वर्षीय बेटे को सोमवार सुबह उनके घर के नौकर ने मृत पाया। इसके बाद उसने तुरंत इस मामले की जानकारी पुलिस को दी। सदाशिवनगर पुलिस, फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है।

हालांकि, मौतों के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) का रहने वाला है। अनूप कुमार (38) एक निजी फर्म में सॉफ्टवेयर सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे। बेंगलुरु सिटी सेंट्रल के डीसीपी शेखर एच टेकनवर ने बताया कि मृत परिवार यूपी के प्रयागराज का रहने वाला है। इन लोगों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। पहली नजर में मौत का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। फिलहाल, शवों को कब्जे में लिए पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

एक ही नंबर की दो कार : मुंबई के ताज होटल के सामने खड़ी थीं दोनों गाड़ियां, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट की दो गाड़ियां खड़ी मिली हैं. एक गाड़ी के ड्राइवर ने इसकी जानकारी पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस दोनों गाड़ियों को कोलाबा थाने लेकर गई है और अब आगे की जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की दोपहर करीब एक बजे इन दोनों गाड़ियों को मुंबई के ताज होटल के सामने खड़े देखा गया. उसके बाद ऑरिजिनल रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ी के ड्राइवर ने इसकी शिकायत पुलिस से की. इस मामले में संज्ञान लेते हुए दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस स्टेशन लाया गया, जिसके बाद अब पुलिस जांच कर रही है कि आखिर दूसरी कार किसकी है, जिसे इस तरह ताज होटल के सामने खड़ा कर दिया गया। ताज होटल के सामने खड़ी दोनों गाड़ियों का वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि दोनों गाड़ियां मारुति सुजुकी की है. इनमें से एक गाड़ी तो आर्टिगा है, जिसका नंबर MH01EE2388 है. जबकि उसके पीछे खड़ी गाड़ी का भी यही सेम नंबर है. हालांकि ये पता नहीं चल रहा है कि दूसरी गाड़ी का कौन सा मॉडल है। इस तरह ताज होटल के सामने सेम नंबर प्लेट की गाड़ियां मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. दरअसल 26 नवंबर, 2008 को इस लग्जरी होटल पर पाकिस्तान से आए आतंकियों ने हमला कर दिया था. 600 कमरों और 44 सुइट वाले ताज होटल पर हुए इस हमले में 160 से अधिक लोग मारे गए थे और 200 से ज्यादा घायल हुए थे. इस हमले के बाद ताज होटल के आसपास पुलिस की कड़ी निगरानी रहती है।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन ने लालू प्रसाद को बताया जीव-जंतु

कहा-गंभीर मामलों का मजाक उड़ाना उनकी आदत

गुवाहाटी, 6 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। उन्होंने यहां पूर्वोत्तर राज्यों के विकास और प्रगति के लिए पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू अपने आप में एक जीव-जंतु हैं।

गंभीर मामलों का मजाक उड़ाना उनकी आदतः मंत्री

राजीव रंजन ने लालू प्रसाद यादव के बयान पर कहा, 'वह अपने आप में एक जीव-जंतु हैं। वह क्या करेंगे या कहेंगे इसका कोई मतलब नहीं है। वह जो चाहते हैं, कहते रहते हैं। देश के लिए गंभीर मामलों का मजाक उड़ाना उनकी आदत है। यह कोई नई बात नहीं है। यह उनके हल्केपन का प्रमाण है। वह 1990 में भी ऐसे ही थे, जब वह बिहार के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने बिहार को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया था। पति और पत्नी ने 1990 से 2005 तक बिहार पर शासन किया। बिहार में कुछ नहीं था। सड़कें, बिजली, कानून व्यवस्था नहीं थी और लोग परेशान थे। नीतीश कुमार ने 2005 से 20 साल में नया बिहार बनाया है।'

मां कामाख्या के दर्शन किए

उन्होंने कहा, 'हमने आज मां कामाख्या के दर्शन किए। पूर्वोत्तर हिस्सा देश का दिल है। पूर्वोत्तर के सभी मंत्रियों का सम्मेलन है। यह पीएम मोदी का संकल्प है कि पूर्वोत्तर राज्यों को विकास और प्रगति करनी चाहिए। मैंने आज मां कामाख्या देवी मंदिर में उसी इच्छा के साथ पूजा-अर्चना की।'

2014 से पहले काफी बेहतर पूर्वोत्तर राज्य

उन्होंने आगे कहा, 'पूर्वोत्तर राज्यों की हालत 2014 से पहले की तुलना में काफी बेहतर है। हर क्षेत्र में प्रगति हुई है। मेरे विभाग मत्स्य पालन में भी चार प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आज के सम्मेलन में, हम चर्चा करेंगे कि उत्पादन को और भी कैसे बढ़ाया जाए।'

करोड़ों का 'शीश महल' : केजरीवाल ने सीएम बंगले पर खर्च किए थे 75-80 करोड़

कैग रिपोर्ट को लेकर बीजेपी का आप पर हमला

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच एक बार फिर भाजपा ने शीश महल को लेकर अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा नेता वीरेंद्र सचदेवा ने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री बंगले पर 75 से 80 करोड़ रुपये खर्च किए थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 2020 में जब दिल्ली की जनता अपने लोगों को खो रही थी। उस समय अरविंद केजरीवाल अपना शीश महल बनवा रहे थे। किसी भी सरकारी विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई। इसके निर्माण में अनियमितताएं बरती गईं। पीडब्ल्यूडी विभाग ने 2024 में जो इन्वेंटरी घोषित की है और जो समान दिखाया है कि यह पीडब्ल्यूडी ने नहीं लगाया है, वह समान कहां से आया। वह किसका पैसा है? इसका जवाब अरविंद केजरीवाल को देना होगा।

पंजाब में चीनी डोर पर प्रतिबंध

चंडीगढ़, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में चीनी डोर बेचने पर अब सरकार ने और सख्ती कर दी है। इसे बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आदेश जारी कर इसमें सजा का भी प्रावधान किया है।

आदेश के अनुसार पर्यावरण अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत पंजाब में नायलॉन, प्लास्टिक, चीनी डोर, मांझा और किसी भी अन्य सिंथेटिक सामग्री से बनी पतंग उड़ाने वाली डोर व सिंथेटिक डोर के निर्माण, बिक्री, भंडारण, खरीद, आपूर्ति, आयात और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

जहरीले कचरे को लेकर हाईकोर्ट ने दिया छह हफ्ते का समय

सरकार ने कहा-गलत जानकारी से बिगड़े हालात

जबलपुर/भोपाल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल गैस त्रासदी के जहरीले कचरे को लेकर मचे घमासान के बीच आज सोमवार को जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान होईकोर्ट की डिवीजन बेंच से सरकार ने कहा कि गलत जानकारी के कारण पीथमपुर में हालात बिगड़े और स्थिति खराब हुई। सरकार ने कोर्ट से छह हफ्ते का समय मांगा। इस पर चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने सरकार की मांग मानते हुए उसे छह सप्ताह का समय दे दिया। अब मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी।

दरअसल, यूनियन कार्बाइड के कचरे के निस्तारण को लेकर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सरकार की ओर से कोर्ट में एक हलफनामा पेश किया है। जिसमें सरकार ने बताया है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर लोगों द्वारा भ्रामक जानकारियां फैलाई जा रही है। इस पर कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए मुद्दे से जुड़ी फेक जानकारी या न्यूज पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने सरकार से कहा है कि गलत जानकारी को दूर किया जाए।

अलग अनुमति की जरूरत नहीं

सुनवाई के दौरान सरकार ने रामकी कंपनी में खड़े कंटेनर को अनलोड करने की अनुमति कोर्ट से मांगी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसके लिए अलग से अनुमति की जरूरत नहीं है। निस्तारण के पूर्व आदेश में ही यह कार्रवाई आती है। राज्य सरकार ने कोर्ट में बताया कि कचरे को अभी जलाया नहीं गया है। इस पर कोर्ट ने सरकार को अपने स्तर पर निस्तारण करने की छूट दी है। इसके लिए उसे छह हफ्ते का समय दिया गया है। इसके अलावा भी कोर्ट में कचरे के निस्तारण को लेकर इंदौर के डॉक्टर्स द्वारा कई आवेदन और आपत्तियां पेश की गई हैं।

खबर जरा हटके

वाह जी वाह! लग्जरी लाइफ जी रहे इस शहर के ऊंट

पीते हैं दूध-घी...खाते हैं काजू-बादाम, चल रही स्पेशल डाइट

कहते हैं कि ऊंट के मुंह में जीरा, लेकिन यह कहावत अब ऊंटों के लिए नहीं रही है, बल्कि अब ऊंटों के मुंह में दूध, घी, तेल और काजू, बादाम है. सुनने में भले अजीब लग रहा हो, लेकिन बीकानेर में इन दिनों ऊंटों की मौज हो रखी है. यहां ऊंट सर्दियों में स्पेशल डाइट प्लान पर है. सर्दी के अलावा अंतरराष्ट्रीय कैमल फेस्टिवल का मौका भी है. इस फेस्टिवल को लेकर कई ऊंट पालक अपने ऊंट को अच्छा दिखने और स्टेमिना बढ़ाने के लिए ऊंटों को चारा के अलावा गाय का देशी दूध, घी और काजू, बादाम दे रहे हैं, जिससे ऊंट काफी अच्छे दिखे।

ऊंट पालक समीर खान ने लोकल 18 को बताया कि हमारा परिवार करीब तीन पीढ़ियों से ऊंट पालक का काम कर रहा है. ऊंट को काफी समय से तैयार कर रहे हैं. यहां ऊंट को स्पेशल डाइट दे रहे हैं. सुबह और शाम 10 किलो मोठ और मूंगफली का चारा देते हैं. पिछले एक से डेढ़ माह ऊंट को दूध, घी दे रहे हैं. रोजाना सुबह और शाम ऊंट को 2 किलो दूध, 300 ग्राम घी दे रहे हैं. इसके अलावा सेहत के अनुसार तेल भी दे रहे हैं. इसके अलावा शाम को गर्म पानी के अंदर फिटकरी भी देते हैं. कैमल फेस्टिवल की तैयारी के लिए थोड़ा अच्छा दिखे, तो इसको लेकर काजू और बादाम भी दे रहे हैं. इस ऊंट का वजन 7 से 8 क्विंटल यानी 700 से 800 किलो है. पिछले साल यह ऊंट फर कटिंग यानी ऊंट डेकोरेशन और ऊंट सजाई में भाग लिया था. उस समय यह ऊंट तीसरे स्थान पर आया था और इस बार भी फेस्टिवल में भाग ले रहा है।

स्टेमिना बढ़ाने के लिए खिला रहे काजू-बादाम

बीकानेर जिले में सैकड़ों ऊंट पालक हैं, जिनमें से कुछ ऊंट पालक ही हैं, जो ऊंटों को काजू, बादाम और दूध, घी दे रहे हैं. इससे ऊंट अच्छे दिख सके और ऊंटों का स्टेमिना ज्यादा बढ़ सके. यहां हर साल अंतरराष्ट्रीय कैमल फेस्टिवल में ऊंट दौड़ में 20 से 30 ऊंट भाग लेते हैं. ऊंटों का स्टेमिना बढ़ाने के लिए यह खुराक दी जाती है, जिससे 50 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ सके. इसी को देखते हुए यह तैयारी की जा रही है.

वो गांव, जहां 'सीटी' मारकर एक-दूसरे को बुलाते हैं ग्रामीण

नाम की जगह तय होती है धुन, सुनते ही दौड़े चले आते हैं लोग!

हम सभी जानते हैं कि किसी भी इंसान की पहचान सबसे पहले उसके नाम से ही होती है. दुनिया के किसी भी कोने में चले जाइये, आप को पहचाना जाएगा तो उस नाम से, जो आपको आपके माता-पिता ने दिया है. यही वजह है कि नाम और नामकरण का काफी महत्व है. ऐसे में अगर हम आपसे कहें कि एक ऐसी भी जगह है, जहां पर लोगों का नाम नहीं बल्कि उनके नाम की जगह एक धुन का इस्तेमाल किया जाता है, तो आप चौंक जाएंगे. अपने ही देश में वो गांव है, जहां पर लोगों के नाम नहीं हैं बल्कि वे एक-दूसरे को सीटी मारकर बुलाते हैं. इसकी वजह ये है कि उनके नाम पर पैदा होते ही एक ट्यून तय हो जाती है और यही उनका नाम हो जाता है. आप जानते हैं इस गांव के बारे में? अब आप सोच रहे होंगे कि अगर नाम नहीं लेना है तो किसी को बुलाया कैसे जाएगा? इसके लिए आपको सीटी बजाना आना चाहिए.

कहां पर है ये अनोखा गांव?

ये बिल्कुल अलग सा गांव भारत के मेघालय में है. यहां के खासी पहाड़ी में कांगथान नाम का ये गांव बसा हुआ है. इसे अपनी अनोखी खासियत की वजह से ही व्हिसलिंग विलेज भी कहा जाता है. गांव में जब भी कोई बच्चा पैदा होता है, तो उसकी मां उसे एक अलग सी ट्यून बनाकर सुनाती है. बच्चा धीरे-धीरे ट्यून सुनकर पहचान जाता है कि ये उसके नाम की धुन है. फिर उसे बुलाने के लिए लोग इसी धुन का इस्तेमाल सीटी बजाकर करने लगते हैं. ये धुन अक्सर चिड़ियों की चहचहाहट से इंस्पायर होती है. इस धुन को जिंग्रवई लॉबेई कहा जाता है. सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल होते रहते हैं.

मनोकामना पूरी करने वाले वानर देवता-यहां गांव वाले बंदर को पूजते हैं!

धर्माराम गांव में वानर देवता की पूजा एक अनोखी परंपरा है. यह गांव, जो निर्मल जिले के लक्ष्मणचंदा मंडल में स्थित है, में ग्रामीणों द्वारा बंदर को भगवान के रूप में पूजा जाता है. यहाँ के लोग मानते हैं कि वानर देवता उनकी इच्छाओं को पूरा करते हैं, और हर साल भक्त इस स्थान पर आकर पूजा करते हैं.

वानर देवता का मंदिर और उसका इतिहास

वानर देवता का मंदिर धर्माराम में दशकों पुराना है. इस मंदिर की स्थापना 1978 में हुई थी. ग्रामीणों का कहना है कि पहले गांव में लोग कहानियाँ और पौराणिक कथाएँ सुनकर मनोरंजन करते थे. एक दिन जंगल से एक बंदर गांव में आया और इन कहानियों को ध्यान से सुनने लगा. धीरे-धीरे वह बंदर गांव में रहने लगा और अपनी हरकतों से ग्रामीणों को परेशान करने लगा. ग्रामीणों ने बंदर को गांव से बाहर भगाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. अंत में, सभी ने मिलकर उसे मार डाला और गांव के बाहर दफना दिया. हालांकि, कुछ समय बाद, जब गांव वाले बंदर की कब्र पर गए, तो उन्होंने उसे बाहर निकाला और उसकी पूजा करना शुरू कर दिया. यह सब देखकर गांव वालों ने तय किया कि अब इस बंदर को भगवान के रूप में पूजा जाएगा. इसके बाद, गांव वालों ने चंदा इकट्ठा किया और वहां एक मंदिर बनवाया. इस मंदिर में बंदर की मूर्ति के साथ-साथ शिव लिंगम और नंदी की मूर्तियाँ भी स्थापित की गईं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: वक़्त बुरा हो तो मेहनत करना, वक़्त अच्छा हो तो मदद करना!

पिछली सरकार ने दस साल तक नहीं बनाई नई ऊर्जा नीति : भट्टी विक्रमार्क

उपमुख्यमंत्री ने जेनको एई को नियुक्ति पत्र दिया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के उपमुख्यमंत्री, ऊर्जा, वित्त और योजना मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने खुलासा किया कि सार्वजनिक सरकार घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए इस महीने की 9 तारीख को नई ऊर्जा नीति की घोषणा करेगी। सोमवार को जेनको में नौकरी पाने वाले 315 एई को हैदराबाद राज्य सचिवालय के सामने दिवंगत प्रधान मंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर नौकरी नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इसके बाद आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि पिछले दस साल तक शासन करने वाली पिछली सरकार राज्य में नई ऊर्जा नीति नहीं लायी. जनता सरकार के सत्ता में आते ही तेलंगाना को सरप्लस बिजली उत्पादन वाला राज्य बनाने की योजना बनाई गई, उसी के तहत इस महीने की चार तारीख को हुई कैबिनेट बैठक में नई ऊर्जा नीति को मंजूरी दे दी गई देश-विदेश से बड़े पैमाने पर निवेश। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों द्वारा लागू ऊर्जा नीति के साथ-साथ हमारे राज्य में उपलब्ध नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन के लिए आवश्यक सभी पहलुओं का अध्ययन किया गया है और एक नई ऊर्जा नीति तैयार की गई है।

वाहनों से बैटरी चुराने वाले दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नरेट की बेगमपेट पुलिस ने रसूलपुरा एक्स रोड, बेगमपेट के पास संदिग्ध तरीके से पाए गए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। विस्तृत पूछताछ करने पर, उन्होंने भारी वाहनों से बैटरी चोरी करने की बात कबूल की और हैदराबाद, कमिश्नरेट में बेगमपेट और मारेडपल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में बाइक चोरी करने की बात भी कबूल की। आरोपी मोहम्मद सोहेल पाशा, इंदिरा नगर, मुशीराबाद, अंजुमन स्कूल सह मदरसा के पास, भोलकपुर, मुशीराबाद और सैयद इबाद सैयद तबरेज़ भोलकपुर बड़ी मस्जिद, मुशीराबाद के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने ओल्ड पटिगड्डा बेगमपेट में डीसीएम से 3 बैटरियां चोरी की थीं। चोरी करने के बाद वे वहां से भाग गए। आरोपियों के कब्जे से 12 वोल्ट की 3 बैटरियां, 2 डीआईओ स्कूटी ब्लू कलर मोपेड बरामद की गई। बरामद की गई कुल संपत्ति की कीमत डेढ़ लाख रुपये है। आरोपी उन वाहन पार्किंग स्थलों की रेकी करते थे जो असुरक्षित और सुनसान होते हैं। इस प्रकार 30/31 दिसंबर की मध्य रात्रि में आरोपी सोहेल पाशा इबाद की सहायता से चोरी की गई डियो गाड़ी पर बिना नंबर प्लेट के पतिगड्डा की ओर गया, उन्होंने पार्क किए गए वाहन से बैटरियों की चोरी की और वहां से भाग गए। अपराधी मोहम्मद सोहेल पाशा मुशीराबाद का रहने वाला है और उसकी जान-पहचान उसी इलाके के इबाद से हुई थी। सोमवार को आरोपी व्यक्ति बिना नंबर प्लेट के डियो गाड़ी चलाते हुए पाए गए, जिस पर रसूलपुरा में मुफ़्ती में मौजूद बेगमपेट क्राइम स्टाफ को संदेह हुआ। उन्होंने तुरंत उन्हें हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपराध करना कबूल कर लिया, यानी पट्टीगड्डा से 3 बैटरियां और मुख्य आरोपी ने नाबालिग की मदद से बेगमपेट थाने से एक और मरेडपल्ली थाने से एक दो पहिया वाहन चोरी करना कबूल किया। मुख्य आरोपी सोहेल पाशा को पहले तुकारामगेट थाने की सीमा में दो पहिया वाहन चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

एसीबी कार्यालय में तनाव

पुलिस ने केटीआर के वकील को प्रवेश से रोका

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को बंजारा हिल्स स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के कार्यालय में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब पुलिस ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के वकील को उनके साथ जाने की अनुमति नहीं दी। पुलिस ने एसीबी कार्यालय के बाहर रामा राव की गाड़ी को यह कहते हुए रोक दिया कि उनके वकील को अनुमति नहीं है, जब वे फॉर्मूला-ई रेस मामले के संबंध में एसीबी के समन के अनुसार वहां पहुंचे।

रामा राव ने कहा कि मैं यहां कानून का पालन करने वाले नागरिक के तौर पर आया हूं और हाईकोर्ट के आदेश और एसीबी के निर्देशों का सम्मान करते हुए कोर्ट में पेश हुआ हूं लेकिन पुलिस मेरे वकीलों को अनुमति नहीं दे रही है और मुझे अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दे रही है।

जब पुलिस ने जोर देकर कहा कि उनके वकील को अनुमति नहीं है, तो बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने उनसे लिखित में देने को कहा कि उनके वकील को अनुमति नहीं है। उन्होंने यहां तक कहा कि वे सड़क पर इंतजार करेंगे या फिर पुलिस को अपना लिखित स्पष्टीकरण सौंपकर कार्यालय से चले जाएंगे।

रामा राव ने एसीबी कार्यालय के बाहर मीडिया से कहा कि मैं एसीबी से बस इतना ही कहना चाहता हूं कि वे उच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करें। वास्तव में उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मैंने एक विधायक के रूप में काम किया है और मैं अभी भी विधायक हूं। इसलिए, मैं एसीबी से बस इतना ही कहना चाहता हूं कि एक व्यक्ति और नागरिक के रूप में मेरे अधिकारों की रक्षा की जाए। मैं अपने वकील की मौजूदगी का हकदार हूं, लेकिन दुर्भाग्य से उनकी राय अलग है इसलिए हम उनके साथ चर्चा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने उच्च न्यायालय में व्यापक दलीलें दीं और मामला विचाराधीन है और फैसला सुरक्षित है। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं, लेकिन अगर वे यह सुनिश्चित नहीं करना चाहते कि मेरे अधिकार सुरक्षित रहें, तो मुझे यहां से चले जाना चाहिए।

आदिलाबाद पहुंचने पर कविता का भव्य स्वागत

आदिलाबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के अपने एक दिवसीय दौरे के तहत जिले में पहुंचीं। सोमवार को नेराडिगोंडा मंडल केंद्र में बोथ विधायक अनिल जाधव सहित पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। कविता का इंदरवेली मंडल केंद्र में इंदरवेली शहीदों के स्तंभ पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने, जैनूर मंडल में लड़कियों के लिए आश्रम स्कूल और जैनूर मंडल केंद्र में एक सरकारी अस्पताल का दौरा करने का कार्यक्रम है। वह देवुगुडा गांव में एक आदिवासी महिला से भी मिलेंगी, जिसका ऑटो-रिक्शा चालक ने बलात्कार किया था। बाद में, कविता चौधरी शैलजा के माता-पिता से मिलेंगी, जिनकी हाल ही में वानकीडी मंडल के धाभा गांव में भोजन विषाक्तता से मृत्यु हो गई थी। वह रेबेना मंडल के गोलेटी गांव में कोयला खनिकों से भी बातचीत करेंगी।

जनता की आवाज उठाने वालों के खिलाफ मामले दर्ज कर रही है कांग्रेस

बीआरएस एमएलसी के कविता ने लगाए गंभीर आरोप

आदिलाबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने कांग्रेस सरकार पर जनता की आवाज उठाने वालों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोमवार को इंदरवेल्ली मंडल केंद्र में शहीद स्तंभ पर इंदरवेल्ली गोलीबारी की घटना के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कविता ने आरोप लगाया कि सरकार बदले की राजनीति कर रही है। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के खिलाफ एसीबी का मामला दर्ज करने के लिए सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि बीआरएस इन मामलों से डरने वाली नहीं है। उन्होंने दोहराया कि वह जनता के अधिकारों के लिए सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

एमएलसी ने कहा कि कांग्रेस के शासन में समाज के सभी वर्गों, खासकर महिलाओं और किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को धोखा देते हुए 15,000 रुपये प्रति एकड़ के बजाय 12,000 रुपये का निवेश समर्थन देने का वादा किया है। कविता ने आगे कहा कि सरकार विरोध प्रदर्शनों से डरकर कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज करके उन्हें परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जनता की अदालत में सरकार को सजा मिलेगी।

नायलॉन चीनी मांझा खतरनाक : पुलिस

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि पतंग उड़ाने के दौरान नायलॉन चीनी मांझा और कांच या धातु से लिपटे देसी मांझे जैसे खतरनाक पतंग के धागों का इस्तेमाल न करें। ये सामग्रियां मानव जीवन, जानवरों और पर्यावरण के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं। नायलॉन मांझा और लेपित धागे बहुत तीखे और घर्षणकारी होते हैं, जो अक्सर गहरे घाव, गंभीर चोट और यहां तक कि मौत का कारण बनते हैं। मोटरसाइकिल चालक, साइकिल चालक और पैदल यात्री विशेष रूप से इन खतरनाक धागों के प्रति संवेदनशील होते हैं जो सड़कों पर ढीले-ढाले लटके रहते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। पतंग उड़ाते समय बच्चों को अतिरिक्त जोखिम होता है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां बच्चे पतंग उड़ाने के दौरान छतों या अन्य ऊंची जगहों से गिर गए हैं, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और दुखद मौतें हुईं। माता-पिता और बड़ों से आग्रह किया जाता है कि वे पतंग उड़ाने की गतिविधियों के दौरान बच्चों की बारीकी से निगरानी करें ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और दुर्घटनाएं न हों।

15,000 रुपये की मांग को लेकर प्रदर्शन

महबूबनगर, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार से रैतु भरोसा के तहत 15,000 रुपये की वादा की गई इनपुट सब्सिडी को बढ़ाने की मांग करते हुए किसानों और बीआरएस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की थी कि 26 जनवरी से रैतु भरोसा के तहत प्रति एकड़ 12,000 रुपये की राशि बढ़ा दी जाएगी। यह कांग्रेस पार्टी के वारंगल घोषणापत्र के तहत 15,000 रुपये प्रति एकड़ की राशि बढ़ाने के वादे के विपरीत था।

वानापर्थी के पेड्डागुडेम गांव में महिला खेतिहर मजदूरों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने कांग्रेस सरकार से किसानों से किए गए वादों को पूरा करने और उन्हें धोखा न देने की मांग की।

विरोध स्वरूप महिलाओं और बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं ने पेद्दागुडेम चौराहे पर लगाई गई आग में वारंगल घोषणापत्र की प्रतियां डालीं। महिलाओं ने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने उनके साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि 2500 रुपये मासिक सहायता देने का वादा करने के बाद राज्य सरकार अपना वादा पूरा करने में विफल रही है।

इसी तरह शादनगर में भी बीआरएस कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार कार्यालय पर धरना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों के कल्याण का वादा किया था, लेकिन किसानों से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। संसदीय चुनाव से पहले किसानों को आश्वासन दिया गया था कि 15 अगस्त से पहले बिना किसी शर्त के उनके सभी फसल ऋण माफ कर दिए जाएंगे। बीआरएस नेता वाई रविंदर ने कहा कि आज भी कई किसान अपने ऋण माफ कराने के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

प्रधानमंत्री कल विशाखापट्टनम में विभिन्न कंपनियों का उद्घाटन करेंगे

विशाखापट्टनम, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जनवरी को विभिन्न कंपनियों का उद्घाटन करने विशाखापट्टनम आएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के निर्देश पर तेलुगु देशम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और गजुवाका विधायक पल्ला श्रीनिवास राव ने आज विशाखापट्टनम में गठबंधन नेताओं के साथ समन्वय समिति की बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के रोड शो के साथ-साथ बैठक के आयोजन पर चर्चा की गई। रोड शो में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है, इसलिए पल्ला श्रीनिवास राव ने यह सुनिश्चित करने को कहा कि सुरक्षा में कोई चूक न हो और किसी को कोई परेशानी न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े पैमाने पर लामबंदी की जाए। उन्होंने नेताओं से कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया ताकि बैठक में करीब तीन लाख लोग शामिल हो सकें। बैठक में राज्य के मंत्री किंजरापु अच्चेन्नायडू, सत्यकुमार यादव, सांसद सी एम रमेश, भरत, विधायक विष्णुवर्धन राजू, नल्लामिल्ली राधाकृष्ण, एमएलसी दुव्वारापु रामा राव, पूर्व एमएलसी सत्यनारायण राजू, वीएमआरडीए के अध्यक्ष प्रणव गोपाल और अन्य ने भाग लिया।

हैदराबाद में कबूतर उड़ाने की प्रतियोगिता

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सर्दी अपने चरम पर है और कबूतर प्रेमी कबूतर दौड़ और ऊंची-नीची उड़ान प्रतियोगिताओं में भाग लेने में व्यस्त हैं। दिसंबर से फरवरी के बीच शहर और उपनगरों में कबूतरबाजी के नाम से मशहूर खेल आयोजित किए जाते हैं। बड़ी संख्या में कबूतर पालक और पालक निर्धारित स्थानों पर, विशेष रूप से शहर के पुराने भागों में, एकत्र होते हैं और अपनी पसंदीदा खेल गतिविधियों में भाग लेते हैं। कबूतरों से जुड़े खेलों में सबसे प्रमुख है कबूतर दौड़, जिसमें पक्षियों को उनके घर से सौ किलोमीटर दूर ले जाया जाता है और फिर छोड़ दिया जाता है। जो कबूतर सबसे पहले अपने मचान पर पहुंचता है, वह विजेता होता है।

नियमित रूप से दौड़ का आयोजन करने वाले सैयद अफसर ने बताया कि कई कबूतर पालक दौड़ में हिस्सा लेते हैं। विजेता की घोषणा अंपायर द्वारा दूरी और वेग की गणना करने के बाद की जाती है। टूर्नामेंट में एक और लोकप्रिय कार्यक्रम 'फ़्लॉक फ़्लाइंग' है। 25 से 100 कबूतरों वाले दो या अधिक कबूतरों के झुंड को उनके मालिकों द्वारा एक बार में छोड़ा जाता है। दौड़ में भाग लेने वाले मोहम्मद अकरम ने कहा कि इन कम और उच्च ऊंचाई वाली उड़ान प्रतियोगिताओं में, प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे के पक्षियों को विचलित करने का प्रयास करते हैं जो झुंड प्रतिद्वंद्वी झुंड के ज़्यादा पक्षियों को अपने मचान पर लाता है, वह विजेता होता है।

तस्करी में फंसे बच्चों की बचाने के लिए 11 टीमें गठित

ऑपरेशन स्माइल की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग ने मानव तस्करी विरोधी के साथ मिलकर सोमवार को साइबराबाद पुलिस मुख्यालय, मुख्य सम्मेलन हॉल में "ऑपरेशन स्माइल-XI" अभिसरण बैठक आयोजित की। यह बैठक ऑपरेशन स्माइल-XI के कामकाज के बारे में है, जिसका गठन गुमशुदा बच्चों का पता लगाने और भीख मांगने, कूड़ा बीनने, बाल श्रम/बच्चों की तस्करी, बंधुआ मजदूरी आदि से बच्चों को बचाने के लिए किया गया है। साइबराबाद पुलिस बेघर बच्चों और बाल श्रम में मजबूर बच्चों को बचाने और पुनर्वास करने तथा भीख मांगने वाले बच्चों, कूड़ा बीनने वाले बच्चों की पहचान करने के लिए 1 जनवरी से 31 जनवरी, 2025 तक "ऑपरेशन स्माइल-XI" शुरू कर चुकी है। इसके लिए सब इंस्पेक्टर, (4) पुलिस कांस्टेबल सहित एक महिला पुलिस कांस्टेबल की विशेष टीमें बनाई गई हैं। तस्करी में फंसे बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने/पुनर्वास करने के लिए कुल (11) टीमें बनाई गईं। इस अभिसरण बैठक में के. श्रीजना, डीसीपी (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू), साइबराबाद ने कहा कि हम लापता बच्चों और अज्ञात बच्चों, विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से अलग हुए बच्चों की पहचान करने के लिए चेहरे की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन दर्पण का उपयोग करेंगे। के. श्रीजना, डीसीपी (महिला एवं बाल सुरक्षा विंग) साइबराबाद टीमों के संचालन की निगरानी करेंगी। बी. जेम्स बाबू, पुलिस निरीक्षक, एएचटीयू, साइबराबाद ने बताया, ऑपरेशन स्माइल-XI, हितधारक विभागों के अधिकारियों के सहयोग से जनवरी के अंत तक जारी रहेगा। पुलिस ने पिछले मामलों के आंकड़ों के आधार पर उन समूहों/हॉटस्पॉट्स की पहचान की है जहां बच्चों को श्रम में मजबूर पाया गया था के. सृजाना, डीसीपी (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू), साइबराबाद ने अनुरोध किया कि सभी हितधारक विभागों को ऑपरेशन स्माइल-XI टीमों के साथ सहयोग और समन्वय करना चाहिए, जिसके लिए उपरोक्त सभी हितधारक विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे इस ऑपरेशन में अपना सहयोग देंगे। अभिसरण बैठक में भाग लेने वालों में के. सृजाना, डीसीपी (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू), वी. प्रसन्ना कुमार, एसीपी, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू, के. नरेंद्र रेड्डी, बाल कल्याण समिति, रंगा रेड्डी जिला, राम मोहन, बाल कल्याण समिति सदस्य, मेडचल जिला, एंडे वेंकटेश्वरलू, राज्य समन्वयक, बचपन भचावो आंदोलन, एमडी इम्तियाज रहीम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, मेडचल जिला, रत्नम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संगारेड्डी, प्रवीण कुमार, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, रंगा रेड्डी जिला, देवेंद्र चारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, आरआर जिला, जी. वीरेशम, सहायक श्रम अधिकारी, सांगारेड्डी, पी. रविंदर रेड्डी, सहायक श्रम अधिकारी, मेडचल जिला, बी. जेम्स बाबू, पुलिस निरीक्षक, एएचटीयू, साइबराबाद और एएचटीयू, साइबराबाद के कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

कुरुमा संगम मुंबई कैलेंडर लॉन्च किया गया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक और अलेयर विधायक बीरला एल्लया ने आज मुंबई के बांद्रा में बुद्ध विहार में आयोजित कुरुमा संगम मुंबई कैलेंडर के लॉन्च में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, एल्लया ने कहा कि मुंबई कुरुमा संगम को उनकी सरकार द्वारा यदाद्री श्री लक्ष्मीनरसिंहस्वामी मंदिर में 200 वर्ग गज जमीन दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि बांद्रा के सभी निवासी अलेयर, जनगामा के आसपास के इलाकों से हैं। उन्होंने कहा कि निवासी उनसे अनुरोध कर रहे हैं कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएं कि विभिन्न ट्रेनें भुवनागिरी, अलेयर और जनगांव रेलवे स्टेशनों पर रुकें और उन्हें मुंबई आने की अनुमति दें। उन्होंने कहा कि मुंबई में रहने वालों की समस्याओं पर बांद्रा के स्थानीय विधायक के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार से चर्चा की जाएगी और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि सभी आवश्यक योजनाएं उन्हें उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि वह मुंबई शहर में कुरुमा समुदाय को जाति प्रमाण पत्र जारी न करने के मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे और देखेंगे कि उन्हें मंजूरी दी गई है।

केसीआर परिवार को जनता के कल्याण की भी परवाह : महेश गौड़

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि एक साल के कांग्रेस शासन पर चर्चा के लिए तैयार.. क्या केटीआर और कविता तैयार हैं? उन्होंने कहा कि विकास पर चर्चा तो कहीं भी होगी। बीआरएएस में कविता बनाम केटीआर की लड़ाई अपने चरम पर पहुंच गई है। सीएम कविता-केटीआर के अनुयायी पहले से ही प्रचार कर रहे हैं। क्या केसीआर परिवार को सत्ता के अलावा जनता के कल्याण की भी परवाह है? यदि यह कार रेस घोटाला एक बहुत बड़ा मामला है तो केटीआर क्यों डरते है। जो लोग गलत करते हैं वे मुकदमों से डरते हैं। बच्चों की तरह यह कहना हास्यास्पद है कि वे मुकदमे में तभी शामिल होंगे जब वकीलों को अनुमति दी जाएगी। सत्ता खोने के बाद भी केटीआर का गुमान काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति करना बीजेपी की दिनचर्या बन गई है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए पार्टी में शीत युद्ध चल रहा है। पुराने और नए नेताओं की पार्टी में दबदबा बनाए रखने की इच्छा के अलावा बदलाव के लिए कुछ भी नहीं है।

फंदे से लटके मिले साफ्टवेयर युगल

संगारेड्डी, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर नगर पालिका के श्रीराम हिल्स कॉलोनी में रविवार रात एक सॉफ्टवेयर युगल फांसी पर लटका हुआ पाया गया। वे संदीप (36) और कीर्ति (30) थे। दंपति दो अलग-अलग एमएनसी में काम करते थे। वारंगल के मूल निवासी दंपति के दो बच्चे हैं जिनकी उम्र पांच साल से कम है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.: SANDT_CAMC_CIB_TIB_CHE

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के श्रीकाकुलम रोड (CHE) स्टेशन में कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्डों, सिंगल लाइन TIB, मल्टी लाइन TIB तथा AGDB के लिए 02 (दो) वर्षों की अवधि हेतु सम्पूर्ण वार्षिक रखरखाव संविदा।

विज्ञापित मूल्य: रु. 10,41,468.00, बयाना राशि: रु. 20,800.00, निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 2,360.00, समापन अवधि: 24 महीने।

बोली शुरू होने की तारीख: 08.01.2025,

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 22.01.2025 को 1700 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

PR-858/P/24-25 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (Tele)/वाल्टियर

कुंभनगरी में स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज का शाही प्रवेश

> श्रीमद्भागवत समेत विभिन्न अनुष्ठान प्रारंभ

प्रयागराज, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जूना अखाड़े के पीठाधीश आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के शिष्यों ने प्रयागराज महाकुंभ मेले में भागवत कथा और सिद्धिकारक शिविर आयोजित किया है। 5 जनवरी से शुरू हो चुका यह शिविर 10 फरवरी तक चलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ मेले में सभी अखाड़ों के संत महात्मा आए हुए हैं। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के पीठाधीश आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि का महाकुंभ नगरी में शाही प्रवेश हुआ। 14 दिसंबर को उनकी पेशवाई निकाली गई थी। उनके शिष्यों ने यहां श्रीमद्भागवत कथा और सिद्धिकारक शिविर आयोजित किया है। इस शिविर में देशभर से हजारों शिष्य परिवार के साथ शामिल हो रहे हैं।

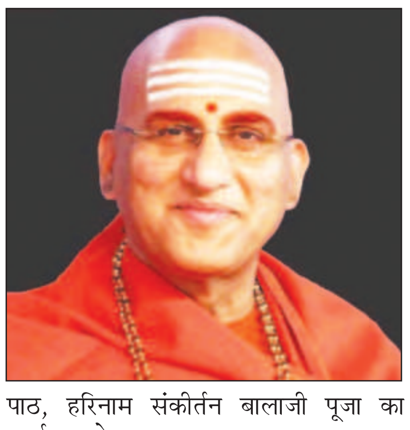

महाकुंभ में आध्यात्मिक अनुष्ठान

प्रभुप्रेमी संघ चैरिटेबल ट्रस्ट, पराशक्ति धर्मार्थ ट्रस्ट और एन्शिएंट हेरिटेज फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा 12 जनवरी तक होगी। इसमें विभिन्न आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक अनुष्ठान होंगे। आध्यात्मिक अनुष्ठान के तौर पर श्री पंचदेव महायज्ञ, श्रीनवचंडी यज्ञ, महारुद्राभिषेक, सर्वदेव अर्चना, नवग्रह शांति पाठ, श्री विष्णु सहस्त्रनाम, हनुमान चालीसा पाठ, हरिनाम संकीर्तन बालाजी पूजा का कार्यक्रम होगा।

महाकुंभ में वैचारिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान

वैचारिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान के तौर पर भागवत कथा में व्याख्यान, संगोष्ठी, महिला सशक्तिकरण सम्मेलन, व्यक्ति विकास शिविर, योग ध्यान शिविर, प्रतिभा जागरण कार्यशाला, आहार शुद्धि परिचर्चा, जीवन प्रबंधन कार्यशाला, विविध प्रादेशिक नृत्य शिविर, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

अमृत महाकुंभ स्नान

प्रभुप्रेमी संघ की ओर से प्रयागराज महाकुंभ में 5 जनवरी से 10 फरवरी तक अभ्युदय श्रेयस प्रदाता सिद्धिकारक कुंभ शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में श्रद्धालुओं को पुण्यस्नान, यज्ञ, सर्वदेवार्चन, महाभिषेक जप-ध्यान और आत्मोत्थान के लिए आमंत्रित किया गया है। 14 जनवरी, 29 जनवरी और 3 फरवरी को अमृत महाकुंभ स्नान का शुभ योग है। इसमें भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

पेशवाई में शामिल हुए यह संत

जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज प्रयागराज महाकुंभ में पहुंच चुके हैं। 16 दिसंबर को महाकुंभ नगरी में राजसी अंदाज में उनकी पेशवाई निकाली गई थी। इस पेशवाई में महामंडलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज, स्वामी नरेंद्रानंद गिरि महाराज, जापान की माता कैला गिरि (केको आइकावा), स्वामी महेंद्रानंद गिरि, यूक्रेन की माता एनकिडा लायला और अन्य महामंडलेश्वर शामिल हुए।

कौन हैं स्वामी अवधेशानंद गिरि ?

स्वामी अवधेशानंद गिरि जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर हैं। जूना अखाड़ा नागा साधुओं का बहुत पुराना और बड़ा समूह है। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने करीब 10 लाख नागा साधुओं को दीक्षा दी है। वह उनके पहले गुरु भी हैं। स्वामी अवधेशानंद एक हिंदू आध्यात्मिक गुरु, संत, लेखक और दार्शनिक हैं। हिंदू धर्म आचार्य सभा के अध्यक्ष और वर्ल्ड काउंसिल ऑफ रिलीजियस लीडर्स के बोर्ड मेंबर हैं। उनका आश्रम कनखल, हरिद्वार में है।

महाकुंभ के लिए निकली आनंद अखाड़े की पेशवाई

प्रयागराज, 6 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ के लिए आज तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाड़े की पेशवाई निकली है। एक हजार से ज्यादा साधु-संत हाथी, घोड़े, ऊंट और रथ पर सवार होकर निकले हैं। ढोल नगाड़े, शंखनाद और पुष्पवर्षा से स्वागत किया जा रहा है। संतों के बीच नरमुंड की माला पहने नर-पिशाच के रूप में कलाकार करतब दिखा रहे हैं। कलाकारों ने त्रिनेत्र से आग के गोले छोड़े। यह नजारा देख लोग दंग हो गए। नरमुंड की माला पहनकर शिव बराती बने कलाकारों ने जमकर तांडव किया। अखाड़े के श्रीमहंत शंकरानंद सरस्वती ने बताया- यह पेशवाई बाघंबरी मठ के पास स्थित आनंद अखाड़ा परिसर से निकाली गई। अखाड़े में सबसे आगे धर्मध्वजा चल रही है, जिस पर भगवान सूर्यदेव स्थापित हैं। इसके पीछे सिंहासन पर अखाड़े के ईष्ट भगवान सूर्य नारायण सवार हैं।

बेटी को बचाने के लिए तेंदुए से भिड़ी मां

8 साल की बच्ची पर किया हमला, मां ने कहा-बेटी के गर्दन और सीने पर किया था हमला

बहराइच, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बहराइच में एक आठ साल की मासूम अपनी मां के साथ सो रही थी। देर रात लघु शंका करने के लिए घर के बाहर निकली थी। तभी पास में छिपे बैठे तेंदुए ने उसपर हमला कर दिया। तेंदुए ने बालिका के गले व सीने और कमर पर हमला कर जख्मी कर दिया।

मौके पर मौजूद बच्ची की मां ने 2 मिनट तक संघर्ष कर मौत के मुंह से बालिका को बचा लिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए। भीड़ को देख तेंदुआ खेत की ओर भाग गया।घायल को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के सुजौली रेंज में स्थित रमपुरवा बनकटी गांव निवासी कृष्णा नंदन की बेटी सुंदरी (8) अपनी मां के साथ सो रही थी। इस दौरान देर रात लघुशंका करवाने उसकी मां घर के बाहर नल के पास गई। तभी टटिया के पास घात लगाए बैठे तेंदुए ने उसपर हमला कर दिया। तेंदुए ने बच्ची के हाथ को जख्मी कर दिया। उसकी मां वहां पर मौजूद थी। मां अपनी बेटी को बचाने के लिए तेंदुए से भिड़ गई। दोनों के बीच लगभग 2 मिनट संघर्ष चला। इसी बीच मौके पर और ग्रामीण और परिजन आ गए। फिर तेंदुआं बच्ची को छोड़कर फरार हो गया।

घायल मासूम को परिजन एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए लेकर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां पर उसका प्राथमिक उपचार किया गया है। बच्ची की हालत अब स्थिर बनी हुई है। मां विमला ने बताया- मेरी बच्ची तेंदुए ने काटा है। उसकी गर्दन और सीने पर घाव है। पहले सीएचसी लाए थे। अब जिला अस्पताल लेकर जा रहे हैं। तेंदुए ने मुझ पर हमला नहीं किया, मेरी बेटी को दबोच लिया था। मैं उसकी अपनी तरफ खींच रही थी। तब मैंने शोर मचा दिया तो गांव के लोग आ गए। इस वजह से वह भाग गया। नहीं तो मुझ पर भी हमला कर देता।

ग्रामीण अवधेश कुमार ने बताया- घटना की सूचना उनके द्वारा वन विभाग को दी गई थी, लेकिन मौके पर कोई वनकर्मी नहीं पहुंचा है। इससे पहले भी तेंदुआ वहां पर बच्चों पर हमला कर चुका है और पालतू मवेशियों को भी निवाला बना चुका है, लेकिन तेंदुए को अभी तक पकड़ा नहीं गया है। रविवार शाम को कोतवाली मुर्तिहा के ग्राम धर्मापुर निवासी श्रीचंद (35) पर भी तेंदुए ने हमला किया था।

गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश बचा लिया, नई पीढ़ी को बताएं योगदान : सीएम योगी

विधर्मी देश में धर्म नष्ट करने को उतावले दिखाई दे रहे हैं

लखनऊ, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज उस समय गुरु तेग बहादुर महराज को प्रेरित कर रहे थे कि देश व धर्म पर संकट है, यदि किसी महान आत्मा का बलिदान होगा तो जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करते हुए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे और देश इसके खिलाफ खड़ा होगा।

महान बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कौन हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। सीएम योगी ने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और टॉफी-चॉकलेट वितरित किया। उन्होंने कहा कि 26-27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा दिया। कश्मीर को बचाया, जो आज भी भारत का हिस्सा है। वजीर खान गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों (जोरावर सिंह-फतेह सिंह) से कहता है कि इस्लाम स्वीकार कर लो, लेकिन इन लोगों ने कहा कि यह नहीं हो सकता। इस पर उन्हें जीवित ही दीवारों में चुनवा दिया गया। चमकौर युद्ध में बड़े साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह व जुझार सिंह) ने शहादत को प्राप्त किया। इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ। सीएम ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से आगे बढ़ते हुए सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने एक ही बात कही कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं...' गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। सीएम ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जातिभेद, छुआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने और देश-धर्म को बचाने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने 'सकल जगत में, खालसा पंथ गाजे' का उद्घोष कर देश व धर्म के मार्ग में बाधक उस समय की विधर्मी ताकतों को रास्ते से हटाने के लिए प्रेरित किया था।

एक लाख का इनामी कुख्यात गिरफ्तार

जेल से छूटने के बाद 11 आपराधिक मामलों को दिया अंजाम, पुलिस पर भी की थी फायरिंग

आरा(भोजपुर), 6 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार एसटीएफ ने भोजपुर पुलिस के मदद से 1 लाख रुपए के इनामी कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी चांदी थाना के विशुनपुर इलाके से हो हुई। पकड़ा गया कल्लू राय उर्फ कल्लू यादव चांदी थाना के रामपुर गांव का निवासी है। उसके विरुद्ध कुल 11 आपराधिक मामले मिले हैं। इधर, एसपी राज ने पुष्टि करते हुए बताया कि आपराधिक इतिहास को देखते हुए उसके विरुद्ध अभी हाल में ही मुख्यालय से एक लाख रुपए का इनाम घोषित हुआ था।

एसटीएफ और जिला पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वांटेड अपराधी विशुनपुर सोन नदी इलाके में घूम रहा है। इसके बाद संयुक्त रूप से टीम गठित कर वांटेड को पकड़ा गया। टीम में एसटीएफ के अलावा चांदी थानाध्यक्ष राकेश रौशन समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पुलिस के अनुसार 9 अक्टूबर 2024 को छापेमारी के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग की गई थी। जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए थे। इसे लेकर उसके विरुद्ध प्राथमिकी की गई थी। पुलिस पर हमले के बाद से ही वह फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार पकड़े कल्लू पर हत्या का प्रयास, गोलीबारी, शराब समेत आर्म्स एक्ट के करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार कल्लू राय को पुलिस ने 2021 में भी पकड़ा था। जेल से जमानत पर छूटने के बाद फिर से आपराधिक कांडों में संलिप्त रहा था। कुल 11 मामलों में 7 केस चांदी थाना, 3 केस संदेश थाना और एक केस उदवंतनगर थाना में है। सभी मामले हत्या के प्रयास और गोलीबारी से जुड़े हैं। जो 2019 से 2024 के बीच के हैं।

इधर, लगातार पुलिस दबिश बढ़ने के बाद वह सरेंडर करने की तैयारी में था। इस बीच एसटीएफ और जिला पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर वांटेड अपराधी को पकड़ा। इससे पहले भी एसटीएफ और जिला पुलिस ने एक लाख के इनामी नक्सली विजय यादव समेत तीन को पकड़ा था।

सड़क हादसे में 2 डॉक्टरों की मौत

पटना, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर सोमवार सुबह सड़क हादसे में दो डॉक्टरों की मौत हो गई। मृतक डॉक्टर नियाज अहमद मोतिहारी और डॉक्टर अभिषेक श्रीवास्तव छपरा के रहने वाले थे। दोनों डॉक्टर पटना से नवादा स्थित अपने निजी नर्सिंग होम, हिम्स हॉस्पिटल जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। परिजनों ने बताया, 'दोनों पटना से नवादा जा रहे थे। वहां उनका निजी नर्सिंग होम था। बख्तियारपुर से लगभग 5 किलोमीटर पहले फोरलेन पर कोहरे के कारण दो कार के बीच टक्कर हो गई, जिससे यह हादसा हुआ है।' डॉक्टर अभिषेक के पिता जयप्रकाश सिंह ने बताया कि 'हम ड्यूटी में गए हुए थे। उसी दौरान यहां से एक्सीडेंट होने की सूचना मिली। आनन-फानन में बख्तियारपुर घटनास्थल के पास पहुंचे, जहां जानकारी मिली कि रॉन्ग साइड से आ रही गाड़ी से आमने-सामने टक्कर हो गई।'

डॉगी ने दिया तीन बच्चों को जन्म मनाया छठी कार्यक्रम

300 लोगों को निमंत्रण, 4 लाख का खर्च, पंजों में लगाया लाल रंग; महिलाओं ने गाए सोहर

फतेहपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। फतेहपुर में पशु प्रेम का एक अनोखा मामला देखने को मिला है। जहां एक परिवार के पालतू डॉगी ने 3 बच्चों को जन्म दिया। डॉगी के बच्चे होने पर परिवार के लोगों ने छठी कार्यक्रम मनाया और गांव 300 लोगों को भोजन कराया। साथ ही डीजे के धुन पर नाचते रहे। डॉगी और उनके बच्चों के पंजों में लाल रंग लगाकर महिलाओं ने सोहर गीत भी गाया है। इस कार्यक्रम में 4 लाख का खर्चा आया।

फतेहपुर जिले के धाता थाना क्षेत्र के अजरौली पल्लावां गांव के रहने वाले आल्हा बाबा खेती किसानी करते हैं। इन्होंने एक फीमेल डॉगी पाल रखी है, जिसे प्यार से पपी कहकर बुलाते हैं। पालतू डॉगी पपी ने हाल ही में पहली बार 3 बच्चों का जन्म दिया तो पशु प्रेमी आल्हा बाबा ने डॉगी के बच्चों के छठी कार्यक्रम की योजना बनाई।

300 ग्रामीणों को दिया निमंत्रण

आल्हा बाबा न रविवार के दिन पूरे रीति रिवाज से कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम में गांव के 300 ग्रामीणों को निमंत्रण भी दिया गया। इस अवसर पर पहुंचे लोगों ने कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। वहीं आल्हा बाबा ने डीजे और घोड़ा भी मंगाया था। इस दौरान डीजे की धुन पर लोगों ने जमकर डांस किया।

नीतीश बोले-अटल जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था

लालू के ऑफर पर कहा-मैं क्यों इधर-उधर जाऊंगा, कौन क्या बोलता है मुझे मतलब नहीं

हाजीपुर सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को फिर से लालू के ऑफर का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि 'पटना में जो लोग बात कर रहे हैं, उनसे हमको क्या लेना-देना है। हम दो बार गलती से इधर-उधर चले गए थे। हमको बनाने वाले अटल जी हैं। उन्होंने बहुत सम्मान दिया।

मुझे सीएम बनाया। एनडीए में जो सम्मान मिला, उसके बाद वापस जाने का कोई सवाल ही नहीं बनता है। दो बार जेडीयू वाले गलती से इधर-उधर कर दिए थे, लेकिन अब नहीं होगा।' नीतीश कुमार ने वैशाली में प्रगति यात्रा के दौरान ये बातें कहीं। इस दौरान उन्होंने 350 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसकी कुल राशि करीब 278 करोड़ रुपए है।

लालू ने सीएम नीतीश को दिया था ऑफर

2025 का पहला दिन, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के एक बयान ने सर्दी में राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी। लालू ने न्यू ईयर में नीतीश को अपने साथ आने का ऑफर दिया। कहा- साथ आएं, मिलकर काम करें। हालांकि, पिछले 36 घंटे में सीएम नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद के ऑफर को 3 बार ठुकराया। वैशाली से पहले शनिवार को पहली बार गोपालगंज में और रविवार को दूसरी बार मुजफ्फरपुर में। सीएम नीतीश ने कहा कि '2 बार हमको गलती से उन लोगों के साथ जोड़ दिया। वो लोग कोई काम किया है क्या। पहले बिहार में महिलाओं की ऐसी स्थिति थी क्या। मैंने ही जीविका नाम दिया। हमारी पहल के बाद केंद्र ने भी जीविका दीदी नाम रखा। हम घूमकर देखते हैं, कोई कमी है तो उसे पूरा करते हैं।'

लालू के बयान के बाद तेजस्वी यादव सामने आए। उन्होंने राजद सुप्रीमो के बयान को यह कहकर खारिज कर दिया कि मीडिया को ठंडा करने के लिए लालू जी ने यह बयान दिया था। वो पहले भी नीतीश को साथ लाने पर कह चुके हैं कि सीएम अब थक चुके हैं। उनको साथ लाने का मतलब अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना होगा।

यूपी के 46 जिलों में बर्फीली हवाएं, 15 की मौत

लखनऊ, 6 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में अब हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। 33 जिलों में कोहरा छाया हुआ है। लखनऊ, वाराणसी समेत 6 शहरों में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई। ठंड से 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। लखनऊ में बारिश की तरह ओस की बूंदें गिर रही हैं। सड़कें भीग गई हैं। कोहरा खिड़कियों से अपार्टमेंट में घुस गया है।

कोहरे के कारण 20 से अधिक फ्लाइट्स देरी से आईं। ट्रेन-बस पर भी असर देखने को मिला। कानपुर रेलवे स्टेशन पर 93 ट्रेनें 11 घंटे तक लेट रहीं। वहीं, सवारी न मिलने पर 30 से ज्यादा बसें रद्द हो गईं। मौसम विभाग ने आज 46 जिलों में कोल्ड-वेव का अलर्ट जारी किया है। रविवार को इटावा सबसे ठंडा शहर रहा। यहां तापमान 5.5 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने एडवाइजरी जारी की है कि जरूरत पड़ने पर ही लोग बाहर निकलें। मौसम विभाग का कहना है कि आज वेस्ट यूपी के कई शहरों में बारिश हो सकती है। अगले 10 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

हेलिकॉप्टर क्रैश में शहीद कानपुर का पायलट

10 महीने पहले हुई थी शादी, जज पत्नी एक दिन पहले मिलकर लौटी थी

पत्नी आवृत्ति के साथ सुधीर

कानपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के पोरबंदर में हुए हेलिकॉप्टर हादसे में कानपुर के पायलट सुधीर यादव शहीद हो गए। सुधीर 2015 में पायलट बने थे। 10 महीने पहले उनकी शादी हुई थी। पत्नी आवृत्ति पटना में जज हैं। नए साल पर 1 जनवरी को घर आए थे। घरवालों ने बताया- आवृत्ति सुधीर से मिलकर शनिवार देर शाम पटना लौटी थीं। रविवार को मौत की खबर आ गई।

सुधीर का घर कानपुर के श्याम नगर इलाके में है। रविवार देर शाम सेना के अधिकारी भी घर पहुंचे। परिवार वालों को सांत्वना दी। मंगलवार सुबह उनका पार्थिव शरीर कानपुर लाया जाएगा। पैतृक गांव में अंतिम संस्कार होगा। सुधीर भारतीय तटरक्षक बल के एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर में पायलट थे। पोरबंदर में रविवार दोपहर 12 बजे इंडियन कोस्टगार्ड का हेलिकॉप्टर हवाई अड्डे के रनवे पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया था। हादसे में सुधीर समेत 3 जवान शहीद हुए थे।

प्रियंका फिर संभाल सकती हैं यूपी की कमान

2027 के चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस, दिल्ली चुनाव के बाद हो सकता है ऐलान

लखनऊ, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को फिर से यूपी का प्रभारी बनाया जा सकता है। बीते एक साल से उनके पास किसी राज्य का प्रभार नहीं है। इससे पहले वह यूपी की प्रभारी थीं, लेकिन लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दिसंबर 2023 में खुद को यूपी के प्रभार से अलग कर लिया था। प्रियंका ने पूरा फोकस अमेठी और रायबरेली पर कर दिया था। प्रियंका के करीबियों का मानना है कि जल्द ही दोबारा प्रियंका गांधी को यूपी का प्रभारी बनाया जाएगा। इसमें केवल औपचारिकता शेष बची है। कांग्रेस में एक तबका उन्हें संगठन महासचिव के रूप में भी देखना चाहता है, लेकिन कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि फिलहाल उन्हें यूपी की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यूपी के कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे हैं। दरअसल, कांग्रेस में महासचिवों को राज्यों का प्रभारी बनाया जाता है। मसलन मौजूदा समय में कांग्रेस में कुल 12 महासचिव हैं। इसमें केसी वेणुगोपाल संगठन महासचिव हैं।

इनमें से सिर्फ प्रियंका गांधी और दीपक बाबरिया किसी राज्य के प्रभारी नहीं हैं। बाकी सभी के पास कोई न कोई प्रभार है। प्रभारी के लिए प्रियंका का ही नाम क्यों? प्रियंका ने यूपी की जिम्मेदारी संभालने के बाद इसमें आमूलचूल परिवर्तन किया था। कांग्रेस में संगठन के अहम पदों पर 70% से अधिक अगड़ी जाति के लोगों का दबदबा था। लेकिन प्रियंका ने इसमें सबकी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने 50 प्रतिशत से अधिक पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को जगह दी। खास बात यह रही कि जब कांग्रेस ने यूपी में अविनाश पांडे को प्रभारी बनाया तो वे भी इसमें फेरबदल की गुंजाइश नहीं तलाश पाए। हाल ही में कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इसमें जो प्रस्ताव पास हुआ, उसमें यूपी में संगठन सृजन के मॉडल की न सिर्फ तारीफ की गई बल्कि इसे देश के दूसरे राज्यों में भी लागू करने की बात कही गई। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ समझौता किया था और छह सीटें जीतने में कामयाब हो गई। प्रियंका गांधी इस दौरान काफी एक्टिव रहीं। वाराणसी में उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ रोड शो किया था। इसका असर दिखा। मोदी की जीत की मार्जिन लाख पर आ गई। इस कामयाबी से कांग्रेस को यूपी में 2027 के चुनाव में एक उम्मीद की किरण दिख रही है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि कांग्रेस और सपा का समझौता बरकरार रहता है और समीकरण 2024 लोकसभा चुनाव वाले जैसे ही बनते हैं तो कांग्रेस 25 से 30 सीटें जीत सकती है। इसमें प्रियंका भूमिका निभा सकती हैं।

राम जानकी मंदिर से अष्टधातु की 6 मूर्तियां चोरी

श्रावस्ती, 6 जनवरी (एजेंसियां)। श्रावस्ती के भिनगा लक्ष्मणपुर बाजार में रविवार रात राम जानकी मंदिर से सैकड़ों साल पुरानी अष्टधातु की मूर्तियां चोरी हो गईं। पुजारी जब सुबह मंदिर पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल, भिनगा के लक्ष्मणपुर बाजार में श्री राम जानकी मंदिर है। बताया जा रहा की मंदिर में सैकड़ों साल पुरानी 6 मूर्तियां मौजूद थी जिनमें से तीन मूर्तियां अष्टधातु की थी। वहीं मंदिर के पुजारी विजय दुबे का मंदिर से कुछ दूरी पर सामने ही घर है। वह रोजाना विधि विधान से मंदिर में पूजा करते हैं।

आप का आरोप, आतिशी बोलीं

नई दिल्ली विधानसभा में वोटों का घोटाला कर रही बीजेपी

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि बीजेपी नई दिल्ली विधानसभा में वोटों का बहुत बड़ा घोटाला कर रही है। बताना होगा कि नई दिल्ली विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस का जी सीट से उम्मीदवार आतिशी ने कई आंकड़े जारी कर आरोप लगाया कि मात्र 84 लोगों ने 4000 से ज्यादा लोगों के वोट काटने की एप्लीकेशन डाली है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर वे कौन लोग हैं जो इतने सारे लोगों के वोट कटवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के वोट कट गए हैं या कहीं शिफ्ट हो गए हैं या जिन लोगों की मौत हो चुकी है, चुनाव आयोग के लोग उन्हें नहीं ढूंढ पाए, बूथ लेवल के अफसर उन्हें नहीं ढूंढ पाए लेकिन इन 84 लोगों ने ऐसे हजारों लोगों को ढूंढ लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 84 लोगों को नोटिस देकर सुनवाई के लिए बुलाया गया लेकिन सुनवाई में इन सभी लोगों ने हाथ खड़े कर दिए कि उन्होंने ऐसी कोई एप्लीकेशन नहीं दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा उनके वोट कटवाने के लिए किया गया। आतिशी ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में 10% वोट जोड़े जाने और 5% वोट हटाए जाने की साजिश चल रही है और पूरे चुनाव में हेराफेरी की जा रही है। आतिशी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भी मौजूद रहे।

नई दिल्ली में कठिन माना जा रहा मुकाबला

नई दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के लिए इस बार चुनावी मुकाबला थोड़ा मुश्किल माना जा रहा है क्योंकि उनके सामने कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और दिल्ली में दो बार सांसद रहे संदीप दीक्षित को टिकट दिया है। बीजेपी ने इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री साहब सिंह के बेटे परवेश साहिब सिंह वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। परवेश साहिब सिंह वर्मा भी दिल्ली में भारी मतों से दो बार लोकसभा का चुनाव जीत चुके हैं।

कंधार हाईजैक : आतंकियों के मंसूबों को किया था फेल

178 यात्रियों की जान बचाने वाले कैप्टन देवी शरण हुए रिटायर

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। आपने कंधार हाईजैक कांड की स्टोरी तो सुनी होगी। इंडियन एयरलाइंस एयरक्राफ्ट आईसी- 814 का विमान 1999 में आतंकियों ने हाईजैक किया था। इस विमान के पायलट कैप्टन देवी शरण थे। अब वह रिटायर हो गए हैं। शनिवार को बतौर पायलट देवी शरण की आखिरी उड़ान थी। अपने फेयरवेल के मौके पर देवी शरण भावुक हो गए। देवी शरण की होशियारी से ही भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को अधिक समय मिला था और उन्होंने यात्रियों की जान बचाई थी। कैप्टन देवी शरण ने 1985 में इंडियन एयरलाइंस को ज्वाइन किया था। वर्तमान में वह एअर इंडिया के विमान के पायलट थे।

20 राज्य-केंद्र शासित प्रदेश घने कोहरे की जद में

सर्द मौसम में 15 की मौत,12 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हाड़ कंपाने वाली ठंड के बीच घने कोहरे ने भी उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले रखा है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में लगातार चौथे दिन घना कोहरा छाया रहा। उत्तर पश्चिम में जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर में त्रिपुरा तक 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में घने कोहरे की मोटी चादर फैली रही। कई इलाकों में दृश्यता शून्य रह गई। कोहरे ने सड़क से लेकर रेल और हवाई यातायात को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया।

सर्द मौसम में 15 लोगों की मौत

कोहरे के कारण 12 उड़ानों को रद्द करना पड़ा। 100 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। कोहरे के चलते 51 ट्रेनें भी देर से चलीं। सर्द मौसम ने 15 लोगों की जान भी ले ली। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में वर्षा व बर्फबारी में सड़क से फिसलकर एक वाहन शनिवार देर रात नाले में गिर गया। उसमें छह लोग सवार थे, जो रातभर वहीं पड़े रहे। सुबह जब हादसे का पता चला, तब तक ठंड से इनमें से चार की मौत हो चुकी थी। चालक समेत दो लापता हैं।

यूपी में ठंड लगने से 7 लोगों की मौत हुई है। इनमें हमीरपुर में 5, भदोही व महोबा में एक-एक मौत शामिल है। वहीं, पंजाब के फिरोजपुर में कोहरे के कारण हुए सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। घने कोहरे के चलते दिल्ली के पालम समेत कई इलाके में सुबह 4:00 बजे 7:30 बजे के बीच दृश्यता शून्य रही। इसका सीधा असर हवाई सेवा पर पड़ा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 100 से अधिक उड़ानों के आगमन और प्रस्थान में देरी हुई। श्रीनगर और चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर भी दृश्यता 50 मीटर तक रह गई थी, जिसके चलते सुबह के समय दोनों जगहों से क्रमशः 10 और दो उड़ानों को रद्द करना पड़ा।

51 ट्रेनें चलीं देर से

कोहरे के कारण 51 ट्रेनें भी देर से चलीं, जिनमें ज्यादातर देश के विभिन्न हिस्सों से राष्ट्रीय राजधानी आने वाली ट्रेनें शामिल हैं। जयपुर-बठिंडा तीन घंटे, गोरखधाम सुपरफास्ट पांच घंटे, सिरसा एक्सप्रेस छह घंटे की देरी से चली।

बिना पार्टी के इशारे के अभद्र टिप्पणी नहीं कर सकते रमेश बिधूड़ी : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के प्रियंका गांधी को लेकर दिए गए बयान पर घमासान लगातार जारी है और अब इस पर विपक्षी पार्टियां लगातार भाजपा पार्टी और रमेश बिधूड़ी को घेर रही हैं। रमेश बिधूड़ी के बयान पर आप आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का यही चरित्र है।

रमेश बिधूड़ी जो बोलते हैं वह अपने नेताओं से विमर्श किए बिना बोलते होंगे या अपनी पार्टी के सीनियर लीडर्स के बिना इशारे पर बोलते होंगे ऐसा तो हो ही नहीं सकता है। ये भारतीय जनता पार्टी का चरित्र है कि महिलाओं के ऊपर अभद्र टिप्पणी करो। उन्होंने कहा है कि भाजपा के लोग महिला मुख्यमंत्री के ऊपर टिप्पणी करते हैं, उनके व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हैं और फिर उनका ऐसे सार्वजनिक मंच से मजाक उड़ाते हैं। मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया है कि कल जिस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली की जनता से अपील कर रहे थे कि उनकी सरकार बनवा दो, उसी मंच से रमेश बिधूड़ी महिलाओं को गालियां दे रहे थे।

मनीष सिसोदिया ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर घोषणा होने वाली है। आम आदमी पार्टी की पूरी टीम और एक-एक कार्यकर्ता इंतजार कर रहा है कि चुनाव आएं और जनता के बीच जाकर अपने काम बताएं। जो केजरीवाल ने गारंटी दी है उसको हम बताएंगे और इसी मुद्दे को लेकर चुनाव लड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास शीश महल को लेकर कैग की जो रिपोर्ट सामने आई है उस पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री के आवास पर, साढ़े आठ सौ करोड़ के हवाई जहाज पर और 10 लाख के सूट पर कोई रिपोर्ट है क्या।

बेंगलुरु इंजीनियर सुसाइड, पत्नी के खिलाफ एफआईआर खारिज नहीं

हाईकोर्ट ने पूछा-जांच क्यों नहीं चाहतीं; आत्महत्या के लिए उकसाने की सारी डिटेल्स मौजूद

बेंगलुरु, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अतुल सुभाष ने 9 दिसंबर 2024 को सुसाइड किया था। पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए थे। एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के सुसाइड केस में कर्नाटक हाईकोर्ट ने सोमवार को पत्नी निकिता सिंघानिया की याचिका खारिज कर दी। निकिता के वकील ने कहा था कि शिकायत में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो ये बताता हो कि निकिता अतुल को आत्महत्या के लिए उकसाने में शामिल थी। निकिता के वकील की इस दलील पर जस्टिस एसआर खन्ना ने एफआईआर खारिज करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में गड़बड़ी वाली जांच का सवाल ही नहीं उठता है। आप (निकिता) जांच क्यों नहीं चाहती हैं? दरअसल, 9 दिसंबर 2024 को अतुल सुभाष ने बेंगलुरु में अपने फ्लैट में सुसाइड किया था। सुसाइड से पहले अतुल ने 1 घंटे 20 मिनट का वीडियो बनाया था। इस वायरल वीडियो में अतुल ने अपनी पत्नी निकिता पर गंभीर आरोप लगाए थे। अतुल ने सुसाइड नोट भी छोड़ा था। अतुल के परिवार ने निकिता सिंघानिया और उसके परिवार पर अतुल को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए थे। निकिता, उसकी मां, भाई और चाचा पर एफआईआर दर्ज की गई है। 4 जनवरी को ही निकिता, उसकी मां, भाई को जमानत दी गई। चाचा पहले ही जमानत पर हैं। जस्टिस खन्ना ने कहा, 'आप यह कह रही हैं कि शिकायत में ऐसा कुछ भी नहीं जो बताता हो कि आत्महत्या के लिए उकसाया गया? विस्तृत जानकारी दी गई है, सबकुछ दिया गया है।

ओलंपिक संघ और फुटबॉल महासंघ की याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे सीजेआई

बोले-मैं दिल्ली एचसी में इसे सुन चुका हूं

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भारतीय ओलंपिक संघ और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधानों को अंतिम रूप देने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि मैं इन मामलों की सुनवाई के लिए पीठ का हिस्सा नहीं हूं। क्योंकि इसे मैं पहले दिल्ली हाईकोर्ट में सुन चुका हूं।

भारतीय ओलंपिक संघ और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधान को अंतिम रूप देने से संबंधित दो अलग-अलग याचिकाएं सोमवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की खंडपीठ के समक्ष पहुंचीं। कार्यवाही शुरू करने से पहले मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह इन मामलों की सुनवाई के लिए पीठ का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने पहले दिल्ली हाईकोर्ट में इससे जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की थी। शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इन याचिकाओं पर रिपोर्ट तैयार की है। सीजेआई ने कहा कि याचिकाओं को 10 फरवरी को न्यायमूर्ति पीएस

नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली दूसरी पीठ के समक्ष लाया जाए मुझे दिल्ली उच्च न्यायालय में इसकी सुनवाई याद है।

याचिकाओं पर आखिरी बार 19 मार्च 2024 को तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की थी। पीठ ने तब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को न्यायमूर्ति राव द्वारा प्रस्तावित संविधान के मसौदे पर अपनी आपत्तियां दर्ज करने की अनुमति दी थी। पीठ ने कहा था वह सुनवाई की अगली तारीख पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और एआईएफएफ संविधान के बारे में उठाए गए मुद्दों पर फैसला करेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को दी गई थी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

दरअसल, अगस्त 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट ने आईओए के संविधान तैयार करने और चुनाव कराने को लेकर प्रशासकों की समिति (सीओए) नियुक्त की थी। इसी तरह का मामला भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) में भी सामने आया था। सीओए की नियुक्ति के बाद फुटबॉल की सबसे बड़ी संस्था फीफा (एफआईएफए) ने एआईएफएफ पर बैन लगा दिया था। आईओए को भी इसी बात का खतरा था कि कहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ भी उन पर बैन न लगा दे। इसी को लेकर आईओए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और आईओए के संविधान के नियमन पर एक मसौदा रिपोर्ट तैयार करने के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव को नियुक्त किया था।

पानी को लेकर दो समूहों के बीच झड़प, तीन की मौत

धाराशिव, 6 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के एक गांव में कुएं से पानी की आपूर्ति को लेकर दो समूहों में झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार देर रात यरमाला पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में वाशी तहसील के बावी गांव में हुई।

मामले में शामिल लोग दूर के रिश्तेदार थे और उनके बीच अपने खेत के लिए कुएं से पानी की आपूर्ति को लेकर विवाद था। दोनों समूहों के बीच तीखी बहस के बाद हाथापाई हुई और तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आगे बताया कि मृतकों की पहचान अप्पा काले, सुनील काले और बैजनाथ काले के रूप में हुई है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें से एक की हालत गंभीर है। अधिकारी ने बताया कि धाराशिव पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है और आगे की जांच जारी है।

'डंपर ने जानबूझकर मारी थी कार को टक्कर'

भाजपा नेताओं के साथ हुए कार हादसे में पुलिस का खुलासा

भुवनेश्वर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर जिले में भाजपा नेताओं के साथ हुए कार हादसे में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने कहा कि डंपर ने जानबूझकर भाजपा नेताओं की गाड़ी को टक्कर मारी थी। संबलपुर में रविवार तड़के डंपर ने एक कार को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में भाजपा नेता देवेंद्र नायक और मुरलीधर छुरिया की मौत हो गई थी। दोनों नेता भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरो नायक के करीबी थे।

घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक पी मुकेश कुमार भामू ने कहा कि घटना के वीडियो फुटेज से पता चला है कि डंपर ने जानबूझकर कार को टक्कर मारी। हमने बीएनएस की धारा 307 और 302 के तहत मामला दर्ज किया है। हम अन्य साक्ष्य भी जुटा रहे हैं। पुलिस डंपर चालक से पूछताछ कर रही है। एसपी ने बताया कि वह किस समय हाईवे से निकला और किस समय रुका। इन सब मामलों की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात डेढ़ बजे एनएच 53 पर बर्ला थाना क्षेत्र में हुई। कार में छह लोग सवार थे, जिनमें चालक भी शामिल था। वे भुवनेश्वर से अपने घर कर्डोला लौट रहे थे। दुर्घटना के बाद सभी को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य का इलाज चल रहा है।

भाजपा कार्यकर्ता ने लगाया था आरोप

घटना में घायल हुए भाजपा कार्यकर्ता सुरेश चंद्रा ने आरोप लगाया था कि डंपर ने हमारी कार को पीछे से दो बार टक्कर मारी। हमें शक था कि कोई जानबूझकर हमारी कार को टक्कर मार रहा है, इसलिए चालक ने कार को हाईवे से कंडपाली चौक की ओर घुमा लिया, लेकिन डंपर ने पीछा किया और फिर से कार को टक्कर मारी, जिससे कार पलट गई। उन्होंने कहा कि जब कार को दो बार टक्कर मारी गई तब तक वह होश में थे। मगर तीसरी बार जब डंपर ने टक्कर मारी तो वह बेहोश हो गए। चंद्रा ने कहा कि मुझे यकीन है कि यह जानबूझकर किया गया। कोई दुर्घटनावश एक बार टक्कर मार सकता है, लेकिन तीन बार क्यों टक्कर मारी गई?'

अमित शाह से मिले कैप्टन अमरिंदर सिंह : किसान आंदोलन समेत 3 मुद्दों पर बातचीत हुई, 25 अक्टूबर को खन्ना मंडी पहुंचे थे

चंडीगढ़, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब भाजपा के सीनियर नेता और पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह कई महीनों के बाद फिर से राजनीति में सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है।

यह मुलाकात दिल्ली में हुई। उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि उन्होंने गृह मंत्री से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पंजाब के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह से कैप्टन अमरिंदर सिंह की मुलाकात का समय काफी अहम है। सूत्रों की मानें तो मुख्य रूप से चर्चा के तीन बिंदु रहे। एक तो राज्य में इस समय चल रहा किसान आंदोलन। जिसे एक साल पूरा होने वाला है। जगजीत सिंह डल्लेवाल करीब 42 दिनों से आमरण अनशन पर हैं। उनकी तबीयत नाजुक है। ऐसे में उम्मीद है कि बैठक में यह मुद्दा भी उठा होगा। दूसरा अहम मुद्दा पार्टी प्रधान का है। क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद सुनील जाखड़ ने गृह मंत्री को अपना इस्तीफा भेज दिया था।

गणतंत्र दिवस एनसीसी शिविर : 'बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें', नौसेना प्रमुख ने कैडेट्स को दिया 'एबीसीडी' मंत्र

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के शिविर में जीवन के लिए एबीसीडी का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भारत महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश की युवा पीढ़ी से बहुत उम्मीदें हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने एनसीसी की सराहना की और कहा कि यह 1948 में अपनी स्थापना के बाद से देश को मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 'गणतंत्र दिवस एनसीसी शिविर' में एडमिरल त्रिपाठी ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद के विचार, बॉलीवुड फिल्मों की कुछ पंक्तियां और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा, आपसे (युवाओं) से बहुत उम्मीदें हैं, खासकर जब देश अपने महाशक्ति बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। भविष्य में भारत को विकसित भारत के रूप में देखा जाएगा, जहां दूसरे देशों के लोग आकर पढ़ाई करेंगे और भारत की तरक्की में योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी बनकर रहा था ठगी, एसडीएम की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

नवसारी (गुजरात), 6 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के नवसारी जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि यह व्यक्ति मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का अधिकारी बनकर लोगों से ठगी कर रहा था। आरोपी ने खुद को सीएमओ का अधिकारी बताते हुए लोगों से संपर्क किया था। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया, आरोपी की पहचान नीतेश चौधरी के रूप में हुई है,जो खुद को मुख्यमंत्री की बैठकों का प्रबंधन करने वाला अधिकारी बताता था। उसे रविवार को गिरफ्तार किया गया।

खुद को बताता था मुख्यमंत्री का विश्वासपात्र

पुलिस उपाधीक्षक संजय राय के मुताबिक, चौधरी ने दावा किया था कि वह बीते तीन वर्षों से मुख्यमंत्री कार्यालय में काम कर रहा है और मुख्यमंत्री का विश्वासपात्र है और उसे पदोन्नति मिलने वाली है और दिल्ली स्थानांतरण (ट्रांसफर) भी होने वाला है। नवसारी ग्रामीण पुलिस ने जनम ठाकोर की शिकायत पर चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

राज्यपाल से मिले बीजेपी विधायक धस समेत कई नेता मुंडे को कैबिनेट से हटाने की रखी मांग

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बीड के मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच, नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार यानी आज महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिला। उन्होंने देशमुख हत्याकांड मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए राज्य मंत्री धनंजय मुंडे को कैबिनेट से हटाने की मांग की। भाजपा विधायक सुरेश धस समेत कई नेताओं ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इसमें नेताओं ने कानून के शासन और न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए कड़ा कदम उठाने की अपील की। क्या है पूरा मामला? पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी।

तेजी से पिघल रहे हैं भारत के ग्लेशियर

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने बताए कारण!

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बीते दो सालों में दुनिया के कई देशों ने गर्मी के रिकॉर्ड तोड़े हैं. 2023 के बाद 2024 भी अब तक का सबसे गर्म साल हो जाना, नए साल के आने से ही सुर्खियों में है. पिछले हफ्ते ही देश की क्लाइमेट चेंज रिपोर्ट जमा की गई है.इसके मुताबिक भारत के हिमालय में जो ग्लेशियर हैं, हाल के दशकों में उनके "पीछे हटने की रफ्तार" तेजी से बढ़ गई है. आखिर ऐसा क्यों कहा गया है और ऐसा क्या हुआ है, जो रिपोर्ट में यह कहना पड़ रहा है?

पीछे हट रहे हैं ग्लेशियर?

आजकल के हालात को देखते हुए, हिमालय के ग्लेशियर लंबाई और क्षेत्रफल दोनों में कम और पतले हो रहे है, लेकिन रिपोर्ट में पाया गया है कि इसकी दर जगह और जलवायु हालात के मुताबिक अलग अलग हो रहती है और बदलती भी है. रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं. सरल शब्दों में इसका मतलब ये है कि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं. लेकिन इन शब्दों का एक खास मतलब भी है जिसकी जलवायु विज्ञान में बहुत अहमियत मानी जाती है. इसके जरिए एक साथ कई बातों का पता भी चलता है.

क्या है ग्लेशियरों के पीछे हटने का मतलब

ग्लेशियर की जीभ या नथुने उसका वह सबसे निचला स्थान है जो सबसे पहले पिघलता है. ग्लेशियर, जिसे हिमनद भी कहा जाता है, में बर्फ बहुत ही धीमी गति से नदी के बहाव दिशा में ही बहती है. लेकिन रिपोर्ट कहा गया है कि ग्लेशियर की यह जीभ या नथुना पीछे खिसकने लगा है. यानी बर्फ अब ज्यादा तेजी से पिघलने लगी है.

आंकड़े जुटाने की दिक्कत

रिपोर्ट में बताया गया है कि वैसे तो हिमालय के क्षेत्रों में भूस्खलन आम बात है, फिर इस चुनौती के साथ कठिन भूभाग की वजह से बर्फ की चादर की मोटाई को नापना कठिन रहा है इसकी वजह से आंकड़े सीमित है. अध्ययन में पाया गया है कि मिट्टी के प्रकार, वनस्पति, और मिट्टी की नमी भी ग्लेशियर के सिमटने पर असर डालते हैं.

सिमटने लगी है बर्फ की चादर

भारत की जमा की गई रिपोर्ट भारतीय मौसम विभाग के जलवायु मौसम में प्रकाशित एक अध्ययन के आधार पर है जिसने पाया है कि 1999 से लेकर 2019 के बीच में हिमालय के इलाकों में तापमान में काफी उतार चढ़ाव हुआ जिसका असर पूरी पृथ्वी के जमे हुए पानी वाले हिस्से पर हुआ है. इस हिस्से को क्रायोस्फियर कहते हैं. लेकिन इसके सिमटने का सटीक मापन तय नहीं है.

भारत में जलवायु परिवर्तन का असर

संयुक्त राष्ट्र के यूएन फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज की बाएनियल रिपोर्ट में बताया जाता है कि जलवायु परिवर्तन का भारत पर कैसा असर हो रहा है. इसमें भारत की जमा की हुई रिपोर्ट भी शामिल है. अपडेट रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन का भारत में कृषि और मानसून पर कैसा असर यह खास तौर से बताया गया है. इसके मुताबिक इसमें यह भी बताया गया है कि उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में 2022 का अप्रैल का महीना बीते 122 सालों में सबसे गर्म था जिसका औसत तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस से 37.8 डिग्री सेल्सियस था जिससे गेहूं, मक्का आदि सभी फसलों में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 जनवरी - 2025

क्या कनाडा के जस्टिन ट्रूडो का इस्तीफा भारत के हित में होगा ?

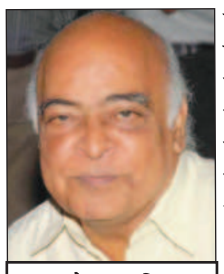

अशोक भाटिया

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जल्द ही प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने इसे लेकर ऐलान कर दिया है।द ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल कॉकस की बुधवार को होने जा रही बैठक से पहले ट्रूडो लिबरल पार्टी के नेता के तौर पर इस्तीफा सौंप देंगे। पार्टी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि नेशनल कॉकस की बैठक में ट्रूडो को विद्रोह का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में ट्रूडो को लगा कि उन्हें कॉकस की बैठक से पहले इस्तीफे को लेकर बयान जारी करना चाहिए, ताकि यह नहीं लगे कि उन्हें उनकी ही पार्टी के सांसदों ने बाहर कर दिया। सूत्रों का कहना है कि लिबरल पार्टी के कॉकस की बैठक में ट्रूडो को पार्टी नेता के पद से हटाया जा सकता था। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह (ट्रूडो) तत्काल ही पद से इस्तीफा देंगे या फिर नए नेता के चुनाव तक इस पद पर रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि ट्रूडो ने वित्त मंत्री डॉमिनिक लीब्लैंक से चर्चा की थी क्या उन्हें पद पर बने रहना चाहिए या नहीं।बता दें कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से उन पर दबाव भी बहुत बढ़ गया था। ट्रंप उन पर लगातार निशाना साध रहे थे। एलॉन मस्क ने भी ट्रंप की जीत के तुरंत बाद कह दिया था कि अब ट्रूडो की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। गौर करने वाली बात यह है कि कनाडा में ट्रूडो की राजनीति खालिस रूप से भारत के खिलाफ रही है। ट्रूडो कनाडा की जमीन से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले हार्डकोर खालिस्तानियों को चुपचाप न सिर्फ बर्दाश्त किया बल्कि वहां की पुलिस ने उन्हें कानूनी संरक्षण भी दिया। कनाडा में जब भारत की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या को आपत्तिजनक रुप में दिखाया गया तो वहां की पुलिस चुप रही। कनाडा में हिन्दुओं के मंदिरों पर हमले हुए तो भी वहां पुलिस चुप रही। विकसित देशों के कतार में शामिल ट्रूडो से ये उम्मीद की जा रही थी कि वे खालिस्तानियों के इन करतूतों की आलोचना करते और तुरंत अपनी पुलिस को इन पर एक्शन लेने को कहते। लेकिन वे चुप रहे और कुछ उग्रवादियों के वोट के लिए इन्हें शह देते रहे।ट्रूडो ने खुद स्वीकार किया है कि कनाडा में खालिस्तानी तत्व मौजूद हैं। हालांकि ट्रूडो ने यह कहकर उनके अपराध को कम करने की कोशिश की कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। ट्रूडो के इन कदमों से एक आम कनाडाई शहरी के मन अपने पीएम को लेकर विश्वास का ह्रास हुआ। भारत से फरार आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की भूमिका बताकर ट्रूडो ने द्विपक्षीय संबंधों की मर्यादा ही खत्म कर दी। सितंबर 2023 में ट्रूडो ने जब कनाडा की संसद में कहा कि कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के पास यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि ₹भारत सरकार के एजेंटों₹ ने एक कनाडाई नागरिक की हत्या की है।₹ ट्रूडो के आरोप से भारत सन्न रह गया। ट्रूडो के आरोपों के बाद 16-17 महीने गुजर गये हैं लेकिन अबतक कनाडा इस हत्याकांड में भारत की एजेंसियों के शामिल होने का कंक्रीट सबूत नहीं दे सका है। ट्रूडो के इन कदमों से कनाडा में उनकी लोकप्रियता घटती गई। एंगस रीड इंस्टीट्यूट (ARI) और एशिया पैसिफिक फाउंडेशन ऑफ कनाडा द्वारा किये गये सर्वे में कनाडा के 39 फीसदी नागरिक मानते हैं कि कनाडा अपने संबंधों को अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं कर रहा है, जबकि 32 फीसदी लोगों का नजरिया इसके उलट है। वहीं, 29 फीसदी लोगों ने कहा कि वे कुछ कह नहीं सकते हैं।सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 39 फीसदी कनाडाई मानते हैं कि जब तक ट्रूडो प्रधानमंत्री हैं, तब तक संबंधों में सुधार नहीं होगा। इस बीच ट्रूडो ने निज्जर का राग गाना नहीं छोड़ा। वो निज्जर जो भारत का वांछित आतंकवादी था और जिसने गलत तरीके से कनाडा की नागरिकता ली थी। इस वजह से दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ते गए। हालात बिगड़ने पर दोनों देशों ने एक दूसरे के हाईकमान में अधिकारियों की संख्या कम कर दी। इसके बाद कनाडा ने छात्राओं और छात्रों को जारी किया जाने वाला फास्ट ट्रैक वीजा खत्म कर दिया। इससे भारतीय छात्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। अमेरिकी चुनाव में ट्रंप की जीत ट्रूडो के लिए और भी बुरे दिन लेकर आई। जीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि वे कनाडा पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप का बयान ट्रूडो के लिए झटके की तरह था। उन्होंने तुरंत अमेरिका की फ्लाइट पकड़ी और ट्रंप से मिलने चले गये। ट्रूडो ने गुपचुप ट्रंप से मुलाकात की, उनके साथ डिनर किया। लेकिन उनकी समस्याएं दूर नहीं हो रही थीं। ट्रंप ने ट्रूडो को फार-लेफ्ट लूनेटिक कह कर उनका मजाक भी बनाया था। इसके अलावा ट्रंप ने ट्रूडो को 'कनाडा के महान राज्य का गवर्नर' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कनाडा को अमेरिका का '51वां राज्य' बनाने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे टैरिफ और व्यापार मुद्दों पर बातचीत आसान होगी। ट्रूडो के लिए दूसरा झटका ट्रंप के करीबी और दिग्गज बिजनेसमैन एलन मस्क से आया। एलन मस्क ने एक ट्वीट में कहा कि ट्रूडो अगला चुनाव हारने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अगले चुनाव में इनकी विदाई तय है। एलन मस्क जैसे दिग्गज उद्योगपति के बयान से ट्रूडो की प्रतिष्ठा को गहरा झटका पहुंचा। ट्रूडो को ये चुनौतियां तो देश के बाहर मिल रही थीं इधर देश के अंदर विपक्ष लगातार उनपर हमलावर होता जा रहा था। 2021 के फेडरल चुनाव के बाद से, लिबरल्स को बाई इलेक्शन में लगातार हार मिली और संसद में उनकी संख्या घटती चली गई। इसमें टोरंटो में टोरंटो-सेंट पॉल और मॉन्ट्रियल में लासेल-एमार्ड-वर्डन जैसी सुरक्षित सीटों पर हार शामिल है। इस हार के बाद के महीनों में ट्रूडो के नेतृत्व को लेकर आंतरिक हताशा और असंतोष के बारे में लगातार कहानियां मीडिया में देखी गईं। मालूम हो कि कनाडा की संसद हाउस ऑफ कॉमन्स में फिलहाल लिबरल पार्टी के 153 सांसद हैं। कनाडा के हाउस में कॉमन्स में 338 सीटें है। इसमें बहुमत का आंकड़ा 170 है। कुछ महीने पहले ट्रूडो सरकार की सहयोगी पार्टी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपना से समर्थन वापस ले लिया था। एनडीपी खालिस्तानी समर्थक कनाडाई सिख सांसद जगमीत सिंह की पार्टी है।ऐसे में गठबंधन टूटने की वजह से ट्रूडो सरकार अल्पमत में आ गई थी। हालांकि एक अक्टूबर को हुए बहुमत परीक्षण में ट्रूडो की लिबरल पार्टी को एक दूसरी पार्टी का समर्थन मिल गया था, जिस वजह से ट्रूडो ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मतभेद के कारण कुछ दिन पहले ही डिप्टी पीएम और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने भी इस्तीफा दे दिया था। डिप्टी पीएम क्रिस्टिया फ्रीलैंड के इस्तीफे के बाद ट्रूडो का विरोध तेज हुआ। क्रिस्टिया ने उसी दिन इस्तीफा दिया, जिस दिन उन्हें बजट पेश करना था। उनके इस्तीफे के बाद अब कैबिनेट भी ट्रूडो पर इस्तीफे का दबाव बना रही है। लाइव टीवी पर कुछ कनाडाई लोगों ने कहा, प्रधानमंत्री ट्रूडो आपने कनाडा को बर्बाद कर दिया। आपके अंदर आपके पिता की ईमानदारी का एक कण भी नहीं है। आपके आसपास के लोग आपका साथ छोड़कर जा रहे हैं। अब आपके जाने का समय आ गया है।मीडिया भी ट्रूडो के इस्तीफे की मांग कर रही है। पत्रकार डैनियल बॉर्डमैन ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ट्रूडो अब तक की सबसे कमजोर स्थिति में हैं। एक दूसरे पत्रकार कीन बेक्सटे ने कहा, ट्रूडो का इस्तीफा देना कनाडा के हित में है। गौरतलब है कि कनाडा सालों से विदेशी छात्रों के लिए लोकप्रिय मुकाम रहा है। ट्रूडो सरकार ने विदेशी छात्रों को दिए जाने वाले परमिट में भी कमी करती रही है। आने वाले सालों में स्टडी परमिट में 300,000 की कमी की जाएगी। अगले दो सालों में कनाडा सिर्फ करीब सवा चार लाख स्टडी परमिट देने वाला था ।कनाडा के कॉलेजों में दाखिला लेने वाले हजारों विदेशी छात्रों को इस साल वीजा नहीं मिला है, जिसकी वजह से वे मौजूदा सेमेस्टर में पढ़ाई शुरू नहीं कर पाए हैं। परमिट में कटौती का असर कनाडा के शिक्षा संस्थानों पर तो पड़ेगा ही, अर्थव्यवस्था भी इससे प्रभावित हुई । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नई नीतियों का उद्देश्य स्थायी निवास नामांकन की संख्या में 25 प्रतिशत की कमी लाना तथा अध्ययन परमिट को सीमित करना रहा । यह बदलाव ऐसे वक्त में आया, जब पिछले कुछ सालों में देश में जनसंख्या में बढ़ गई है। पिछले साल कनाडा में जनसंख्या वृद्धि का लगभग 97 प्रतिशत हिस्सा अप्रवासन के कारण हुआ था। बता दें कि छात्र वकालत समूह नौजवान सपोर्ट नेटवर्क के प्रतिनिधियों ने कहा है कि इस वर्ष के अंत में जब उनके वर्क परमिट की अवधि समाप्त हो जाएगी, तो स्नातकों को निर्वासित किए जाने का खतरा होगा।इसके विरोध में कनाडा में भारतीय छात्र सड़क पर उतर आए और मुल्क की जस्टिन ट्रूडो सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

मंदिर में ड्रेस कोड को लेकर विवाद

केरल के मंदिरों में ड्रेस कोड के सुधार को लेकर इन दिनों चल रहा विवाद चरम पर पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि इस विवाद को हवा तब मिली जब शिवगिरी मठ के प्रमुख सच्चिदानंद स्वामी ने इसे जातिवाद का अवशेष बताते हुए इसे बंद करने का आहवान किया। समर्थकों ने इसे गैरब्राह्मण श्रद्धालुओं को बाहर रखने का उपाय बताया तो कुछ परंपराओं के रक्षकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। मामला तूल पकडते देख केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को भी हस्तक्षेप करना पडा। वे अब सर्वसम्मति से बदलाव की अपील कर रहे हैं। बता दें कि यह विवाद उस ड्रेस कोड को लेकर है जिसके मुताबिक कुछ मंदिरों में प्रवेश करते हुए पुरुष श्रद्धालुओं को बदन का ऊपरी हिस्सा निर्वस्त्र रखना पड़ता है। सच्चिदानंद स्वामी के आह्वान के बाद ही दोनों तरफ से धुआंधार बयानबाजी शुरू हो गई। जहां स्वामी के समर्थकों का कहना है कि इस प्रथा के पीछे गैरब्राह्मण श्रद्धालुओं को मंदिर से बाहर रखने की मंशा छिपी है, वहीं नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) जैसे संगठनों की दलील है कि मंदिर की परंपरा के साथ छेड़छाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। बता दें कि इससे ही मिलता-जुलता सा एक विवाद 1982 में गुरुवायूर मंदिर परिसर में ब्राह्मण ऊट्टू (ब्रह्मभोज) के दौरान हुआ था, जब अपना ऊपरी बदन बगैर कपड़ों के रखने से इनकार कर रहे एक व्यक्ति के साथ भोजन परोस रहे लोगों ने मारपीट कर दी थी। उनके मुताबिक उस समय यह जानना जरूरी हो गया था कि जो व्यक्ति खाने की पंगत में बैठा है वह जनेऊधारियों की तरह ब्राह्मण है भी या नहीं। मंदिर की उस प्रथा को चुनौती देने वाले वह व्यक्ति थे स्वामी आनंदतीर्थन जो प्रसिद्ध समाज सुधारक श्रीनारायण गुरु के शिष्य थे और जातिगत भेदभाव के खिलाफ अपने अभियानों के लिए जाने जाते थे। उस समय भी जब इस मामले ने तूल पकडा तब तत्कालीन मुख्यमंत्री के. करुणाकरन ने उस मामले में तत्काल हस्तक्षेप किया था। यही नहीं, उसी स्थान पर एक भोज आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री समेत सभी समाज के लोग शामिल हुए थे। उसके बाद से ही ब्राह्मण भोजन की वह परंपरा बंद हो गई। इस बार मौजूदा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी सच्चिदानंद स्वामी की अपील का समर्थन किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कोई भी बदलाव सर्वसम्मति बनाकर ही किया जाना चाहिए। बात सही भी है। आम सहमति के बगैर किया गया बदलाव स्थायी नहीं होता और उस पर हमेशा विवाद होने की गुंजाइश बनी रहती है।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा न होने से डिजिटल लेनदेन का जोखिम

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस का उदय परिवर्तनकारी रहा है, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई लेनदेन 11.5 बिलियन से अधिक हो गए, जिनका मूल्य 26.9 लाख करोड़ था। हालाँकि, दो थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स फोनपे और गूगलपे के बीच बाज़ार का संकेन्द्रण यूपीआई लेनदेन के 80% से अधिक को नियंत्रित करता है, जो चिंता का विषय है। यूपीआई के उदय ने व्यापक रूप से अपनाए जाने के माध्यम से भारत में डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है।यूपीआई ने तेजी से बड़े पैमाने पर अपनाना प्राप्त किया है, भारत में सभी डिजिटल लेनदेन का लगभग 80% हिस्सा यूपीआई का है, जिसने भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है। अगस्त 2024 में, यूपीआई ने 20.60 लाख करोड़ से अधिक के लेनदेन संसाधित किए, जो भारत के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इसके व्यापक उपयोग और अपनाने को दर्शाता है। यूपीआई उपयोगकर्ताओं के लिए शून्य शुल्क प्रदान करता है, जिससे भारत की आर्थिक रूप से विविध आबादी के लिए डिजिटल लेनदेन किफ़ायती और अत्यधिक सुलभ हो जाता है। यूपीआई का लागत-मुक्त मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तियों को बिना किसी चिंता के डिजिटल भुगतान प्रणाली तक स्वतंत्र रूप से पहुँचने और उसका उपयोग करने की अनुमति देता है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए एक आसान, लागत-प्रभावी और स्केलेबल तरीका प्रदान करके छोटे विक्रेताओं, व्यवसायों और उद्यमियों को महत्वपूर्ण रूप से सशक्त बनाया है। भारत भर में स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यापारी और किराना स्टोर अब डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए यूपीआई का उपयोग करते हैं। यूपीआई ने पहले से बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी रूप से लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लाखों ग्रामीण और वंचित भारतीय यूपीआई के माध्यम से महत्वपूर्ण डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुँचने में सक्षम हुए हैं, जिससे ऐतिहासिक रूप से कम बैंकिंग पहुँच वाले क्षेत्रों में अधिक आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा मिला है। यूपीआई ने सरकारी सेवाओं के साथ एकीकृत एक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करके डिजिटल भुगतान में महत्वपूर्ण सार्वजनिक विश्वास विकसित किया है। दो थर्ड पार्टी ऐप प्रदाताओं के बीच बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है। कुछ खिलाड़ियों की उच्च बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण प्रणालीगत जोखिम पैदा करती है, जहां सेवाओं में किसी भी व्यवधान का पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक, व्यापक प्रभाव हो सकता है। उदाहरण के लिए: अगर फोनपे या गूगल पे में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ जाती है, तो इससे 80% तक यूपीआई लेनदेन बाधित हो सकता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर व्यवधान और घबराहट पैदा हो सकती है। केवल दो प्रमुख खिलाड़ियों के वर्चस्व वाला बाजार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में बाधा डालता है, उभरते बाजार में प्रवेश करने वालों द्वारा नवाचार और नई सुविधाओं या भुगतान सेवाओं के विकास को हतोत्साहित करता है। फोनपे और गूगल पे की बाजार में जबरदस्त मौजूदगी ने पेटीएम जैसे छोटे प्रतिस्पर्धियों के लिए विकास करना और बाजार में अभिनव समाधान लाना मुश्किल बना दिया है, जिससे संभावित प्रगति रुक गई है। विदेशी स्वामित्व वाले टीपीएपी का प्रभुत्व डेटा सुरक्षा, उपयोगकर्ता गोपनीयता और भारतीय नागरिकों की संवेदनशील वित्तीय जानकारी तक संभावित पिछले दरवाजे से पहुंच से संबंधित जोखिम पेश करता है। वॉलमार्ट द्वारा फोनपे और गूगल द्वारा गूगल पे का विदेशी स्वामित्व व्यक्तिगत वित्तीय डेटा की सुरक्षा और विदेशी संस्थाओं द्वारा अनधिकृत पहुँ की संभावना पर चिंताएँ बढ़ाता है। बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा लागू करने में लंबे समय तक की गई देरी ने दो प्रमुख तपाप को अपना नियंत्रण मज़बूत करने का मौक़ा दिया है, जिससे एक अधिक प्रतिस्पर्धी और गतिशील यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र उभरने से रोका जा सकता है।

फोनपे और गूगल पे का प्रभुत्व क्षेत्रीय ज़रूरतों या प्राथमिकताओं को अनदेखा कर सकता है, जिससे स्थानीय समाधानों के लिए गति प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है।

डिजिटल शिक्षण में एआई का उदय

विजय गर्ग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने के माध्यम से आधुनिकीकरण की दिशा में पारंपरिक शिक्षण विधियों को लाया गया। आईबीईएफ ने आंकड़े प्रकाशित किए हैं जो दर्शाते हैं कि भारतीय एडटेक बाजार 2021 में 700-800 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2031 तक 30 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह वृद्धि डिजिटल शिक्षण समाधानों के प्रति रुझान को दर्शाती है जो अधिक वैयक्तिकृत, कुशल प्रदान करने के लिए एआई पर निर्भर हैं। और सुलभ शिक्षा. इसके अलावा, केपीएमजी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद ई-लर्निंग का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जो स्पष्ट रूप से देश के मजबूत डिजिटल शिक्षण परिवर्तन का संकेत देता है। कृत्रिम होशियारी भारत में जो समस्याएँ देखी जा रही हैं उनमें से एक स्कूल नामांकन और उच्च शिक्षा नामांकन के बीच असंतुलन है। दिलचस्प बात यह है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष टीजी सीतारम के अनुसार, हर साल लगभग 25 करोड़ छात्र स्कूलों में प्रवेश लेते हैं, और केवल 28% ही उच्च शिक्षा जारी रखते हैं। यह अंतराल मुख्यतः आर्थिक बाधाओं के कारण है। अधिकांश छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए भारी शुल्क से निपटना बेहद मुश्किल लगता है, जिससे लाखों प्रतिभाशाली दिमाग अवसर के दायरे से बाहर रह जाते हैं। शायद, ऐआई ही वह माध्यम है जिसके माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। यह किफायती, सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण मंच प्रदान कर रहा है। छात्र एआई-सक्षम प्लेटफार्मों के माध्यम से अपनी भौगोलिक या वित्तीय सीमाओं के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। यह संभावित रूप से उच्च शिक्षा नामांकन का प्रतिशत बढ़ा सकता है और सीखने के लिए अधिक न्यायसंगत पहुंच प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, एक और मुद्दा जो एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करता है वह है गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की कमी। यूनेस्को के अध्ययन के अनुसार, भारत में 1 मिलियन से अधिक शिक्षण रिक्तियां हैं, और लगभग 1.1 लाख स्कूल केवल एक शिक्षक के साथ कार्य करते हैं। यह समस्या मुख्य रूप से देश भर के दूरदराज के क्षेत्रों में मौजूद है। अफसोस की बात है कि इन कस्बों में लगभग 65% शिक्षण स्टाफ खाली है। अब, इस परिदृश्य में एआई की भूमिका बेहद उपयोगी हो जाती है, क्योंकि यह एक पूरक शिक्षण उपकरण की तरह काम करता है। शिक्षकों के इस स्तर की कमी के साथ, एआई-संचालित प्लेटफॉर्म आभासी शिक्षण सहायक के रूप में काम कर सकते हैं, जो छात्रों को सीखने की पाठ्यक्रम पुस्तकों, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और अधिक इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभवों तक पहुंच प्रदान करके अंतर को पाटने में मदद करते हैं। केवल तकनीकी प्रगति से परे, एआई एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में भी खड़ा है जो शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने की क्षमता रखता है। अनुकूली शिक्षण प्रौद्योगिकियों जैसे उपकरण व्यक्तिगत छात्रों के लिए पाठों को संशोधित कर सकते हैं, उनकी शैक्षिक यात्रा को बढ़ा सकते हैं। अनुकूली शिक्षा, शिक्षा में एआई का एक मूलभूत पहलू, प्लेटफार्मों को छात्र की प्रगति के आधार पर सामग्री की कठिनाई को समायोजित करने की अनुमति देता है। पोपेनिसी और केर (2017) बताते हैं कि कैसे एआईईडी के अनुप्रयोग तेजी से विकसित हो रहे हैं, शिक्षा प्रदान करने के तरीके को नया आकार दे रहे हैं। जेनरेटिव एआई प्रौद्योगिकियां, जो इंटरैक्टिव और आकर्षक सामग्री बनाती हैं, महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित कर रही हैं और एआईईडी उद्योग के बढ़ते विकास में सहायक हैं। एआईईडी की अनुकूली शिक्षण तकनीकें परीक्षण परिणामों को 62% तक बढ़ाने में सिद्ध हुई हैं, एआई-संचालित शिक्षण से छात्रों के समग्र प्रदर्शन में 30% सुधार हुआ है और चिंता में 20% की कमी आई है। जीएचऐपीटी का संस्करण विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मूल विचार गोपनीयता सुविधाओं को बढ़ावा देना हैसुरक्षा। यह दर्शाता है कि एआई कितना लचीला है और शिक्षा परिदृश्य के साथ तालमेल बिठा रहा है। इन नवोन्मेषी पेशकशों से पता चलता है कि एआई कैसे भविष्य की कक्षाओं में आमूल-चूल बदलाव ला सकता है। इस तरह के नवाचार भविष्य की कक्षाओं को आकार देने के लिए एआई की क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। यह सीखने के अनुभवों को एक ही समय में कुशल, अनुरूप और आकर्षक बनाता है। वास्तव में, हमारे देश में ऐआई वही हो सकता है जिसकी शिक्षा प्रणाली को सख्त इच्छा है। जनसंख्या में उच्च वृद्धि दर के साथ, गुणवत्तापूर्ण, कम लागत वाली शिक्षा की सुविधा एक बाधा बन जाती है। इस प्रकार ऐआई एक आशाजनक समाधान प्रस्तुत करता है। यह सीखने के अवसरों को बढ़ाने, उन्हें अधिक सुलभ और किफायती बनाने में मदद करता है। एआई-आधारित प्लेटफ़ॉर्म प्रत्येक छात्र की ज़रूरतों, रुचियों और अनुभव के अनुरूप वैयक्तिकृत शिक्षण पथ बनाते हैं, पारंपरिक कक्षाओं के विपरीत जो एक-आकार-सभी-फिट-सभी दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। एआई शिक्षा को और अधिक सुलभ बना रहा है। विकलांग छात्रों के लिए, टेक्स्ट-टू-स्पीच और स्पीच रिकग्निशन जैसे उपकरण उन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठों के साथ बातचीत करने का मौका देते हैं। एआई शैक्षिक सामग्री को विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करके गैर-देशी वक्ताओं की भी मदद करता है, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करता है जो अक्सर छात्रों को पीछे रखती हैं। कई मामलों में, पारंपरिक कक्षाएँ सभी छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरी तरह से संबोधित नहीं कर सकती हैं, विशेष रूप से विकलांग या भाषा कठिनाइयों वाले छात्रों की। एआई इन अंतरालों को भरता है, यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षा अधिक लोगों तक पहुंचे और अधिक समावेशी हो। यह शिक्षकों को बदलने या सीखने के मूल को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि अधिक छात्रों को उनकी क्षमताओं या भाषा कौशल की परवाह किए बिना सफल होने का बेहतर मौका देने के बारे में है। एआई मूल्यांकन की प्रक्रिया को भी बढ़ाता है। अनुकूली मूल्यांकन के माध्यम से, एआई पिछले सबमिशन के आधार पर परीक्षणों और क्विज़ की कठिनाई के स्तर को समायोजित कर सकता है। छात्रों को विशिष्ट क्षेत्रों में सीखने और सुधार करने की संभावना और प्रेरणा लगातार दी जाती है, क्योंकि उन्हें समय पर और प्रासंगिक प्रतिक्रिया मिलती है कि क्या बदलाव की जरूरत है। दूसरी ओर, पारंपरिक मूल्यांकन अधिक स्थिर होते हैं और यह न्यूनतम प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं।

भरोसा तोड़ रही है बुढ़ापे की लाठी

मनोज अग्रवाल

क्या आज के अर्थप्रधान प्रतिस्पर्धा और आपाधापी भरे माहौल में खून के रिश्ते भी बेमानी हो गए हैं? क्या पारिवारिक जीवन और रिश्तों की कद्र के लिए दुनिया में मिसाल बतौर पेश किए जाने वाले देश भारत में संतान इतना स्वार्थी और असंवेदनशील हो रहीं हैं कि वह एक बुज़ुर्ग पिता की करोड़ों की संपत्ति हड़प कर पिता को बीमार हालत में घर से बाहर निकाल कर लावारिस हालत में जीने मरने के लिए छोड़ सकती है। हाल ही में वाराणसी में एक वयोवृद्ध लेखक की कुछ ऐसे ही हालात में मौत और परिवारजन के नहीं आने पर सोशल वर्कर द्वारा अंतिम संस्कार खून के रिश्तों के बदलाव को बयान कर रही है आपको बता दें कि कभी अपनी लेखनी से साहित्य जगत में खासे चर्चित रहे वाराणसी के साहित्यकार श्रीनाथ खंडेलवाल की कहानी काफी मर्माहत करने वाली है।

करीब तीन दशक पहले अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की फिल्म आई थी बागवान। पिता पुत्र के रिश्तों पर आधारित यह फिल्म समाज के लिए एक संदेश बनी है। इसमें प्रॉपर्टी के लिए बेटों ने पिता को घर से निकाल दिया था। तीन दशक पुरानी फिल्म ₹बागवान₹ की कहानी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी वाराणसी में चरितार्थ देखने को मिली है। यहां संपत्ति के लालच में बेटी और बेटी ने एक वयोवृद्ध बीमार लाचार पिता को मरणासन्न अवस्था में उस समय घर से बाहर छोड़ दिया जब जीवन की संध्या बेला में बुजुर्ग पिता को बुढ़ापे के सहारे की जरूरत थी। बीतें शनिवार 29 दिसंबर को 80 साल की उम्र में इस बुजुर्ग की मौत हो गई।

जो जानकारी निकल कर आ रही है उससे पता चलता है कि कभी 80 करोड़ की संपत्ति के मालिक रहे खंडेलवाल की संपत्ति पहले उनके बेटे-बेटी ने हथियाई, फिर उन्हें वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर किया। 30 दिसंबर को उनके निधन के बाद भी बेटा-बेटी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए। ऐसे में उनका अंतिम संस्कार समाज के कुछ लोगों को करना पड़ा। उनके निधन के बाद यह चर्चा एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है कि क्या पारिवारिक संस्कारों का अब हमारे समाज में कोई महत्व नहीं रह गया है।

श्रीनाथ खंडेलवाल ने 400 से भी अधिक किताबें लिखीं थीं। जिस जमाने में आज की तरह इंटरनेट या ऑनलाइन जैसे प्लेटफॉर्म नहीं थे, तब भी इनकी किताबें बड़ी संख्या में बिका करतीं थीं और चर्चा के केंद्र में रहा करतीं थीं। आज भी उनकी किताबें बड़ी संख्या में बिक रहीं हैं। साहित्य जगत से उनका जुड़ाव बचपन में ही हो गया था। इन्होंने अपनी पहली किताब मात्र 15 वर्ष की आयु में ही लिख दी थी। ये पद्मपुराण, 2000 पन्नों का मत्स्य पुराण, तंत्र पर करीब 300 पन्नों की किताबें लिखने के लिए खासे मशहूर थे। इनकी कुछ किताबें तो अभी भी छप रही हैं। इन्होंने शिवपुराण का पांच खंडों में अनुवाद किया। असमिया और बांग्ला भाषा के अनुवादक के तौर पर भी इनकी एक विशेष पहचान थी। लगभग 21 उपपुराण और 16 महापुराणों का अनुवाद इन्होंने अपने लेखन काल में किया। कई किताबें उन्होंने वृद्धाश्रम में रहते हुए लिखीं। किताबों की बदौलत ये 80 करोड़ की संपत्ति के मालिक बने थे।

करोड़ों की प्रॉपर्टी के मालिक और 400 से ज़्यादा किताबें लिखने वाले श्रीनाथ खंडेलवाल की वृद्ध आश्रम में सांसे टूट गई हैं। अंतिम समय में कोई अपना शव यात्रा में कोई अपना नहीं आया। समाजसेवी अमन कबीर ने उनका दाह संस्कार किया।

जिंदगी की वास्तविकता से रुबरु हुए एस एन खंडेलवाल (श्रीनाथ खंडेलवाल) एक अनाथालय में जीवन बिताने के लिए मजबूर थे। श्रीनाथ खंडेलवाल मार्च 2024 से काशी कुष्ठ सेवा संघ वृद्ध आश्रम में रह रहे थे

खंडेलवाल काशी कुष्ठ सेवा संघ वृद्धाश्रम में 17 मार्च, 2024 से रह रहे थे। श्रीनाथ खंडेलवाल ने शनिवार सुबह 9 बजे वाराणसी के 'दीर्घायु अस्पताल' में अंतिम सांस ली। इसके बाद भी उनके घर से कोई नहीं आया।

सूचना मिलते ही अमन कबीर दोस्तों के साथ अस्पताल पहुंचे। साहित्यकार को मुखग्नि दी और पिंडदान किया।पिछले 3 महीने में उन्हें कई बार अस्पताल में एडमिट करवाना पड़ा था। अमन कबीर ने ही हीरामनपुर के काशी कुष्ठ सेवा संघ वृद्धाश्रम में खंडेलवाल को रखवाया था। खंडेलवाल मार्च 2024 से यहां रह रहे थे। वृद्धाश्रम के केयर टेकर रमेशचंद्र श्रीवास्तव के अनुसार उन्हें 25 दिसंबर को सीने में जकड़न, सांस लेने में दिक्कत और किडनी की समस्या के कारण अस्पताल में एडमिट कराया गया। यहां इलाज के दौरान उनका शनिवार सुबह 9 बजे देहांत हो गया।

रमेशचंद्र श्रीवास्तव ने तुरंत इसकी सूचना अमन कबीर को दी। अमन कबीर के अनुसार यहां आने के बाद सबसे पहले कमिश्नर कौशल राजा शर्मा को घटना की जानकारी दी गई।

चाय का चक्कर

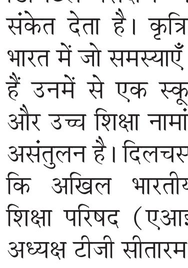

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक दिन मैं और मेरे मित्र, विकास जी, एक सरकारी दफ्तर में गए थे। दफ्तर में पहुंचते ही यह खबर फैल गई कि किसी बड़े आदमी के साथ कोई राजनेता दफ्तर में आया है। खैर, यह खबर जल्द ही बड़े साहब के कानों तक पहुंच गई होगी, जो एक अनुभवी अधिकारी थे। साहब ने अपनी डेली ड्यूटी के दस्तावेजों को पलटते हुए एक पल के लिए सोचा होगा, अगर कोई राजनेता दफ्तर में आए, तो क्या करना चाहिए? और फिर, साहब ने सोचा होगा—उसे चाय जरूर पिलानी चाहिए। उनके दिमाग में और भी विचार आए होंगे—अगर उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति हो तो उसे भी चाय पिलानी चाहिए। उन्होंने फिर बड़े बाबू को आदेश दिया, जब इनका काम खत्म हो जाए, तो उन्हें चाय के लिए ले आइए। हमारा काम खत्म हुआ तो बड़े बाबू ने कहा, साहब के साथ चाय पी लीजिए। चाय पीने का अनुभव मेरे लिए नया नहीं था, लेकिन सरकारी अधिकारियों के साथ चाय पीने का ख्याल मुझे थोड़ी घबराहट दे रहा था। फिर भी, सोचा, यह अनुभव कुछ नया हो सकता है। हम दोनों साहब के कमरे में दाखिल हुए। साहब के चेहरे पर एक हल्की मुस्कान फैली हुई थी, जो कि किसी सरकारी अधिकारी की विशेष मुस्कान थी—अत्यधिक विनम्रता और ढोंग का मिश्रण। साहब ने मुस्कराते हुए पूछा, क्या हाल हैं, शर्मा जी? उनका सवाल इतना सामान्य था कि एक ही शब्द में इसका उत्तर दिया जा सकता था—सब ठीक है। शर्मा जी ने हलका सा उत्तर दिया और फिर साहब ने मेरी ओर रुख किया, और आप, मिश्रा जी, आपका काम कैसा चल रहा है? मैंने भी उसी रूटीन तरीके से जवाब दिया—सब ठीक है।अब सवाल उठता है, जब कोई सरकारी अधिकारी बात करने के लिए कुछ नहीं चाहता, तो क्या किया जाए? हम तीनों की नजरें दरवाजे पर थीं। हम तीनों चाय के इंतजार में थे। लेकिन चाय का क्या? चाय तो थी ही नहीं। चपरासी, जो चाय लाने गया था, हमारी ओर देखकर दुश्मन जैसा व्यवहार कर रहा था। वह चाय के लिए इतना दूर क्यों गया था? और चाय आ भी रही थी या नहीं, इस पर कोई कुछ नहीं कह पा रहा था। साहब की स्थिति भी दिलचस्प थी। वह अपने पद की प्रतिष्ठा के बारे में सोचते हुए कुर्सी पर बिल्कुल तनकर बैठ गए थे। लेकिन जैसे ही शर्मा जी ने अपनी छड़ी की मूठ पर हाथ रखा, साहब की मुद्रा ढीली हो गई। वह अब छड़ी पर ध्यान केंद्रित करने लगे, मानो वह छड़ी ही कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति हो। हमारे बीच चुप्पी थी, लेकिन यह चुप्पी किसी असहज स्थिति से ज्यादा किसी जाल का हिस्सा लग रही थी। साहब अपनी पेंसिल को गाल पर घिस रहे थे, मैं पेपरवेट से खेल रहा था और श्रीवास्तव जी छड़ी की मूठ पर हाथ फेरने में लगे हुए थे। तीनों की स्थिति बहुत ही अजीब थी। हम जैसे गहरे समुद्र में डूबते जा रहे थे, और चाय का जहाज हमें कहीं नजर नहीं आ रहा था।

अमरत्व और आध्यात्मिक मेले का रूप है प्रयागराज का महाकुंभ

प्रयागराज में 12 साल बाद संगम तट पर इस साल महाकुंभ मेला 2025 लगने वाला है, मकर संक्रांति यानी माघ कृष्ण प्रतिपदा से इसकी शुरुआत हो जाएगी, हालांकि इसके एक दिन पहले ही पूजा अर्चना से मेला भरने लगता है। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे, कुंभ मेला लगने के खास नियम है।

इसकी तिथि न हिंदी कैलेंडर को फॉलो करती है और न अंग्रेजी कैलेंडर को बल्कि इसका निर्धारण ग्रहों की चाल के आधार पर होता है। इसके कुछ खास नियम भी हैं तो आइये जानते हैं कब लगता है और कुंभ आयोजन के नियम क्या हैं।

इस आकाशीय घड़ी से होता है कुंभ का निर्धारण

भारतीय ज्योतिष के अनुसार आकाश में शनि, बृहस्पति, सूर्य, मंगल और चंद्रमा आदि ग्रह पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए घड़ी के समान काम करते हैं। प्राचीन काल से ही भारत में सारे कामकाज इन ग्रहों की चाल के आंकलन से ही किए जाते रहे हैं। इसी कारण हिंदू धर्म के प्रमुख आयोजन के समय निर्धारण में ग्रहों की चाल का ध्यान दिया जाता है।

ग्रह नक्षत्र शोध संस्थान प्रयागराज के ज्योतिषाचार्य आशुतोष वार्ष्णेय के अनुसार प्राचीन काल से ही भारत में ग्रह और नक्षत्र हमारे लिए घड़ी का काम करते रहे हैं। यदि एक साल की गणना करनी हो तो बृहस्पति ग्रह के मूवमेंट पर ध्यान दिया जाता है, एक माह संबंधित गणना के लिए सूर्य की चाल, ढाई साल की गणना में शनि का ध्यान दिया जाता है, डेढ़ महीने के आंकलन के लिए मंगल को आधार बनाया जाता है और ढाई दिन के लिए चंद्रमा की चाल देखी जाती है।

इसी ग्रह कैलेंडर से भारत में प्रमुख धार्मिक घटनाओं के समय का निर्धारण होता है। कुंभ मेला के निर्धारण का आधार बृहस्पति ग्रह की चाल है। आइये जानते हैं ज्योतिष के आधार पर कुंभ मेला कब लगता है

जानें कब लगता है कुंभ मेला

ज्योतिषाचार्य वार्ष्णेय के अनुसार सागर मंथन के दौरान निकले अमृत को पाने की छीना झपटी में भारत के चार स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में अमृत की बूंदें गिर गईं थीं। इन्हीं स्थानों पर हर 12 साल बाद क्रमशः विशेष ग्रह नक्षत्र स्थितियों पर कुंभ मेला लगता है। हालांकि प्रयागराज में हर छठें साल अर्ध कुंभ भी लगता है। इन सभी स्थानों पर कुंभ के समय के निर्धारण का खास नियम और ग्रह कैलेंडर होता है जो ग्रहों की चाल विशेष रूप से बृहस्पति की चाल पर आधारित है।

कुंभ मेला लगने का नियम

कुंभ का शाब्दिक अर्थ है घड़ा, सुराही या बर्तन जबकि मेला शब्द का अर्थ है किसी स्थान पर मिलना, साथ चलना, सभा या विशेष सामुदायिक उत्सव में उपस्थित होना। इस तरह कुंभ मेले का अर्थ अमरत्व और आध्यात्मिक मेले के रूप में लिया जाता है।

यहां लोग आकर संगम तट पर कल्पवास करते हैं, गंगा स्नान और ईश्वर चर्चा में समय बिताकर मन की शांति और आध्यात्मिक शुद्धि पाते हैं। इस समय ग्रहों की स्थिति साधना और एकाग्रता के लिए सर्वोत्तम होती है। प्रयागराज में संगम तट पर इसके लिए जुटने वाले लाखों श्रद्धालुओं के चलते इसे महाकुंभ भी कहा जाता है।

कुंभ मेले के लगने का निर्धारण बृहस्पति ग्रह की चाल के आधार पर और 12 साल में बृहस्पति के राशि चक्र को पूरा करने पर होता है।

प्रयागराज और अन्य जगहों पर कुंभ मेला का नियम

आचार्य वार्ष्णेय के अनुसार जब बृहस्पति भ्रमण करते हुए वृषभ राशि में आते हैं और सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में प्रवेश करते हैं हैं तब प्रयागराज में संगम तट पर कुंभ मेला लगता है। यह घटना दुर्लभ है, क्योंकि यह 12 साल बाद होती है। विशेष बात यह है कि यह घटना अक्सर माघ महीने में ही होती है। इसी कारण इसे कुंभ माघ मेला भी कहते हैं। इससे पहले प्रयागराज में कुंभ 2013 में और अर्धकुंभ 2019 में लगा था। आइये जानते हैं हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में कब लगता है माघ मेला

हरिद्वारः धार्मिक ग्रंथों के अनुसार बृहस्पति के कुंभ राशि में और सूर्य के मेष राशि में प्रवेश होने पर हरिद्वार में गंगा किनारे पर कुंभ का आयोजन होता है।

नासिकः तीसरा बृहस्पति और सूर्य के सिंह राशि में आने पर नासिक में गोदावरी के किनारे पर कुंभ का आयोजन होता है।

उज्जैनः चौथा कुंभ उज्जैन में तब लगता है, जब बृहस्पति सिंह राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है। यह कुंभ मेला उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर लगता है।

अर्धकुंभः इसके अलावा प्रयागराज में जब बृहस्पति मेष राशि में और सूर्यचंद्र मकर राशि में अमावस्या के दिन प्रवेश करते हैं तब प्रयागराज में त्रिवेणी संगम तट पर अर्ध कुंभ लगता है। इस तिथि को कुंभ स्नान योग कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन संगम स्नान से आत्मा को स्वर्ग की प्राप्ति सहजता से हो जाती है।

अमृत के समान होता है पानी

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार जब माघ महीने में सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं तो इसके ज्योतिषीय प्रभाव से सूर्य किरणों का पानी से रिफ्लेक्शन शरीर के लिए फायदेमंद होता है। इस कारण इस समय यहां का पानी औषधीकृत और अमृत तुल्य हो जाता है। मौनी अमावस्या पर सूर्य और चंद्र किरणों के मिलन के समय इसका प्रभाव सबसे अधिक होता है।

डॉक्टर कर रहे शोध

ज्योतिषाचार्य आशुतोष वार्ष्णेय के अनुसार कुंभ मेले के दौरान सूर्य की किरणों के पानी में रिफ्लेशन और उस जल के स्नान का शरीर के लाभ यानी कुंभ में स्नान का वैज्ञानिक पक्ष उजागर करने के लिए ग्रह नक्षत्र ज्योतिष संस्थान, डॉ डीएन केसरवानी, डॉ वैभव सिंह के पैनल के साथ 2001 से शोध कर रहा है।

कब से कब तक लगेगा प्रयागराज में महाकुंभ मेला

प्रयागराज महाकुंभ मेला पौष पूर्णिमा 13 जनवरी 2025 से शुरू होगा और 26 फरवरी 2025 को फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के साथ समाप्त होगा। इसके विशेष स्नान समय मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी आदि हैं।

महाकुंभ में पवित्र नदी में डुबकी लगाने से पहले जरूर करें ये 3 काम

इस साल प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा 13 जनवरी से 27 फरवरी तक यहां भव्य आयोजन किया जाएगा और साधु-संतों का जमावड़ा देखने को मिलेगा दुनियाभर से श्रृद्धालु संगम नदी में स्नान करने आते हैं क्योंकि महाकुंभ में पवित्र नदियों का जल अमृत बन जाता है इसलिए महाकुंभ के दौरान गंगा, यमुना आदि नदियों में स्नान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति भक्तों को होती है लेकिन क्या आपको पता है महाकुंभ में डुबकी लगाते समय आपको कुछ नियमों का पालने करना जरुरी होता है।

महाकुंभ में डुबकी लगाते समय कुछ ऐसे नियम हैं जिनका पालन हर श्रृद्धालु को करना चाहिए तो आइए जानते हैं उन नियमों के बारे में, तो अगर आप भी महाकुंभ में स्नान करने वाले हैं तो इन बातों ध्यान जरुर रखें

महाकुंभ में डुबकी लगाने का पहला नियम

महाकुंभ में डुबकी लगाने जाने वाले हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि गृहस्थ्य लोगों को 5 डुबकी लगाएं धार्मिक मान्यता के अनुसार जब गृहस्थ्य लोग महाकुंभ में 5 बार डुबकी लगाते हैं तो कुंभ स्नान पूरा माना जाता है।

दूसरा नियम

महाकुंभ के दौरान कभी भी नागा साधुओं से पहले डुबकी ना लगाएं क्योंकि महाकुंभ के दौरान सबसे पहले नागा साधु स्नान करते हैं और डुबकी लगाते हैं फिर अन्य लोग डुबकी लगाते हैं इसलिए अगर आपक भी पवित्र नदी में नागा साधुओं के स्नान के बाद ही स्नान करें वरना ये नियमों का उल्लंघन व धार्मिक दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता है व शुभ फलों की प्राप्ति भी नहीं होती।

तीसरा नियम

महाकुंभ में पवित्र नदी में स्नान के बाद अपने दोनों हाथों से सूर्यदेव को अर्ध्य जरुर दें इससे आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति को मजबूत भी करता है ऐसा करने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

इन नियमों का पालन करने से आप महाकुंभ में स्नान करते हैं, तो आपको कई तरह के लाभ मिलते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है हालांकि इससे आपको आध्यात्मिक रुप से भी विकास करने करने में आपकी मदद करता है।

क्या हुआ युद्ध के बाद त्रिजटा का, जिसने रावण की कैद में हमेशा सीता के साथ खड़ी रही

क्या आपको मालूम है कि त्रिजटा राक्षसी का राम-रावण युद्ध के बाद क्या हुआ। जब रावण ने सीता का हरण किया और उन्हें लंका में अशोक वाटिका में कैद कर दिया। वहां उनके गार्ड के तौर पर त्रिजटा राक्षसी को रखा गया। उसने वहां सीता की बहुत मदद की। वो बार-बार उन्हें दिलासा देती थीं। कम से कम दो बार रावण के प्रकोप से इस राक्षसी ने सीता को बचाया। जानते हैं रावण से युद्ध में जीत के बाद त्रिजटा का क्या हुआ।

त्रिजटा रामायण की एक पात्र है। जिसका उल्लेख रामचरित मानस, वाल्मिकी रामायण में तो हुआ। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में जो रामायण के अलग अलग संस्करण प्रचलित हैं, उसमें उसका उल्लेख कहीं ज्यादा बड़े रूप में हुआ है। जब रावण ने वन से अपहरण करने के बाद सीता को अशोक वाटिका में रखा तो तमाम राक्षसियां उन्हें

तरह-तरह से परेशान करती थीं। एक त्रिजटा ही थी, जो राक्षसियों से भी बचाती थी और साथ में ढांढस भी बढ़ाती रहती थी।

रामचरित मानस और रामायण के अनुसार त्रिजटा राक्षसी विभीषण की बेटी थी। अपने पिता विभीषण की तरह वो भी रामभक्त थी। ये भी उल्लेख हुआ है कि मंदोदरी ने उसे खासतौर पर सीता की देखरेख के लिए रखा था।

जिस दौरान लंका में राम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध हो रहा था, तब त्रिजटा अपने सूत्रों से मिल रही तमाम जानकारियों को सीता तक पहुंचाती थी। जब रावण ने कभी माया के जरिए सीता को भरमाने की कोशिश की तब भी त्रिजटा ने सीता को सही बात बताई। जब युद्ध के दौरान राम और लक्ष्मण पर मुसीबत आती थी, तो त्रिजटा ही वहां सीता को दिलाने दिलाने वाली थी। उसने सीता से ये भी कहा कि उसने सपना देखा है और उसके अनुसार युद्ध में राम की जीत होगी।

रावण की भतीजी थी त्रिजटा

राम चरित की चौपाइयों के अनुसार, त्रिजटा की मां का नाम शरमा था। इस रिश्ते से देखा जाए तो वो रावण की भतीजी लगती थी। जब इस कैद में सीता जी के लिए विरह को सह पाना मुश्किल होने लगा तो उन्होंने खुद की जान देने की बात की। त्रिजटा से कहा कि वो चिता बनाकर सजा दे और उसमें आग लगा दे। ऐसे में त्रिजटा ने बुद्धिमानी से सीता की बात ये कहकर टाल दी थी कि इतनी रात में कहां आग मिलेगी। इसके अलावा रावण ने दो मौकों पर नाराज होकर सीता को मारना चाहा, तब भी त्रिजटा ने रावण को समझाया और सीता की रक्षा की।

वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के करीब ही त्रिजटा राक्षसी का भी मंदिर है। यहां रोज उसकी पूजा होती है

पुरस्कारों से लाद दिया था राम और सीता ने

रामायण के दूसरी भाषाओं के संस्करणों में त्रिजटा के बारे में और वर्णन आया है। इनमें कहा गया है कि युद्ध के बाद राम और सीता ने त्रिजटा को मूल्यवान पुरस्कारों से लाद दिया था। इंडोनेशिया में प्रचलित "काकाविन रामायण" के अनुसार अशोक वाटिका में रावण ने 300 राक्षसियों को गार्ड के तौर पर तैनात कर रखा था। उसमें केवल त्रिजटा ही थी, जो सीता का उत्साह बढ़ाती थी

"बालरामायण" कहती है कि जीत के बाद त्रिजटा सीता के साथ पुष्पक विमान से अयोध्या भी गई थी। "आनंद रामायण" में भी यही बात कही गई है। बाद में जब सीता फिर लंका आईं तो उन्होंने वहां विभीषण की पत्नी शरमा से त्रिजटा का उसी तरह खयाल रखने को कहा था, जैसा उसने उनका अशोक वाटिका में रखा था। इंडोनेशिया की "काकाविन रामायण" कहती है कि युद्ध के बाद सीता ने त्रिजटा को काफी मूल्यवान उपहार दिए थे।

क्या हनुमान से हुई थी त्रिजटा की शादी

थाई रामायण "रामाकीएन" में कहा गया है कि हनुमान ने विभीषण की बेटी त्रिजटा से शादी की थी। थाईलैंड में विभीषण को फिपेक और त्रिजटा को बेंचाकेई कहा जाता है। थाई रामायण कहती है कि हनुमान के साथ शादी से त्रिजटा को एक बेटा असुरपद हुआ था। यद्यपि वो राक्षस था लेकिन उसका सिर बंदर जैसा था।

रामायण के युद्ध कांड में ये कहा गया है कि रावण ने पुष्पक विमान से खासतौर पर त्रिजटा को सीता के साथ युद्धस्थल पर भेजा था ताकि वो नागपाश में बंधे राम-लक्ष्मण को देख सके। इसके अलावा अशोक वाटिका में भी लाल साड़ी में त्रिजटा और सीता जी को इस प्राचीन पेंटिंग में दिखाया गया है

रामायण के मलय वर्जन के अनुसार, युद्ध के बाद विभीषण ने हनुमान से अनुरोध किया कि वो उनकी बेटी से शादी कर लें। यहां त्रिजटा को सेरी जाती के रूप में जाना जाता है। हनुमान सहमत हो गए लेकिन उनकी एक शर्त थी।

उनका कहना था कि वो इस शादी में त्रिजटा के साथ केवल एक महीने ही रहेंगे। इसके बाद हनुमान अयोध्या चले गए। त्रिजटा ने एक बेटे को जन्म दिया। जिसे हनुमान तेगनग्गा (असुर पद) कहा जाता है। जावा और सूडान में रामायण के कठपुतली नाटकों में त्रिजटा को हनुमान की पत्नी के तौर पर दिखाया जाता है।

बनारस में त्रिजटा का मंदिर

वाराणसी में त्रिजटा का एक मंदिर है, जो यहां के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर के करीब है। यहां ये मान्यता है कि त्रिजटा लंका से सीता के साथ जब पुष्पक विमान से अयोध्या जा रही थी तो सीता ने उससे कहा कि अयोध्या में त्रिजटा को राक्षसी होने के कारण जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

इसके बाद सीता ने सुझाव दिया कि उसे वाराणसी चले जाना चाहिए, जहां उसको मोक्ष मिल जाएगा। फिर उसकी पूजा वहां एक देवी के रूप में की जाएगी।अब यहां मंदिर में त्रिजटा की रोज पूजा होती है। महिलाएं इस मंदिर में अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए आती हैं। यहां त्रिजटा को मूली और बैंगन का चढ़ावा चढ़ाया जाता है।

इसी तरह त्रिजटा का एक मंदिर उज्जैन में भी है, जो बालवीर हनुमान मंदिर परिसर में है। यहां देवी की तीन दिनों की विशेष पूजा होती है, जो कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होती है। तेलुगु में सीता पुराणमु रामासामी चौदारी में त्रिजटा को विभीषण और गंधर्व शरमा की बेटी बताया गया है।

दशानन का बड़ा भाई था सहस्त्रानन, उसे राम से लेना था बदला, मां सीता ने किया था पराजित

हिंदू धर्म के धार्मिक पुराणों और ग्रंथों में अनेक ऐसे रहस्यमय और शक्तिशाली पात्रों का उल्लेख मिलता है, जिनका जीवन और काम भारतीय संस्कृति और धर्म के बारे में गहराई से समझाता है।

उन्हीं में से एक पात्र है सहस्त्रानन, जो एक शक्तिशाली राक्षस था, और जिसका सामना माता सीता ने किया था। जैन रामायण के अनुसार, सहस्त्रानन एक भयंकर राक्षस था, जो रावण का भाई था। क्यों माता सीता को सहस्त्रानन से युद्ध करना पड़ा और किस प्रकार उन्होंने उसे पराजित किया।

क्यों किया था सीता ने सहस्त्रानन से युद्ध?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सहस्त्रानन रावण का बड़ा भाई था, हालांकि वह रावण का सगा भाई नहीं था, फिर भी रावण से उसे गहरा प्रेम था। रावण के पास असुर शक्तियां थीं, लेकिन सहस्त्रानन के पास उससे कहीं अधिक शक्तिशाली और भयंकर अस्त्र-शस्त्र थे। रावण के 10 सिर थे, वहीं सहस्त्रानन के सिरों की संख्या हजार से भी अधिक थी। यह राक्षस अपनी दिव्य और दानवीय शक्तियों से संपूर्ण संसार में आतंक फैलाने में सक्षम था।

जब रावण को भगवान राम ने युद्ध में पराजित कर दिया और विभीषण को लंका का राजा बना दिया, तो सहस्त्रानन ने यह ठान लिया कि वह भगवान राम से इसका बदला लेगा। वह अयोध्या आया और अपने छल-कपट से अयोध्या को नष्ट करने की कोशिश की। लेकिन उसे हर बार हनुमान जी ने विफल कर दिया। अंत में, उसने प्रभु राम को चुनौती दी और युद्ध के लिए ललकारा। भगवान राम ने चुनौती स्वीकार की, लेकिन जब युद्ध के दौरान सहस्त्रानन ने खुद को हारते हुए पाया, तो उसने ब्रह्म देव के दिव्यास्त्र का प्रयोग किया।

माता सीता का रौद्र रूप

भगवान राम ने ब्रह्म देव के अस्त्र के सम्मान में अपने अस्त्र को नीचे रख दिया। इस स्थिति में माता सीता ने युद्ध में भाग लिया। अपनी रौद्र शक्ति से, उन्होंने सहस्त्रानन का सामना किया और उसे पराजित किया। माता सीता ने सहस्त्रानन का वध किया। ये उनके अद्वितीय साहस, शक्ति और दिव्य कृपा का प्रतीक माना जाता है।

शिव संपत धामः चरवाहे के सपने से बना भक्ति और आस्था का केंद्र

झारखंड के पलामू जिले के उंटारी प्रखंड में स्थित शिव संपत धाम, भक्ति और आस्था का एक ऐसा पवित्र स्थल है, जिसकी स्थापना भगवान भोलेनाथ की एक अद्भुत कथा से जुड़ी है। पिछले 40 वर्षों से यहां मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में हर साल हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं, जो पूजा-अर्चना के साथ मेले का आनंद भी लेते हैं।

चरवाहा के सपने से शुरू हुई शिव संपत धाम की कहानी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस धाम का निर्माण भगवान शिव के चमत्कारिक संकेत के बाद हुआ। स्थानीय पुजारी नारायण मिश्रा के अनुसार, इस स्थल की कहानी एक चरवाहा संपत से जुड़ी है। संपत नाम के एक साधारण चरवाहे को भगवान शिव ने स्वप्न में दर्शन देकर इस स्थान पर अपनी उपस्थिति का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि इस भूमि के नीचे शिव परिवार मौजूद हैं। चरवाहा ने अपने सपने की बात गांववालों को बताई, जिसके बाद खुदाई की गई। इस प्रक्रिया में शिव परिवार की मूर्तियां प्रकट हुईं। इसके बाद इस स्थान को "शिव संपत धाम" नाम दिया गया और यहां

पूजा-अर्चना शुरू हुई।

मकर संक्रांति मेले की परंपरा

शिव संपत धाम में हर साल मकर संक्रांति के अवसर पर एक दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। यह मेला पिछले 40 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ को गुड़, चूरा और दही का भोग अर्पित किया जाता है। श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं।

मेले का आकर्षण

मकर संक्रांति मेला न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए झूले और खेल के स्टॉल लगाए जाते हैं। मेले में खिलौनों, खाने-पीने की चीजों और अन्य आकर्षक वस्तुओं की कई दुकानें सजती हैं।

यह मेला श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए एक उत्सव की तरह होता है, जिसमें भक्ति और आनंद का संगम देखने को मिलता है।

शिवरात्रि के अवसर पर दूसरा मेला

मकर संक्रांति के अलावा, शिव संपत धाम में शिवरात्रि के अवसर पर भी एक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। इस दिन भक्तगण विशेष रूप से भगवान शिव की आराधना के लिए यहां आते हैं।

संपूर्ण झारखंड में प्रसिद्ध है शिव संपत धाम

शिव संपत धाम, न केवल पलामू जिले में बल्कि पूरे झारखंड में आस्था और भक्ति का केंद्र बन गया है। हर साल यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के कारण यह धाम झारखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी पहचान बना चुका है।

आस्था और आनंद का संगम

यह मेला न केवल धार्मिक महत्व का है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अहम है। यहां पूजा-अर्चना करने के बाद श्रद्धालु मेले का आनंद लेते हैं, जिससे उन्हें भक्ति और मनोरंजन का अद्वितीय अनुभव मिलता है।

ऋतिक की फिटनेस की इस कदर मुरीद हुईं प्रीति जिंटा कमेंट कर बोलीं-वाह, प्रशंसकों ने भी की तारीफ

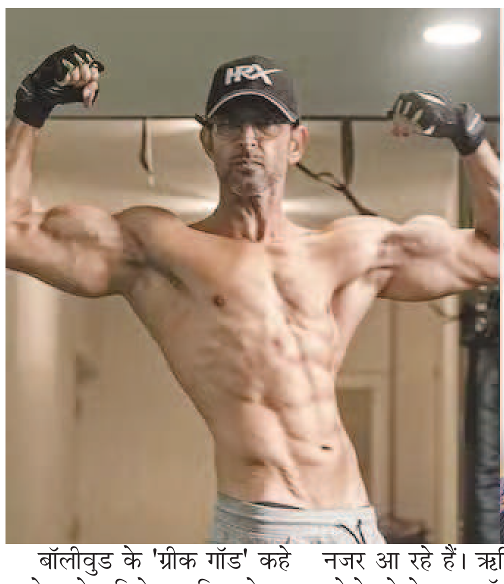

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' कहे जाने वाले अभिनेता ऋतिक रोशन न केवल अपने अभिनय बल्कि अपने फिटनेस को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। फिल्म में भी अभिनेता के डांस मूव्स के बाद उनकी बॉडी की ही प्रशंसक ज्यादा तारीफ करते हैं। अब हाल ही में ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी एक शर्टलेस तस्वीर साझा की है, जिसमें वह 8 पैक एब्स दिखाते नजर आ रहे हैं। ऋतिक की इस फोटो को देखकर बॉलीवुड की ये अभिनेत्री भी उनके फिटनेस की मुरीद हो गईं और खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाईं।

ऋतिक रोशन ने साझा की तस्वीर

ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जिम से अपनी एक तस्वीर साझा की है। फोटो में अभिनेता ग्रे जॉगर्स और बिना शर्ट में नजर आ रहे हैं। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने ब्लैक कैप और जिम के ग्लव्स पहने हैं। बता दें कि तस्वीर में अभिनेता बाइसेप्स फ्लेक्स करते नजर आए। हालांकि, जिस चीज ने फैंस का सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वह था अभिनेता के 8 पैक एब्स।

अभिनेता की फिटनेस की मुरीद हुईं प्रीति जिंटा

अपनी इस तस्वीर को साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा, ₹मजबूत होने और मजबूत दिखने के बीच बहुत बड़ा अंतर है। इस साल मैं असली चीज करने जा रहा हूं।" अभिनेता की इस तस्वीर पर कमेंट करने से अभिनेत्री प्रीति जिंटा भी खुद को नहीं रोक पाईं। अभिनेत्री ने कमेंट करते हुए लिखा, 'वाह!'। वहीं, कई यूजर्स अभिनेता से उनकी आगामी फिल्म 'वॉर 2' और 'कृष 4' को लेकर अपडेट भी मांगने लगे।

सोशल मीडिया पर मिला ऐसा रिएक्शन

एक यूजर ने लिखा, 'क्या यह तैयारी 'वॉर 2' और 'कृष 4' के लिए है। प्लीज जल्दी से कोई अपडेट दें।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'आपको ग्रीक गॉड का सही टैग दिया गया है।' एक और यूजर ने लिखा, 'ड्रीम फिजीक ऑफ एवरीवन।' वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'वॉर 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे।

गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड 2025 : एमिलिया पेरेज और द ब्रूटलिस्ट को सबसे ज्यादा अवॉर्ड; भारत की फिल्म दो कैटेगरी में नॉमिनेट, लेकिन चूकी

कैलिफोर्निया में रविवार रात 82वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड दिए गए। भारत की तरफ से पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट को 2 कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था, हालांकि फिल्म ये अवॉर्ड जीतने से चूक गई।

ऑल वी इमेजिन एज लाइट को बेस्ट फिल्म (नॉन इंग्लिश) और बेस्ट डायरेक्टर की कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था।

बेस्ट फिल्म कैटेगरी में फ्रांस की फिल्म एमिलिया पेरेज ने अवॉर्ड जीता। वहीं, बेस्ट डायरेक्टर का गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड डायरेक्टर ब्रेडी कॉर्बेट को फिल्म द ब्रूटलिस्ट के लिए मिला।

गोल्डन ग्लोब में बेस्ट डायरेक्टर के लिए नॉमिनेट होने वाली पायल कपाड़िया पहली भारतीय महिला

पायल ऐसी पहली भारतीय फिल्ममेकर हैं, जिन्हें बेस्ट डायरेक्टर के लिए नॉमिनेट किया गया था। उनकी फिल्म ऑल वी इमेजिन एड लाइट भले ही गोल्डन ग्लोब जीतने से चूक गई, लेकिन इस फिल्म को इसी साल मई में कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार मिल चुका है।

बेस्ट फिल्म (नॉन इंग्लिश) कैटेगरी में ऑल वी इमेजिन एज लाइट के अलावा एमिलिया पेरेज, द गर्ल विद द नीडल, आई एम स्टिल हेयर, द सीड ऑफ द सेक्रेड फिग एंड वर्मिग्लो जैसी फिल्में भी शामिल थीं।

क्या है ऑल वी इमेजिन एज लाइट की कहानी

पायल कपाड़िया की फिल्म एक नर्स की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म में नर्स बनीं लीड किरदार का नाम प्रभा है। फिल्म की कहानी उसी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। प्रभा अपने पति से काफी समय से अलग रह रही होती है। अचानक उसे एक दिन अपने पति का दिया एक गिफ्ट मिलता है। यहीं से उसकी पूरी जिंदगी बदल जाती है और उसका पूरा जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

2023 में आरआरआर के गाने को मिला था अवॉर्ड

इस साल की तरह पिछले साल भी भारत को गोल्डन ग्लोब में कोई अवॉर्ड नहीं मिल सका। हालांकि साल 2023 में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू को बेस्ट ऑरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में अवॉर्ड मिला था।

गोल्डन ग्लोब पुरस्कार क्या हैं?

गोल्डन ग्लोब पुरस्कार हर साल फिल्म और टीवी में बेहतरीन काम करने वाले लोगों को दिए जाते हैं। ये पुरस्कार हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए जाते हैं। गोल्डन ग्लोब उन कलाकारों, निर्माताओं, और निर्देशकों को सम्मानित करता है, जिन्होंने फिल्मों और टीवी शोज में शानदार काम किया होता है।

'गंदगी फैला रखी है...', नोरा फतेही का पानी वाला डांस देख भड़के लोग, बोले- कलयुग में कुछ भी हो सकता है...

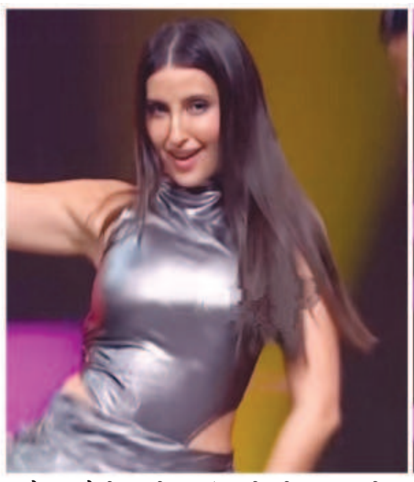

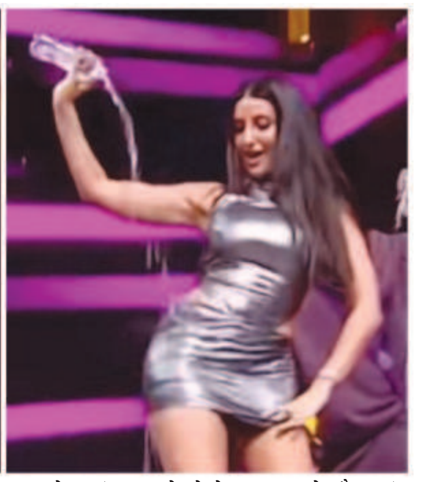

नोरा फतेही बॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी-मानी डांसर है और इतना ही नहीं कई सारी फिल्मों में भी वह नजर आ चुकी है। लेकिन उनकी एक्टिंग से कहीं ज्यादा उनके डांस को लेकर चर्चा होती रहती है। वह डांसिंग रियलिटी शोज को भी जज करती हुई नजर आती है। नोरा फतेही का अंदाज भी काफी पसंद किया जाता है। अब इसी बीच नोरा फतेही का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होता हुआ नजर आ रहा है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि यह वीडियो एक रियलिटी शो के दौरान का है। जहां पर नोरा फतेही अपने डांस का जादू चलती हुई नजर आ रही है और उनका यह करतब कुछ लोगों को रास भी नहीं आया।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि वायरल हो रहे हैं इस वीडियो में नोरा फतेही 'नाच मेरी रानी' गाने पर जोरदार डांस कर रही है। इस दौरान उनके साथ में कई और भी लड़के डांस करते देखे जा सकते हैं। डांस करते हुए नोरा फतेही के हाथ में पानी की बोतल भी है। डांस करते-करते नोरा फतेही अपने ऊपर पानी की बोतल उड़ेल देती है। यह सब देखकर काफी लोग हैरान रह जाते हैं और जज सीट पर बैठे हुए सभी लोग भी शॉक रह जाते हैं। नोरा फतेही का ऐसा जबरदस्त डांस देखने के बाद में लोगों का रिएक्शन देखने लायक था। सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो पर लोग जमकर कमेंट करते हुए भी देखे जा सकते हैं।

वायरल हो रहे इस वीडियो पर एक यूजर कमेंट करते हुए लिखता है कि यह शो घटिया है फैमिली लायक तो बिल्कुल भी नहीं है। दूसरा कमेंट करते हुए लिखता है कि बॉलीवुड की सबसे गंदी डांस करने वाली हीरोइन लगती है। एक अन्य यूजर कमेंट करते हुए लिखता है कि वाटरप्रूफ ड्रेस की एडवर्टाइजमेंट करते हुए नोरा फतेही।

खूब सपने देखती हैं आलिया भट्ट एक्ट्रेस ने खुद को कहा 'ड्रीमर'

आलिया भट्ट बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं. उन्होंने अपने अब तक के करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों के दिलों में जगह बनाई है. आलिया की कभी बड़ी फैन फॉलोइंग भी है जो एक्ट्रेस की लाइफ से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात जानने के लिए बेहद एक्साइटेड रहती है. वहीं आलिया भी फैंस के साथ अपनी तस्वीरों से लेकर लाइफ से जुड़ी हर चीज शेयर करती हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट में खुद को ड्रीमर बताया है साथ ही अपने मॉर्निंग रूटीन का भी खुलासा किया है.

ड्रीमर हैं आलिया भट्ट

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट ने अपनी पोस्ट में खुलासा किया है कि वह एक ड्रीमर है. दरअसल आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में उन्होंने अपने बड़े व्हाइट कॉफी मग की एक तस्वीर शेयर की है जिस पर ड्रीमर लिखा हुआ था. इसके बाद उन्होंने एक पोल एड किया, जिसे उन्होंने कैप्शन दिया, क्या आपका कप आपको शॉर्ट में बता सकता है? एक्ट्रेस ने इसके आंसर में हां! के साथ लिखा, "मेरा भी है और नहीं, अजीब मत बनो.

आलिया ने फैमिली संग न्यू ईयर वेकेशन की तस्वीरें भी की थीं शेयर

बता दें कि इससे पहले एक्ट्रेस ने इस महीने की शुरुआत में अपने परिवार के साथ न्यू ईयर वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की थीं. तस्वीरों में उनके पति और एक्टर रणबीर, उनकी बेटी राह कपूर, उनकी मां सोनी राजदान, निर्देशक अयान मुखर्जी, उनकी सास नीतू कपूर और ननद रिद्धिमा कपूर साहनी फुल मस्ती मूड में नजर आ रहे थे. तस्वीरें शेयर करते हुए आलिया ने कैप्शन में लिखा था, "2025: जहां प्यार ले जाता है और बाकी सब पीछे आ जाता है...!! सभी को नया साल मुबारक."

वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया आखिरी बार जिगरा में दिखाई दी थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही. वहीं एक्ट्रेस अब ₹अल्फा₹ में नजर आएंगी. इस फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है. ये YRF की स्पाई-यूनिवर्स की पहली वुमन सेंट्रिक फिल्म है. आलिया के अलावा अल्फा में शरवरी वाघ और अनिल कपूर भी अहम रोल में हैं. इसके अलावा आलिया भट्ट संजय लील भंसाली की लव एंड वॉर में भी नजर आएंगी. इस फिल्म में वे रणबीर कपूर और विक्की कौशल संग स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी.

51 की उम्र में मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक ड्रेस पहन गिराई बिजलियां

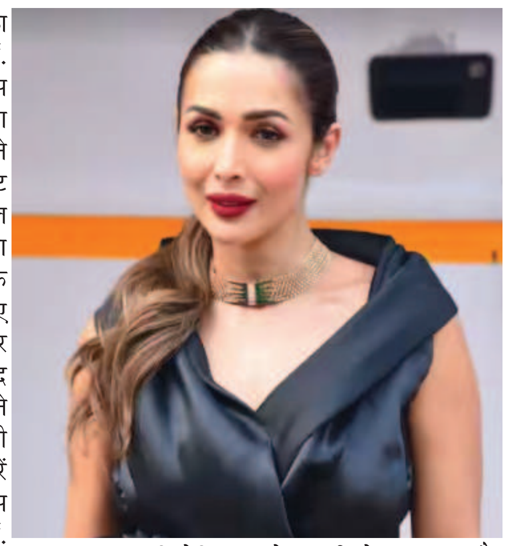

51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा बेहद जवां दिखती हैं. एक्ट्रेस अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर आग लगाए रहती हैं. मलाइका ने एक बार फिर अपनी लेटेस्ट फोटोज से फैंस के दिल धड़का दिए हैं. मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस के साथ ही फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं. उनका हर लुक फैंस को बेहद पसंद आता हैं. एक्ट्रेस ने अब अपने इंस्टाग्राम पर ब्लैक कलर की ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें एक्ट्रेस बला की हसीन लग रही हैं. बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वे कहर ढाती दिख रही हैं.

दरअसल मलाइका इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर चैंपियंस का टशन में पहुंची थीं. इस दौरान एक्ट्रेस ब्लैक कलर की सैटिन ड्रेस में बेहद क्लासी लग रही थीं. डांस रियलिटी शो में, मलाइका जज हैं. मलाइका ने शो के सेट से भी अपनी सेल्फी शेयर की है. एक्ट्रेस रेड कलर की लिपस्टिक लगाए सुपर ग्लैम लग रही हैं.

तस्वीर में मलाइका अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलते हुए नजर आ रही हैं. मलाइका के मिडी लेंथ के आउटफिट में एसिमेट्रिकल हेम, वी-नेकलाइन और कमर पर सिंच्ड डिटेलिंग के लिए टाई-अप डिटेलिंग थी. अपने इस शानदार आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग पंप और शिमरी एक्सेसरीज़ पहनी थीं.

मलाइका ने कुछ और तस्वीरें भी इंस्टा अकाउंट पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों में वे ब्लैक ब्लेजर में बेहद स्टाइलिश लग रही हैं. मलाइका ने ब्लैक ब्लेजर के साथ व्हाइट स्कर्ट पेयर की हुई है और अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल के साथ ओपन रखा है. मलाइका ने कई सारे नेकपीस के साथ अपने ब्लैक ब्लेजर और व्हाइट सकर्ट लुक को स्टाइल किया है. उनकी ये तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं.

क्या वाकई राम कपूर ने सर्जरी के जरिए घटाया है वजन? एक्टर ने ट्रांसफॉर्मेशन पर तोड़ी चुप्पी

राम कपूर इन दिनों अपनी फिटनेस और ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने अपनी शारीरिक काया पूरी तरह बदल ली है। उन्होंने अपना कई किलो वजन कम किया है। दिसंबर में राम कपूर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी खुद फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने अपना 42 किलो वजन कम किया है। राम कपूर ने इस फिटनेस यात्रा के दौरान आने वाली चुनौतियों पर भी बात की।

कैसे की शुरुआत?

राम कपूर का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन देख हर कोई हैरान है। अभिनेता ने अपनी वेट लॉस जर्नी पर बात करने के साथ-साथ डाइटिंग इंडस्ट्री पर भी अपने विचार रखे। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बात करते हुए उन्होंने अपना रुटीन और शेड्यूल साझा किया। शुरुआत कैसे हुई? इस पर राम कपूर ने कहा, 'मैंने करीब डेढ़ साल पहले शुरुआत की थी और अब तक 55 किलो वजन कम करने में कामयाब रहा हूं। शुरआती छह महीने बहुत शानदार तरीके से कर रहा था। फिर मैं बहुत बुरी तरह गिरा और कंधा खराब हो गया। मुझे सर्जरी करानी पड़ी, उसके बाद 8 महीने तक फिजियोथेरेपी करानी पड़ी। इसकी वजह से वेट लॉस की प्रक्रिया में भी अड़चनें आईं। शुरुआत वाले छह महीने और फिर उसके बाद के छह महीने, यही वह समय था, जिसने मुझे पूरी तरह बदलने में मदद की'।

रात-रातभर पढ़ीं एक्सपर्ट्स की किताबें

राम कपूर ने कहा, 'मैंने वजन घटाने के लिए कभी भी कोई दवा नहीं ली, न ही मैंने बैरिएट्रिक सर्जरी करवाई। हालांकि, ऐसा करना गलत नहीं है, क्योंकि लोग खुद को बेहतर बनाने के लिए ऐसा करते हैं'। राम कपूर ने आगे बताया कि लोगों ने उन पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने किसी सर्जरी या सप्लीमेंट की मदद से वजन कम किया है। एक्टर ने कहा, 'लोगों ने कहा कि मैंने बैरिएट्रिक सर्जरी करवाई है, लेकिन फिर मैं इसे क्यों छिपाऊंगा? मैंने जो किया, वह यह था इस बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन से पहले मैंने पाच साल तक व्यापक स्तर पर वजन घटाने की यात्रा की और 30 किलो वजन घटाया। मैंने इसे फिर से बढ़ा लिया। इससे मुझे यह सीखने में मदद हुई कि हमें क्या नहीं करना चाहिए। मैं रातभर जागकर एक्सपर्ट्स की किताबें पढ़ता और पॉडकास्ट देखता। मुझे लगा कि इस दुनिया में दो तरह के लोग हैं, एक जो अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य की परवाह करते हैं, और दूसरे जो नहीं करते'।

बताई डाइटिंग इंडस्ट्री की सच्चाई

डाइटिंग इंडस्ट्री को एक्सपोज करते हुए राम कपूर ने कुछ ऐसी गलतियों की ओर भी इशारा किया जो लोग करते हैं। उन्होंने कहा,'पूरी डाइटिंग इंडस्ट्री 20 बिलियन डॉलर से ज्यादा की है। यह आपको असफल बनाने के लिए बनाई गई है, नहीं तो वे अस्तित्व में कैसे रहेंगे? वे आपसे कहेंगे कि हम आपका वजन कम कर देंगे, लेकिन वे आपको यह नहीं बताते कि आपको उसके बाद अपने व्यक्तित्व में भी बदलाव करने होंगे, जिससे फिर वजन न बढ़े। आप एथलीट को कभी वजन घटाने पर फोकस करते नहीं देखेंगे, वे सिर्फ फैट परसेंट और बीएमआई पर ध्यान देते हैं।

इस दिनचर्या का करते हैं पालन

राम कपूर ने अपना शेड्यूल भी बताया। उन्होंने कहा कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और अच्छी नींद सबसे जरूरी चीजें हैं। एक्टर ने कहा, 'मैं अब दिन में दो बार खाना खाता हूं।

एक बार सुबह 10:30 बजे और फिर शाम को 6:30 बजे। बीच में 8 घंटे या उसके बाद 16 घंटे तक कुछ नहीं खाता। फिर मैं 45 मिनट कार्डियो और 45 मिनट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करता हूं। मैं इस बात का खासतौर से ध्यान रखता हूं कि लिक्विड कितना ले रहा हूं और नींद कितनी ले पा रहा हूं'।

फिर कानूनी मुसीबत में फंसी नयनतारा कॉपीराइट मसले पर 'चंद्रमुखी' के निर्माताओं ने भेजा नोटिस

लेडी सुपरस्टार नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल' जब से रिलीज हुई है, अभिनेत्री कानूनी मुसीबत में घिरी हैं। यह डॉक्यूमेंट्री बीते वर्ष नवंबर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। इसके बाद अभिनेता धनुष ने नयतनतारा को कानूनी नोटिस भेजा। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में धनुष के प्रोडक्शन की फिल्म 'नानम राउडी धान' के कुछ सेकेंड के बीटीएस फुटेज शामिल किए गए। धनुष ने बिना अनुमति फिल्म का कंटेंट इस्तेमाल करने को लेकर अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजकर 10 करोड़ रुपये की मांग की। नयनतारा ने सार्वजनिक रूप से बयान जारी कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। अब डॉक्यूमेंट्री पर एक नया विवाद सामने आया है।

'चंद्रमुखी' के निर्माताओं ने की पांच करोड़ रूपये की मांग

धनुष ने नयनतारा उनके पति व निर्देशक विग्नेश शिवन और नेटफ्लिक्स के खिलाफ मुकदमा किया था। अब नयनतारा की सुपरहिट फिल्म 'चंद्रमुखी' के निर्माताओं ने भी अभिनेत्री व नेटफ्लिक्स को नोटिस भेजा है। आरोप है कि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री में 'चंद्रमुखी' की क्लिप का इस्तेमाल किया गया है। निर्माताओं ने नयनतारा और नेटफ्लिक्स को कानूनी नोटिस भेजकर फिल्म के कंटेंट के बगैर अनुमित इस्तेमाल के लिए पांच करोड़ रुपये की मांग की है।

नयनतारा की प्रतिक्रिया का इंतजार

अपनी डॉक्यूमेंट्री की रिलीज के बाद नयनतारा के सामने लगातार कानूनी चुनौतियां आ रही हैं। धनुष के कानूनी नोटिस भेजने के बाद नयनतारा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया था कि धनुष ने कथित कॉपीराइट उल्लंघन के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग की। अब चंद्रमुखी के मेकर्स ने जब नोटिस भेजा है तो अभिनेत्री के फैंस और इंडस्ट्री को इंतजार है कि इस मसले पर नयनतारा कब चुप्पी तोड़ती हैं।

साउथ से बॉलीवुड तक नयनतारा का जलवा

नयनतारा साउथ की चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखाया है। शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया और छा गईं। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री की बात करें तो यह 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। नयनतारा के निजी जीवन की बात करें तो साल 2022 में उन्होंने विग्नेश शिवन से शादी रचाई। कपल के जुड़वा बच्चे- यूइर और उलगम हैं।

डायबिटीज से लेकर हार्ट की बीमारियों के लिए ये दो आदतें सबसे ज्यादा जिम्मेदार

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हृदय रोगों का खतरा देखा जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उम्र के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। 30 से कम आयु के लोगों में भी इसका जोखिम बढ़ता देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज और हार्ट की बीमारियों का जोखिम आनुवांशिक रूप से अधिक होता है, यानी कि जिन लोगों के माता-पिता को ये समस्या रही है उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि दिनचर्या की दो आदतें डायबिटीज से लेकर हृदय रोगों के खतरे को बढ़ा रही हैं, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। कहीं आप भी तो इन आदतों का शिकार नहीं हैं?

युवा वयस्कों में बढ़ रही हैं ये बीमारियां

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, युवा वयस्क कई कारणों से हृदय रोग-डायबिटीज का शिकार होते जा रहे हैं। धूम्रपान, अस्वास्थ्यकर आहार, नींद संबंधी विकार और शारीरिक निष्क्रियता की कमी इसका प्रमुख कारक हैं। हृदय रोग और डायबिटीज का पारिवारिक इतिहास होना भी आपमें इन गंभीर बीमारियों को बढ़ाने वाला हो सकता है। इसके अलावा अगर आपका वजन अधिक है तो ये स्थिति भी आपमें इन दोनों बीमारियों का जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती है।

हालांकि जिन दो कारकों को हार्ट और डायबिटीज रोग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जा रहा है वो हैं- सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और धूम्रपान की आदत।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का शिकार तो नहीं?

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का मतलब दिन का ज्यादातर समय बैठे-बैठे या आराम करते हुए बिताने से है। शारीरिक रूप से निष्क्रियता की इस स्थिति को सेहत के लिए कई प्रकार से गंभीर माना जाता रहा है। क्रोनिक बीमारियों के लिए इसे प्रमुख कारण माना जाता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल (लंबे समय तक बैठे रहने से) रक्त प्रवाह की समस्या प्रभावित हो जाती है। इससे एथेरोस्क्लेरोसिस होने का खतरा रहता है जिसमें धमनियां संकरी और सख्त हो जाती हैं। ये स्थिति हार्ट के लिए खतरनाक है। वहीं अधिक बैठे रहने के कारण इंसुलिन संवेदनशीलता भी प्रभावित हो जाती है, जिससे डायबिटीज हो सकता है।

आप धूम्रपान तो नहीं करते?

धूम्रपान की आदत भी आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। धूम्रपान धमनियों की परत को नुकसान पहुंचाने लगता है जिसमें कोरोनरी धमनियां भी शामिल हैं, जो हृदय को ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति करती हैं। इसके अलावा धूम्रपान से रक्त में फाइब्रिनोजेन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे रक्त का थक्का जम जाता है। इससे हृदय रोगों का खतरा रहता है।

इसी तरह अध्ययनों से पता चलता है कि धूम्रपान करने वाले लोगों में टाइप-2 डायबिटीज होने की आशंका धूम्रपान न करने वाले लोगों की तुलना में 30-40% अधिक होती है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉक्टर्स कहते हैं, भले ही आपको अभी हार्ट-डायबिटीज की कोई समस्या न हो फिर भी इसके जोखिमों को लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहना चाहिए। आहार और दिनर्या को ठीक रखकर आप इन दोनों बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। खान-पान को पौष्टिक रखें और शरीर को सक्रिय रखें। इसके अलावा नियमित रूप से सेहत की जांच कराते रहना भी इन बीमारियों से बचे रहने के लिए आवश्यक है।

हाथों-पैरों में ऐसी दिक्कत का मतलब आपमें हो गई है विटामिन बी-12 की कमी

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए हमें नियमित रूप से आहार के माध्यम से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। प्रोटीन, विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट्स शरीर को स्वस्थ रखने और अंगों को ठीक तरीके से काम करने में मदद करते हैं। जिन लोगों में इन पोषक तत्वों की कमी हो जाती है उनमें कई प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर को ठीक तरीके से काम करने के लिए विटामिन-बी12 की जरूरत होती है। सभी लोगों को अपने आहार में इस विटामिन से भरपूर चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

विटामिन-बी12 एक आवश्यक पोषक तत्व है जिसकी आपके शरीर को डीएनए संश्लेषण, ऊर्जा उत्पादन और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के कार्यों के लिए आवश्यकता होती है। कई रिपोर्ट्स से पता चलता है कि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में विटामिन बी-12 की कमी होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

विटामिन बी-12 की कमी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, चूंकि उम्र के साथ भोजन से बी12 को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है, इसलिए वृद्ध लोगों में इसकी कमी अधिक देखी जाती है। वहीं यदि आप पौष्टिक चीजों का सेवन नहीं करते हैं या आपको कुछ बीमारियां हैं तो इसके कारण भी आपमें इस पोषक तत्व की कमी हो सकती है। जिन लोगों में विटामिन बी-12 की मात्रा कम हो जाती है उन्हें अक्सर कमजोरी-थकान, त्वचा के पीला पड़ने, अक्सर सिरदर्द होने, पाचन की दिक्कत होती रह सकती है। इसके अलावा शरीर के कुछ संकेतों के आधार पर भी आप जान सकते हैं कि कहीं आपमें इसकी कमी तो नहीं है?

हाथ और पैर में जलन या चुभन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, विटामिन बी12 की कमी वाले लोगों को शरीर के कुछ हिस्सों जैसे हाथ और पैर में जलन या चुभन जैसी दिक्कतों का अनुभव होता रहता है। डॉक्टर कहते हैं, विटामिन बी12 की कमी का यह लक्षण डायबिटिक न्यूरोपैथी से संबंधित लक्षणों से मेल खाता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी, हाई शुगर के कारण तंत्रिकाओं में होने वाली समस्या है। अगर आपको भी हाथों-पैरों में इस तरह की दिक्कत का अनुभव होता रहता है तो एक बार किसी चिकित्सक से मिलकर समस्या का सही निदान जरूर करा लें।

कैसे प्राप्त करें विटामिन बी-12

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, विटामिन बी-12 के लिए इससे भरपूर चीजों के सेवन पर ध्यान देना चाहिए। सप्लीमेंट्स से पोषक तत्व प्राप्त करना ज्यादा सुरक्षित नहीं माना जाता है। आमतौर पर विटामिन बी12 की कमी उन लोगों में अधिक होती है जो शाकाहारी हैं यानी मछली-मांस और अंडे नहीं खाते हैं। हालांकि ऐसे लोग हरी पत्तेदार सब्जियों, नट्स और सीड्स से कुछ मात्रा में इस विटामिन की पूर्ति कर सकते हैं।

सर्दी-जुकाम से हैं परेशान? जानिए कैसे पाएं इससे आराम, क्या खाएं-क्या नहीं

हम सब इन दिनों भीषण ठंड और शीतलहर का प्रकोप झेल रहे हैं। कुछ दिनों से राजधानी दिल्ली में पारा 8-10 डिग्री के बीच बना हुआ है। कम होता तापमान सेहत के लिए कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण माना जाता है, विशेषतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को इन दिनों में खास सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ठंड के दिनों में सेहत को लेकर बरती गई जरा सी भी लापरवाही के कारण आपको सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वैसे तो ये स्थित बहुत आम है, हालांकि सर्दी-जुकाम आपके लिए दिक्कतें जरूर बढ़ा देती है।

डॉक्टर कहते हैं, बच्चों को सर्दी-जुकाम होने का खतरा अधिक होता है क्योंकि वह ठंड से अच्छी तरह से बचाव नहीं कर पाते हैं। वयस्कों-बुजुर्गों में भी इसका जोखिम होता है। क्या आप भी इस समस्या से परेशान हैं?

अगर हां, तो आइए जानते हैं कि इससे कैसे राहत पाई जा सकती है? सर्दी-जुकाम होने पर खान-पान कैसा रखना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए?

ठंड के कारण सर्दी-जुकाम की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दी-जुकाम होने पर हम सभी ओवर-द-काउंटर दवाएं खा लेते हैं, हालांकि हर बार इस तरह की छोटी-छोटी दिक्कतों में दवा का सहारा लेना ठीक नहीं है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे आपमें इन बीमारियों का जोखिम कम हो सके। इसके अलावा सर्दी-जुकाम होने पर आप आहार में कुछ सुधार करके भी जल्द रिकवरी पा सकते हैं।

सर्दी-जुकाम से राहत पाने के लिए क्या खाएं?

सर्दी-जुकाम आम समस्या है खासकर ठंड के मौसम में। सही खानपान से इसमें आराम पाया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्म पानी और हर्बल टी से इसमें काफी आराम पाया जा सकता है। हर्बल टी जैसे तुलसी, अदरक, शहद वाली चाय गले की खराश को कम करने और बंद नाक खोलने में मदद करती है। अदरक में एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की सूजन को कम करते हैं वहीं शहद खांसी को शांत करता है।

हल्दी वाला दूध पीना भी आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। हल्दी में एंटीबायोटिक और एंटीवायरल गुण होते हैं। इसे गर्म दूध में मिलाकर पीने से आराम मिलता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जुकाम की समस्या में गर्म तासीर वाली चीजों से आराम पाया जा सकता है।

किन चीजों से करें परहेज?

सर्दी-जुकाम की समस्या से परेशान हैं तो कुछ चीजों से परहेज किया जाना चाहिए। ठंडा और तला-भुना खाना आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक, और फ्राई चीजें खाने से गले में सूजन और खांसी बढ़ सकती है। ज्यादा चीनी और मसालेदार भोजन के कारण भी सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। इसके अलावा उन चीजों से भी बचाव करना चाहिए जिनकी तासीर ठंडी होती है। इसके कारण भी स्वास्थ्य पर असर हो सकता है।

सेहत को ठीक रखने के लिए इन बातों पर भी रखें ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी सेहत चाहते हैं तो सर्दी-जुकाम जैसी दिक्कतों से बचे रहना है तो ठंड के मौसम में दिन में कई बार गर्म पानी पिएं। जुकाम के कारण अगर नाक बंद है तो भाप लें, इससे भी आराम पाया जा सकता है। पर्याप्त नींद लें और शरीर को आराम दें। सर्दी-जुकाम होने का मुख्य कारण इम्युनिटी कमजोर होना है, इसे ठीक रखने के लिए खान-पान में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन्स से भरपूर चीजों को शामिल करें।

हाई कोलेस्ट्रॉल में दवा की जरूरत नहीं इन प्राकृतिक तरीकों से पाएं राहत

कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने या बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) हाई होने पर अक्सर दवाओं के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है। लोग हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए दवा का सेवन करते हैं लेकिन ऐसी स्थिति में आपको तुरंत दवाओं की जरूरत नहीं है। स्थिति की गंभीरता के अनुसार आप प्राकृतिक तरीके से हाई कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) को नियंत्रित करने के लिए प्राकृतिक तरीकों का पालन करना एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय हो सकता है, खासकर जब स्थिति अत्यधिक गंभीर न हो। यहां बताया गया है कि आप कैसे जान सकते हैं कि कब दवा की जरूरत है और कब प्राकृतिक उपचार पर्याप्त होगा।

लिपिड प्रोफाइल की जांच करें। इसमें तीन स्थिति होती हैं, जिसके आधार पर तय किया जा सकता है कि रोगी की दवा की जरूरत है या प्राकृतिक उपचार राहत दिलाने में सहायक है।

पहला, ट्राइग्लिसराइड्स, दूसरा गुड कोलेस्ट्रॉल और तीसरा ट्राइग्लिसराइड्स/एचडीएल का रेशियो।

ट्राइग्लिसराइड्स : 150 mg/dL से कम होना चाहिए।

गुड कोलेस्ट्रॉल): 40 mg/dL से अधिक (पुरुषों के लिए) और 50 mg/dL से अधिक (महिलाओं के लिए) होना चाहिए।

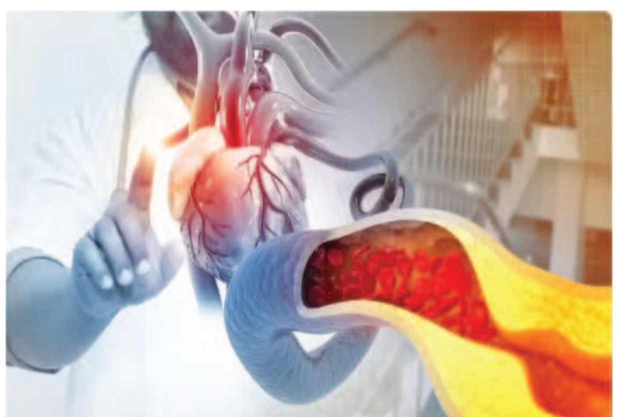

बैड कोलेस्ट्रॉलः 100 mg/dL से कम रहना चाहिए।

ट्राइग्लिसराइड्स का महत्व

यदि ट्राइग्लिसराइड्स का रेशियो 1.5 से कम है, तो आपका हृदय स्वास्थ्य अच्छी है और दवा की आवश्यकता नहीं है। हालांकि रेशियो 1.5 से अधिक होने पर डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव की जरूरत होती है।

डाइट में बदलाव

ऐसी स्थिति में ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवन बढ़ाएं। इसके लिए अखरोट, अलसी के बीज (फ्लैक्स सीड्स), चिया सीड्स, मछली (सैल्मन, मैकेरल) खाएं।

हेल्दी फैट्स की पूर्ति के लिए नारियल का तेल, देसी घी और एवोकाडो का सेवन करें।

फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ में ओट्स, जई, ब्राउन राइस, फल और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड्स:

अदरक, लहसुन, हल्दी और काली मिर्च का नियमित सेवन करें। ग्रीन टी और लेमन टी भी सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं। प्रोसेस्ड फूड और ट्रांस फैट से बचें।

शारीरिक गतिविधि:

30 मिनट का रोजाना व्यायाम करें – वॉकिंग, योग या साइक्लिंग। हफ्ते में 4-5 दिन एक्टिव रहना आवश्यक है। साथ ही अतिरिक्त वजन को घटाएं क्योंकि मोटापा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का एक बड़ा कारण है।

तनाव प्रबंधन

तनाव मुक्त रहें। इसके लिए योगाभ्यास को जीवनशैली में शामिल करें। ध्यान और प्राणायाम भी असरदार हो सकता है।

कब दवा की जरूरत होती है?

LDL यानी बैड कोलेस्ट्राल 190 mg/dL से अधिक होने पर।

हृदय रोग का इतिहास होने पर या परिवार में किसी को कोरोनरी आर्टरी डिजीज होने पर।

डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर।

अगर प्राकृतिक उपचार के 3-6 महीने बाद भी कोलेस्ट्रॉल में सुधार नहीं होता, तो डॉक्टर से परामर्श करें।

माहवारी के दौरान पेट व कमर से बहुत कष्ट होता हैं

प्रश्न : मेरी पिछले माह ही शादी हुई है। सहवास की इच्छा ही नहीं होती। संबंधों में तनाव आने लगा है । आपसे प्रार्थना है कि आप ऐसा योग बताएं जिससे मेरे घर- गृहस्थी में संबंध सामान्य हो हो।

- क ख ग, हैदराबाद

उत्तर : वास्तव में आपको कोई भी व्याधि नहीं है। मन का सेक्स क्रिया में बहुत ही महत्वपूर्ण रोल होता है। यदि आप तनाव मुक्त, प्रसन्नचित्त और बेहद शांत मन से अपनी पत्नी से बातचीत करें, उसके साथ अपनी फिलिंग्स शेयर करें, उसे हल्का गुदगुदाये- वातावरण को हल्के मधुर संगीत से सजाएं और किसी भी प्रकार के अप्रिय प्रसंग व शब्दों से बचें- तब संबंधों में अंतरंगता आने लगती है। कभी सीधे संभोग से बचें । हमेशा फोरप्ले से वातावरण बनाएं। यदि किसी भी प्रकार की शारीरिक कमजोरी हो तब ऊंझा शक्रवल्लभ रस एवं अश्वगंधा चूर्ण को गाय के दूध के साथ लेवें।

ऊंझा स्वर्ण शिला एवं और 24- हावर्स एक श्रेष्ठ वाजीकर योग है जो काम इच्छा को उत्पन्न कर काम को पूर्णता प्रदान करता है।

ऊंझा पुष्पधन्वा रस, कामेश्वरो मोदक, ऊंझा गोल्डन एक्स आदि के प्रयोग से नपुंसकता एवं शुक्र क्षीणता नष्ट होती है। ये दवाएं वृषण व पीयूष ग्रंथियां को प्रभावित कर मानसिक काम इच्छा व शारीरिक काम शक्ति को उत्पन्न करती है।शीघ्रपतन व वंध्यत्व जैसे दोष दूर कर आत्मविश्वास को जगाती है। इन सारे योगों के साथ गाय का दूध का सेवन करना उचित होता है। पूरे चिकित्सा कल में गरिष्ठ भोजन, तामसिक भोजन एवं मद्य-तंबाकू आदि से दूर रहे।

प्रश्न : डॉक्टर कहते हैं मैं डिप्रेशन से पीड़ित हूं। क्या इसका आयुर्वेद में उपचार है? कृपा कर बताएं!

- श्रीमती रंजना शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : डिप्रेशन याने अवसाद के कई कारण हो सकते हैं। किसी को बार-बार लड़की होने पर या फिर संबंध विच्छेद होने पर, अपने प्रियतम व्यक्ति की अचानक मृत्यु पर, या व्यापार आदि में अचानक घाटा होने पर, मन के हार मान जाने पर व्यक्ति अवसाद ग्रस्त हो जाता है। ऐसा व्यक्ति खालीपन, एकाकीपन से ग्रस्त हो जाता है। उसमें निराशा, कुछ भी ना कर सकने का भाव, स्फूर्ति का अभाव, उमंग व उत्साह की कमी, नींद की कमी, एकदम उचाट हो जाना अनिर्णय की स्थिति में पहुंच जाना, भूख- प्यास का अभाव, दुनिया के विषयों में बेरुखी, पाचन का गड़बड़ा जाना, गमगीन रहना, उदासी के भाव से जकड़े रहना आदि लक्षण अवसाद ग्रस्त में देखे जा सकते हैं।

आयुर्वेद में अवसाद का इलाज है। यह वात और कफ दोष के विकृत होने से होता है। जीवन शैली में परिवर्तन इसके लिए आवश्यक है। रात जल्दी सोना, सुबह जल्दी उठना, रोज हल्की कसरत करना, ध्यान करना, प्राणायाम का अभ्यास करना, अच्छे मित्रों और संबंधियों की संगति में रहना, समयोचित ताजा व संतुलित भोजन करना, हमेशा सकारात्मक रुझान वाले लोगों की संगत में रहना, यह सब इसकी चिकित्सा में सहायता करते हैं।

ब्राह्मी घृत को दूध में सुबह-शाम देवें । ऊंझा ब्राह्मी वटी,टेंसट्रीम को रात्रि में देवें। भोजन के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट व अश्वगंधारिष्ट को 10 -10 मिलीलीटर की मात्रा में, दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर देने से बहुत लाभ मिलता है। जटामांसी व तगर का प्रयोग भी लाभप्रद है। बढ़े वात दोष को ठीक करने शिरोधारा व अभ्यंग उपयोगी है। यह सारा चिकित्सा कार्य योग्य आयुर्वेदज्ञ की निगरानी में ही करवाना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। माहवारी के दौरान पेट व कमर से बहुत कष्ट पाती हूं। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है?

- सुश्री सुब्रता राव, पेद्दापल्ली

उत्तर : कई लड़कियों व स्त्रियों में गर्भाशय के अवयव में सूजन, पेट में आफरा , उदर व पैरों में भारीपन एवं हारमोंस के बदलाव के चलते मासिक धर्म के पहले और मासिक धर्म चलते समय पेट व पीठ में भयंकर दर्द होता है। इसे आसानी से दूर किया जा सकता है। गायनोसिन कैप्सूल मासिक धर्म से 7-8 दिन पहले दो-दो कैप्सूल की मात्रा में गर्म पानी से लेने पर तुरंत लाभ होता है। और अधिक व स्थाई लाभ के लिए इसे ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप या ऊंझा अशोकारिष्ट के साथ लेवे। इसके प्रयोग से अनार्तव, कष्टार्तव और रजोवरोध से संबंधित विकारों में तुरंत लाभ होता है।

खून की कमी, पीठ का दुखना, थकावट और कमजोरी दूर होकर स्त्री शरीर में नवजीवन का संचार होता है। सारी चिकित्सा योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही करवाएं।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

चीनी वायरस की एंट्री से कांपा बाजार निवेशकों को 11 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)।चीन से आए एचएमपीवी वायरस की वजह से सोमवार को शेयर बाजार में काफी गिरावट देखने को मिली। वास्तव में कर्नाटक में दो और गुजरात में एक आने से शेयर बाजार में काफी पैनिक देखने को मिला। बांबे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक डेढ़ फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। टाटा स्टील से लेकर इंफोसिस तक 30 में से 28 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को करीब 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो गया।चीनी वायरस के अलावा शेयर बाजार में गिरावट के कुछ और प्रमुख कारण भी माने जा रहे हैं। डॉलर के मुकाबले में रुपए में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दौर लगातार जारी है। एशियाई बाजारों में भी सोमवार को 1.40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। अंत में बजट और फेड पॉलिसी के साथ तिमाही नतीजों से मिलने वाले संकेतों से शेयर बाजार का मूड कुछ ऐसा ही देखने को मिल सकता है। वैसे बीते दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

शेयर बाजार में सोमवार को डेढ़ फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,258.12 अंकों की गिरावट के साथ 77,964.99 अंकों पर बंद हुआ। जबकि सेंसेक्स 79,281.65 अंकों पर ओपन हुआ था और कारोबारी सत्र के दौरान 1,441.49 अंकों की गिरावट देखने को मिली और सेंसेक्स 77,781.62 अंकों पर आ गया। वैसे सेंसेक्स में बीते दो दिनों में बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। बीते दो दिनों में सेंसेक्स में 1,978.72 अंकों की गिरावट देखने को मिल चुकी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सोमवार को निफ्टी 388.70 अंकों की गिरावट के साथ 23,616.05 अंकों पर बंद हुआ। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी 452.85 अंकों की गिरावट के साथ 23,551.90 अंकों के लोअर लेवल पर भी पहुंच गया। वैसे निफ्टी में बीते दो दिनों में 572.6 अंकों की गिरावट देखी जा चुकी है।

किन शेयरों में देखी गई तेजी और गिरावट

इस बड़ी गिरावट के बीच कुछ शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। आंकड़ों के अनुसार अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में 1.94 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। वहीं टाटा कंज्यूमर के शेयर में 1.12 फीसदी और टाइटन के शेयर में 0.72 फीसदी की तेजी देखने को मिली।

एचसीएल टेक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में मामूली इजाफा देखने को मिला। वहीं दूसरी ओर गिरावट वाले शेयरों की बात करें तो एनएसई पर टाटा स्टील के शेयर में सबसे ज्यादा 4.60 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। ट्रेंट के शेयर 4.35 फीसदी डूबकर बंद हुए। बीपीसीएल और एनटीपीसी के शेयर 3.60 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर 3.61 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

निवेशकों को मोटा नुकसान

अगर बात शेयर बाजार निवेशकों की करें तो उन्हें सोमवार को करीब 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को बीएसई का मार्केट कैप 4,49,78,130.12 करोड़ रुपए था। जो सोमवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद 4,38,79,406.58 करोड़ रुपए पर आ गया। इसका मतलब है कि शेयर बाजार निवेशकों को पूरे दिन 10,98,723.54 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया।

चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग अनिवार्य करने पर विचार कर रही सरकार, बीआईएस को मिला यह काम

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। खाद्य व उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए चांदी और चांदी से बनी कलाकृतियों के लिए अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार करने को कहा। जोशी ने 78वें बीआईएस स्थापना दिवस समारोह में कहा, उपभोक्ताओं की ओर से चांदी की अनिवार्य हॉलमार्किंग की मांग की जा रही है। आप (बीआईएस) इस पर विचार-विमर्श कर निर्णय ले सकते हैं। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं को बताया कि इस दिशा में काम शुरू हो चुका है और सरकार हितधारकों के साथ विचार-विमर्श और बीआईएस की ओर से व्यवहार्यता आकलन पूरा होने के बाद निर्णय लेगी।उन्होंने कहा, मैंने बीआईएस से व्यवहार्यता पर काम करने और उपभोक्ताओं व आभूषण डीलरों से प्रतिक्रिया लेने को कहा है।

हम सभी हितधारकों से परामर्श करेंगे और प्रक्रिया शुरू करेंगे। चांदी की हॉलमार्किंग, जो सफेद धातु की शुद्धता को प्रमाणित करती है, वर्तमान में स्वैच्छिक है। बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी के अनुसार ब्यूरो तीन से छह महीने के भीतर अनिवार्य चांदी हॉलमार्किंग लागू करने के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि हितधारकों के साथ विचार-विमर्श चल रहा है। तिवारी ने कहा, हितधारकों के साथ कई दौर की चर्चा हुई और वे इसके पक्ष में हैं। एक अद्वितीय छह अंकों वाला अल्फान्यूमेरिक कोड छापने पर चर्चा चल रही है। यह कदम जून 2021 में शुरू की गई सोने की अनिवार्य हॉलमार्किंग के सफल कार्यान्वयन के बाद उठाया गया है, यह अब 361 जिलों में लागू है। मौजूदा प्रणाली में सोने की शुद्धता को प्रमाणित करने के लिए एक अद्वितीय छह-अंकीय अल्फान्यूमेरिक कोड का इस्तेमाल किया जाता है। मंत्री के अनुसार, अब खरीदे जा रहे आभूषणों में से लगभग 90 प्रतिशत हॉलमार्क वाले हैं। लॉन्च के बाद से अब तक 44.28 करोड़ से अधिक स्वर्ण आभूषणों को विशिष्ट पहचान के साथ हॉलमार्क किया जा चुका है। मंत्री ने कहा कि गुजरात, कर्नाटक और अन्य राज्यों के हितधारकों ने चांदी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य करने का अनुरोध किया है। 1986 में बीआईएस अधिनियम के तहत स्थापित बीआईएस एक स्वायत्त राष्ट्रीय निकाय है जो उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है। आगामी फोकस क्षेत्रों को सूचीबद्ध करते हुए, मंत्री ने कहा कि बीआईएस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए भी मानक विकसित कर रहा है और नवाचार व प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में सबसे आगे है।

अनिल अंबानी को एक दिन में डबल नुकसान

कर्ज मुक्त हुई कंपनियों के शेयर में लग गया लोअर सर्किट

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सोमवार का दिन अनिल अंबानी के लिए काफी निराशाजनक रहा। इनकी दो प्रमुख कंपनियों के शेयर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। इनमें रिलायंस पावर लिमिटेड और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड शामिल हैं। इनमें रिलायंस पावर पूरी तरह से कर्ज मुक्त हो गई है। वहीं रिलायंस इंफ्रा ने भी अपना कर्ज काफी हद तक चुका दिया है। सोमवार को शेयर मार्केट में भी भारी गिरावट आई।

कितनी आई रिलायंस पावर में गिरावट?

सोमवार को रिलायंस पावर का शेयर 45.80 रुपये पर खुला था। कुछ देर बाद यह चढ़कर 46.10 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसमें गिरावट आनी शुरू हो गई। करीब एक बजे इसमें 5 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। दोपहर 3 बजे यह शेयर 43.51 रुपये पर था। इस गिरावट के साथ कंपनी के मार्केट कैप में भी गिरावट आई है। अनिल अंबानी की इस कंपनी का मार्केट कैप 17.47 हजार करोड़ रुपये रह गया है।

कैसा रहा है एक साल का रिटर्न?

बात एक इस कंपनी के एक साल के रिटर्न करें तो यह करीब 36 फीसदी रहा है। हालांकि पिछले 6 महीने में इसका रिटर्न काफी अच्छा रहा है। 6 महीने में रिलायंस पावर ने निवेशकों को करीब 53 फीसदी रिटर्न दिया है। इस दौरान यह 52 हफ्ते के अपने उच्चतम शिखर 53.64 रुपये पर भी पहुंच गया था।

रिलायंस इंफ्रा का शेयर कितना गिरा?

अनिल अंबानी की दूसरी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर में भी सोमवार को गिरावट आई। यह शेयर सुबह 320.20 रुपये पर खुला था। खुलने के साथ ही इसमें गिरावट आनी शुरू हो गई। करीब एक बजे इसमें 5 फीसदी का लोअर सर्किट लग गया। दोपहर 3 बजे यह शेयर 303.25 रुपये पर था। इस गिरावट के साथ कंपनी के मार्केट कैप में भी गिरावट आई है। इस कंपनी का मार्केट कैप 12 हजार करोड़ रुपये रह गया।

कितना दिया है एक साल में रिटर्न?

अनिल अंबानी की इस शेयर ने एक साल में करीब 26 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 6 महीने में इसका रिटर्न एक साल के रिटर्न के मुकाबले अच्छा रहा है। 6 महीने में इसने करीब 52 फीसदी रिटर्न दिया है। इस दौरान यह भी 52 हफ्ते के अपने उच्चतम शिखर 351 रुपये पर पहुंच गया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-51 सूर्यास्त. -17-53
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	05-15 बजे
चंद्र-	मीन	मे	मकर...	07-21 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-11 बजे
बुध-	धनु	मे	मीन-	10-49 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-25 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	14-10 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	16-11 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-23 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-35 बजे
			कन्या---	22-42 बजे
			तुला----	00-48 बजे
			वृश्चिक...	02-57 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी . 16-27 तक उपरान्त नवमीं
मास - पौष शुक्ल , मंगलवार 07 January
नक्षत्र - रेवती 17-49 तक उपरान्त अश्विनी
योग - शिव 23-15 तक उप सिद्ध
करण- बव 16-27 तक उप बालव
विशेष:- व्रत -त्योहार - सर्वार्थ अमर्त सिद्धि योग

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:09 से 16:32 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:51 - 08:13	अशुभ	काल.	17:53 - 19:32	अशुभ
उत्पात	08:13 - 09:36	अशुभ	लाभ	19:32 - 21:09	शुभ
चंचल	09:36 - 10:59	शुभ	उत्पात	21:09 - 22:46	अशुभ
लाभ	10:59 - 12:23	शुभ	शुभ	22:46 - 00:23	शुभ
अमृत	12:23 - 13:46	शुभ	अमृत	00:23 - 01:59	शुभ
काल	13:46 - 15:09	अशुभ	चंचल	01:59 - 03:36	शुभ
शुभ	15:09 - 16:32	शुभ	रोग	03:36 - 05:13	अशुभ
रोग..	16:32 - 17:53	अशुभ	काल	05:13 - 06:51	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
दैनिक राशिफल ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें । आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें ।तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

महंगाई ने मचाया बवाल, वेज और नॉज वेज थाली कीमतों में आया उबाल

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। दिसंबर के महीने में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों ने वेज और नॉन वेज थाली की कीमतों में सालाना आधार पर क्रमशः 6 और 12 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। खास बात तो ये है कि जहां दिसंबर में टमाटर की कीमतों में सालाना आधार पर 24 फीसदी का इजाफा देखने को मिला था। वहीं आलू की कीमतों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली। वहीं मांसाहारी थाली को देखें तो ब्रॉयलर की कीमतों में 20 फीसदी काा इजाफा देखने को मिला। अगर बात महीने दर महीने की करें तो वेज थाली की कीमतों में नवंबर के मुकाबले में 3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। जबकि नॉन वेज थाली की कीमतों में 3 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर क्रिसिल की ओर से किस तरह की रिपोर्ट सामने आई है।

वेज और नॉन वेज थाली हुई महंगी

क्रिसिल लिमिटेड की रिपोर्ट के अनुसार सब्जियों की कीमतों में तेजी के कारण घर में बनी शाकाहारी थाली की कीमत दिसंबर में सालाना आधार पर 6 फीसदी बढ़कर 31.60 रुपए हो गई, जो एक साल पहले 29.70 रुपए थी। आलू और टमाटर जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों की कीमत में तेज वृद्धि – जो शाकाहारी थाली की लागत का 24 फीसदी है – ने इस वृद्धि को बढ़ावा दिया। इस बीच, मांसाहारी थाली की कीमत साल-दर-साल 12 फीसदी का इजाफा देखने को मिला और ये बढ़कर 63.30 रुपए हो गई, जो एक साल पहले 56.40 रुपए थी।दिसंबर में टमाटर की कीमतें साल-दर-साल 24 फीसदी बढ़कर 38 रुपए से 47 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि आलू की कीमतें 50 फीसदी बढ़कर 36 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि एक साल पहले यह 24 रुपए थी। आलू की कीमतों में भारी वृद्धि का कारण पंजाब, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख राज्यों में लेट ब्लाइट वायरस के कारण खराब पैदावार के कारण उत्पादन में अनुमानित 6 फीसदी की गिरावट है।वहीं हाई इंपोर्ट ड्यूटी और त्योहारी और शादी के मौसम के दौरान बढ़ी मौसमी मांग के कारण वनस्पति तेल की कीमतें भी साल-दर-साल 16 फीसदी बढ़ीं। मांसाहारी थाली की लागत में वृद्धि ब्रॉयलर चिकन की कीमत में साल-दर-साल अनुमानित 20 फीसदी की वृद्धि के कारण हुई, जो कुल लागत का 50 फीसदी है। क्रिसिल ने कहा कि ब्रॉयलर की कीमतों में तेज उछाल पिछले साल के लोअर बेस के कारण है, जब उत्पादन अधिक था।

नवंबर के मुकाबले में कम हुए दाम

हालांकि, शाकाहारी भोजन के लिए मासिक आधार पर कुछ राहत देखने को मिली। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से ताजा सप्लाई आने के कारण टमाटर की कीमतों में 12 फीसदी की गिरावट के कारण शाकाहारी थाली की कीमत दिसंबर में 3 फीसदी गिरकर 31.60 रुपए देखनेको मिली, जो नवंबर में 32.70 रुपए थी। आलू की कीमतों में 2 फीसदी और प्याज की कीमतों में 12 फीसदी की गिरावट ने भी महीने-दर-महीने कमी में योगदान दिया।मांसाहारी थाली की कीमतें महीने दर महीने 3 फीसदी बढ़ीं, नवंबर में 61.50 रुपए से बढ़कर दिसंबर में 63.30 रुपए हो गईं। क्रिसिल ने कहा कि यह ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में 11 फीसदी की वृद्धि के कारण हुआ, जो उत्तरी भारत में शीत लहर के बीच उत्पादन में कमी, त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग और बढ़ी हुई फ़ीड कॉस्ट के कारण और बढ़ गई।

फ्यूल की कीमतों में अच्छी गिरावट

फ्यूल की कीमतों में जबरदस्त राहत देखने को मिली है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की कीमत साल-दर-साल 11 फीसदी गिरकर दिसंबर में 803 रुपए हो गई, जो एक साल पहले 903 रुपए थी। सीपीआई पर आधारित खुदरा महंगाई अक्टूबर में 14 महीने के उच्चतम 6.21 फीसदी से घटकर नवंबर में तीन महीने के निचले स्तर 5.48 फीसदी पर आ गई। थाली की बढ़ती कीमतें घरेलू खर्च पर खाद्य महंगाई के प्रत्यक्ष प्रभाव को दर्शाती हैं, भोजन तैयार करने की औसत लागत उपभोक्ता संकट के एक महत्वपूर्ण बैरोमीटर के रूप में काम करती है।

चीन से पंगा पड़ेगा महंगा! क्या टैरिफ से यू-टर्न मारेंगे डोनाल्ड ट्रंप? दोस्तों को नहीं करेंगे नाराज

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने शपथ लेने जा रहे हैं। चुनाव जीतने के बाद वह एक मीटिंग में इस बात पर मुहर लगा चुके हैं कि राष्ट्रपति पद संभालने के बाद चीन समेत कुछ देशों पर टैरिफ लगाएंगे। सबसे ज्यादा चर्चा चीन की है, क्योंकि चीनी कंपनियों के प्रोडक्ट अमेरिका में भरे पड़े हैं। हालांकि ट्रंप पद संभालने के बाद चीन पर टैरिफ लगाने के अपने प्लान से यू-टर्न भी ले सकते हैं। टैरिफ एक तरह से टैक्स होता है। यानी चीन से जो सामान अमेरिका आएगा, ट्रंप सरकार उस चीनी कंपनी से ज्यादा टैक्स लेगी। इसका असर होगा कि चीनी कंपनी नुकसान की भरपाई के लिए वह सामान अमेरिका में महंगी कीमत पर बेचेगी। इससे चीनी कंपनियों की अमेरिका में बिक्री प्रभावित हो सकती है। ट्रंप चीन पर टैरिफ लगाने की बात इसलिए कह रहे हैं ताकि स्थानीय कंपनियों को बढ़ावा मिले। लेकिन चीन पर टैरिफ लगाने से उनके कुछ खास कारोबारी दोस्तों को नाराजगी हो सकती है। इनमें सबसे करीब एलन मस्क और फिल रफिन हैं। एलन मस्क कार निर्माता कंपनी टेस्ला के मालिक हैं। ट्रंप के जीतने के बाद टेस्ला के शेयरों में काफी तेजी आई है। इसके साथ ही मस्क की दौलत भी काफी तेजी से बढ़ी है। वह 400 बिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। एलन मस्क ने ट्रंप को चुनाव जिताने में काफी मेहनत की है। उन्होंने न केवल ट्रंप के लिए प्रचार किया, बल्कि आर्थिक मदद भी की। हालांकि इसका इनाम भी उन्हें मिला है। मस्क को ट्रंप ने अमेरिकी प्रशासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। हाल ही में मस्क की कंपनी टेस्ला ने कार बिक्री में चीन में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दुनियाभर में जहां टेस्ला की कारों की बिक्री में गिरावट आई तो वहीं चीन में इसमें उछाल आया है। दिसंबर 2024 में टेस्ला कारों की बिक्री एक महीने पहले की तुलना में 12.8 फीसदी बढ़कर 83000 यूनिट पहुंच गई जो एक रेकॉर्ड है। वहीं साल 2024 में टेस्ला ने चीन ग्राहकों को 36.7 फीसदी कारें डिलीवर कीं। ऐसे में टेस्ला के लिए चीन अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा मार्केट बन गया है। 89 साल के रफिन अमेरिकी कारोबारी हैं। वह लास वेगास में ट्रेजर आइलैंड होटल एंड कैसीनो और सर्कस सर्कस होटल एंड कैसीनो के मालिक हैं। इसके अलावा इनका कारोबार ग्रेहाउंड रेसिंग ट्रैक, ऑयल प्रोडक्शन, रियल एस्टेट आदि में भी फैला हुआ है।

गोल्ड 556 रुपए सस्ता 76,948 प्रति 10 ग्राम : चांदी के दाम में 553 की गिरावट, 87,568 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार (6 जनवरी) को गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 556 रुपए घटकर 76,948 रुपए पर आ गया है। शुक्रवार को इसके दाम 77,504 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 553 रुपए घटकर 87,568 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 88,121 रुपए प्रति किलो थी। पिछले साल सोना 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को अपने ऑल टाइम हाई 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।2025 में सोने की कीमत में 365 रुपए की तेजी आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 365 रुपए बढ़ चुके हैं। वहीं, चांदी की कीमत 1,513 रुपए बढ़ चुकी है। 1 जनवरी को सोना 76,583 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 76,948 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 86,055 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 87,568 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

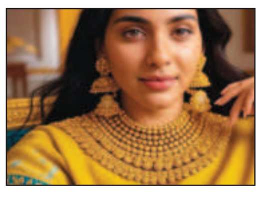

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,860 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपए है।

हैदराबाद : की दर 24 कैरट के लिए रुपए 78710 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 72150/10 ग्राम।

चीन के इतिहास में पहली बार जापान से पिछड़ गया ड्रैगन, नए साल आने वाली है मंदी?

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। साल बदल गया लेकिन चीन के हालात नहीं बदले। उसकी इकॉनमी को लेकर हर दिन डराने वाली खबर आ रही है। देश अभी कोरोना के प्रभाव से निकला भी नहीं है और एक नए वायरस ने तहलका मचा दिया है। इस बीच चीन में 30 साल की मैच्योरिटी वाले बॉन्ड की यील्ड इतिहास में पहली बार जापान के इसी अवधि वाले बॉन्ड से नीचे चली गई है। चीन में पिछली छह तिमाहियों में डिफ्लेशन की स्थिति है। जापान कई दशक बाद डिफ्लेशन की स्थिति से बाहर निकला है और अब चीन भी उसी गर्त में जा रहा है। पिछले चार साल में चीन के बॉन्ड यील्ड में 215 बेसिस पॉइंट की गिरावट आई है। इस दौरान जापान की बॉन्ड यील्ड में 160 बेसिस पॉइंट की तेजी आई है। जापान की इकॉनमी एक समय बहुत तेजी से बढ़ रही थी लेकिन 1990 के दशक की शुरुआत में वह ऐसे गर्त में फंसी कि उसे बाहर निकलने में कई दशक लग गए। 25 साल तक देश डिफ्लेशन में रहा। चीन भी छह तिमाहियों से डिफ्लेशन में फंसा है और फिलहाल उसके इससे बाहर निकलने की उम्मीद नहीं है। वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में गिरावट को डिफ्लेशन कहते हैं। यह इनफ्लेशन से उल्टी स्थिति है। चीन की इस स्थिति के लिए काफी हद तक रियल एस्टेट का संकट जिम्मेदार है। देश में 2021 में इसकी शुरुआत हुई थी और तबसे 18 ट्रिलियन डॉलर की वेल्थ स्वाहा हो चुकी है। माना जा रहा है कि यह संकट चीन की बाकी इकॉनमी को भी अपनी चपेट में ले सकता है। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट सेक्टर की एक तिहाई हिस्सेदारी है। देश में करोड़ों फ्लैट खाली पड़े हैं।

छत्तीसगढ़ पत्रकार मौत केस-पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर 15 निशान

लिवर के 4 टुकड़े, गर्दन टूटी और हार्ट फटा मिला, आरोपी ठेकेदार हैदराबाद से गिरफ्तार

जगदलपुर/बीजापुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड सुरेश चंद्राकर गिरफ्तार हो गया है। चंद्राकर को स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) ने 5 जनवरी की देर रात हैदराबाद से गिरफ्तार किया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

आरोपी सुरेश, पत्रकार मुकेश चंद्राकर का चचेरा भाई है। मामले में सुरेश के 3 सगे भाइयों समेत 4 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। मुकेश की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर चोट के 15 निशान मिले थे। कितनी बुरी तरह हत्या की गई, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि लिवर के 4 टुकड़े मिले, गर्दन टूट गई और हार्ट फट गया था। 5 पसलियां भी टूटी हुई थीं। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक दो या दो से अधिक लोगों ने मुकेश की हत्या की है। मुकेश के शरीर पर इतना तेज वार किया गया है कि शरीर के कई अंग जख्मी हो गए। मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर ने बताया कि उन्होंने 12 सालों में कभी ऐसा केस नहीं देखा।

सुरेश चंद्राकर पेशे से ठेकेदार है और राजनीति से भी जुड़ा हुआ है। आरोप है कि मुकेश चंद्राकर ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार की खबर बनाई थी। इसी बात से नाराज सुरेश ने मुकेश की हत्या करवाई। सुरेश ने बीजापुर में अपने बैडमिंटन कोर्ट परिसर में खाने के बहाने बुलाकर अपने भाई और सुपरवाइजर के हाथों मुकेश की हत्या करवा दी थी। सुरेश चंद्राकर को पुलिस लगातार ट्रेस कर रही थी। जानकारी मिली कि वह हैदराबाद की तरफ भागा है। हैदराबाद से कुछ ही दूर पहले एक गाड़ी को पुलिस ने रोका, जिसमें सुरेश चंद्राकर की पत्नी और ड्राइवर मौजूद थे। सुरेश इस गाड़ी को छोड़कर भाग चुका था। पत्नी से पूछताछ करते हुए पुलिस को सुराग मिला, जिसके बाद सुरेश को भी पकड़ लिया गया। हत्याकांड के बाद बनाई गई एसआईटी के अधिकारियों को बदला जा सकता है। इन्वेस्टिगेशन टीम में पहले से ही बीजापुर में पदस्थ कुछ अधिकारियों को शामिल किया गया है।

पत्रकारों ने इस पर आपत्ति जताई थी। पुलिस हेडक्वार्टर से अन्य अधिकारियों से मामले की जांच कराने की मांग की गई थी, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। गृह मंत्री विजय शर्मा के मुताबिक, मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद इस पर जल्द फैसला लिया जाएगा। जब इस मामले की पड़ताल की तो पता चला कि सुरेश चंद्राकर ने मुकेश की हत्या की साजिश बीजापुर स्थित अपने घर में बैठकर की थी। तय हुआ कि छोटा भाई रितेश, सुरेश को बुलाएगा और सुपरवाइजर महेंद्र रामटेके के साथ मिलकर उसे मार देगा। साजिशकर्ताओं को पता था कि रितेश के बुलाने पर ही मुकेश आ सकता है। साजिश में ये भी था कि हत्या के दिन सुरेश और दिनेश जगदलपुर में रहेंगे। हत्या के बाद रितेश रायपुर और सुरेश हैदराबाद चला जाएगा। वहीं, दिनेश और मैनेजर महेंद्र रामटेके दोनों मिलकर शव को ठिकाने लगाएंगे। आरोपियों ने घटना को इसी तरह अंजाम दिया। पत्रकारों की सक्रियता के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सुरेश ने बैडमिंटन कोर्ट परिसर में मौजूद कमरों को स्टोर रूम बनाकर रखा था। आस-पास सैकड़ों घर भी हैं। ये इलाका मुकेश चंद्राकर के घर से करीब 2 किलोमीटर दूर स्थित है। इसकी वजह सुरेश और उसके गुर्गों का डर था। इलाके के लोग भी इस हत्याकांड से सहमे हुए हैं। हालांकि, ऑफ कैमरा लोगों ने बताया कि ये सिर्फ नाम का बैडमिंटन कोर्ट था। यहां तीनों भाई अय्याशी किया करते थे। अंदर किसी को घुसने नहीं दिया जाता था। यहां वही जाता था, जिन्हें सुरेश, दिनेश या फिर रितेश लेकर आते थे।

रिटायर्ड आईएएस और भाजपा नेता गणेश शंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड के मास्टरमाइंड सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार कर एसआईटी ने सराहनीय कार्य किया है। यह कदम न्याय और कानून व्यवस्था को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता है।

नक्सलियों ने पर्चे फेंककर मुकेश चंद्राकर मर्डर केस की निंदा की है। उन्होंने सरकार को भी घेरा है। पर्चे में लिखा है कि सरकार के लोग अपने करीबियों और भ्रष्टाचारी ठेकेदारों को काम देकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। इनका भ्रष्टाचार उजागर करने पर मुकेश की हत्या कर दी गई।

पत्रकार हत्याकांड के आरोपियों की भूमिका

1.सुरेश चंद्राकर- (मास्टरमाइंड)

मुकेश को मारने की साजिश रची। पुरानी दुश्मनी थी। करोड़ों का नुकसान होने वाला था। घोटाले से राज खुलने वाला था।

2. रितेश चंद्राकर

मुकेश का दोस्त था। साथ में घूमते थे। साथ में ही रहते थे। दोस्ती का फायदा उठाया। घर बुलाकर मार डाला।

3. दिनेश चंद्राकर

मर्डर के बाद घटना स्थल पर आया। लाश को ठिकाने लगाया। सैप्टिक टैंक में डलवाया। ढलाई कराकर भागा।

4. महेंद्र रामटेके

सुरेश चंद्राकर की कंपनी में सुपरवाइजर था। रितेश के साथ मिलकर मारा। लाश ठिकाने लगाया। सैप्टिक टैंक के ऊपर ढलाई कराई।

सांसद भोजराज नाग पर आईं देवी, झूमने लगे

खंभे को गले लगाया, ढाई चक्कर परिक्रमा की, बोले- ये आदिवासी परंपरा

कांकेर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर रियासतकालीन मेले में बीजेपी सांसद भोजराज नाग शामिल हुए। इस दौरान उनके शरीर में देवी विराजमान हो गईं। सांसद भोजराज नाग ने बताया कि बस्तर अंचल में मेला में क्षेत्र के देवी देवता शामिल होते हैं और मेला की शुरुआत करते हैं। उसी परंपरा के तहत कांकेर मेले में पहुंचा और मुझ पर देवी सवार हो गई।

सांसद नाग देवी-देवताओं के साथ कांकेर के राजमहल से मेलाभाठा मैदान पहुंचे थे। यहां एक खंभे को गले लगाने के बाद ढाई चक्कर परिक्रमा की जाती है और रियासतकालीन मेले की शुरुआत होती है। इस मेले में देवी-देवताओं को फूल पहनाने और उनकी सेवा करने की परंपरा है। राजकुमार के पूजा और निर्देश पर मेले की शुरुआत हुई है।

राजकुमार आदित्य प्रताप देव ने कहा कि, हर साल की तरह कांकेर में रियासतकालीन मेले के दौरान सभी देवी देवता राजमहल पहुंचे, जिनका स्वागत कर मेला स्थल के लिए रवाना किया गया। मेला स्थल पर देवी-देवताओं की विनती कर क्षेत्र में सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की गई। कांकेर मेले में हर साल विदेश से भी सैलानी पहुंचते हैं। उनके रुकने के लिए राजमहल के कॉटेज में व्यवस्था की जाती है। कांकेर मेले में इस साल भी विदेशी पर्यटक पहुंचे हैं। बस्तर की परम्परा और उनके त्योहार को देख पर्यटक झूम उठे।

इस मेले की शुरुआत कांकेर रियासत में साल 1853 से 1903 तक रियासत करने वाले राजा नरहरदेव ने अपने शासनकाल में की थी। तब से टिकरापारा मैदान को मेलाभाठा कहा जाता है। आज भी राजपरिवार साल के पहले रविवार को वार्षिक मेला आयोजित करता है। इस दौरान फसलों की कटाई हो चुकी होती है। फसलों की बिक्री करने से किसानों के पास पैसे भी होते हैं, जिससे वे मेला में खरीदारी करते हैं। इस मेले में कांकेर शहर के साथ शीतला माता और सैकड़ों देवी देवता शामिल होते हैं। कांकेर शहर के भंडारीपारा, शीतलापारा, माहुरबंदपारा, टिकरापारा, अन्नपूर्णापारा मोखला मांझी का ध्वज और आंगादेव लेकर राजमहल पहुंचते हैं।

कांकेर लोकसभा से बीजेपी सांसद भोजराज नाग का बीते दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था। नाग ने फोन पर ठेकेदार को गाली देते हुए कहा कि मैं तेरा बाप बोल रहा हूं। इस पर सांसद ने कहा कि मुझे गाली दी, इसलिए मैंने भी गालियां दी। इसे लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सांसद को घेरा था। उन्होंने कहा कि ये कांकेर के सांसद महोदय भोजराज नाग हैं। उन्हें कोई व्यक्ति फोन पर गाली दे रहा है।

सराफा कारोबारी की घर में घुसकर हत्या

धारदार हथियार से सिर पर किया वार, फिर कार लूटकर फरार हो गए नकाबपोश

कोरबा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सराफा कारोबारी गोपाल राय सोनी की घर में घुसकर धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। फिर बदमाश उनकी क्रेटा कार लूटकर भाग गए। वारदात की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र की है। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने गोपाल राय सोनी की हत्या पर दुख जताया है।

जानकारी के मुताबिक, नया ट्रांसपोर्ट नगर के लालू राम कॉलोनी में अमृता ज्वेलर्स के संचालक गोपाल राय सोनी का घर है। रात करीब 9 बजे घर पर दो नाकाबपोश बदमाश घुस आए। उन्होंने किसी धारदार हथियार से कारोबारी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे वो लहूलुहान होकर गिर गए। घटना के दौरान बीमार पत्नी घर पर ही थी। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में कारोबारी को अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में सराफा व्यवसायी और परिजन अस्पताल पहुंच गए।वहीं, अस्पताल की ओर से सिविल लाइन पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी अपनी टीम के साथ घटनास्थल लालूराम कॉलोनी पहुंचे। देर रात तक शहर के अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों में नाकेबंदी की गई। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए कॉलोनी और चौक चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। एसपी सिद्धार्थ तिवारी का कहना है कि, बदमाश हत्या के बाद केवल कार ले गए, लेकिन घर पर किसी भी सामान को हाथ नहीं लगाया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल, सभी पहलुओं पर जांच जारी है।

बता दें कि, 1990 में गोपाल राय सोनी के ही परिवार में जीजा और भतीजे की हत्या हुई थी। इस घटना को अंजाम देने के बाद सीसीटीवी फुटेज का डीवीआर भी आरोपी ले भागे थे। करीब 20 मिनट में आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने कहा कि, जिस तरह से घर घुसकर एक प्रतिष्ठित सराफा कारोबारी की हत्या की गई है, यह निंदनीय है। हालांकि, हत्यारों ने कोई लूट और डकैती नहीं की है। केवल सूटकेस में रखे जमीन के दस्तावेज लेकर गए हैं। इसके विरोध में कोरबा के सराफा व्यापारियों ने अपनी दुकाने बंद रखी है। पूरे मामले में एसपी और आईजी से बात हुई है।

12 जिले में घने कोहरे का यलो अलर्ट

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां)। रांची सहित झारखंड पर एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ का असर दिख रहा है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से रांची सहित राज्य के अधिकतर जिलों का पारा चढ़ गया है। न्यूनतम तापमान में 1.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पारा चढ़ने से ठंड से हल्की राहत मिली है। बर्फीली हवाओं की रफ्तार भी कम हुई है।

पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 24.6 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 9.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हालांकि, रांची का कांके राज्य में अब भी सबसे ठंडा क्षेत्र रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आज से आसमान में बादल छाया रहेगा। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इस वजह से सर्दी कुछ कम सताएगी। राजधानी का न्यूनतम तापमान सोमवार से फिर दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। 7 से 11 जनवरी तक न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इस दौरान सुबह में धुंध और कोहरा रह सकता है। इसके बाद आसमान साफ रहेगा।

इधर, मौसम विभाग ने पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, देवघर, धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा क्षेत्र में घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान सड़क पर वाहन चलाने में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। 7 जनवरी को आसमान साफ होते ही एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलेगा। 10 जनवरी तक रांची सहित अन्य जिलों का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री से नीचे जा सकता है।

450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा

वित्त मंत्री बोले- यह आई .एन .डी .आई .ए का नहीं कांग्रेस का वादा, बीजेपी ने बताया सत्ता के लिए किया गया प्रपंच

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान जेएमएम की अगुआई वाले इंडिया ब्लॉक ने 7 गारंटियों का ऐलान किया था। इसमें महिलाओं को हर माह 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था। अब सरकार इस वायदे को पूरा करने को लेकर अलग बयान दे रही है। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गैस सिलेंडर देने का फैसला इंडिया गठबंधन के प्लेटफॉर्म पर होगा। उन्होंने कहा कि 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा इंडिया गठबंधन की एक राजनीतिक पार्टी ने कही थी। यह घोषणा कांग्रेस ने की थी। मैं भी इसी पार्टी में हूं। हालांकि हर राजनीति दल को इस बात की स्वतंत्रता है कि वे अपनी योजनाओं को रखें। लेकिन इंडिया गठबंधन के प्लेटफॉर्म पर भी इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

वित्त मंत्री के इस बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने X अकाउंट पर लिखा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे केवल सत्ता हासिल करने का साधन बनकर रह जाएं, तो यह न केवल जनादेश का अपमान है बल्कि जनता के भरोसे के साथ छल भी। जब इंडिया गठबंधन ने 450 रुपए में गैस सिलेंडर और 3200 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था, तब जनता ने इसे अपने भविष्य की उम्मीद के तौर पर देखा था। अब जब सरकार से इन वादों को पूरा करने की मांग की जा रही है, तो मुख्यमंत्री से लेकर सभी मंत्री गण बहाने गढ़ने में व्यस्त हैं। हेमंत सरकार का रवैया यह केवल जनादेश का अपमान नहीं है, बल्कि नव निर्वाचित विधायकों को भी उपहास का पात्र बना रहा है। जनता समझ चुकी है कि 5 लाख सालाना नौकरी के जुमले की तरह 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा भी केवल सत्ता प्राप्ति के लिए एक प्रपंच था। विपक्ष राज्य सरकार को विधवा पेंशन और धान एमएसपी को लेकर घेर रही है। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि विधवा माताओं बहनों की स्थिति आज बेहद दयनीय और चिंताजनक हो गई है, क्योंकि इस सरकार में उन्हें भारी संकट और उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। विधवा पेंशन, जो उनके जीवन का एकमात्र सहारा थी, पिछले 5-6 महीनों से बंद है। महिलाओं का कहना है कि सरकार ने विधवा पेंशन फंड का पैसा मंईया सम्मान योजना के लिए ट्रांसफर कर दिया है, जिससे उनकी पेंशन रुक गई है। विधवा पेंशन, हमारी माताओं बहनों के लिए सिर्फ एक राशि नहीं, बल्कि एक ऐसा सहारा थी जो उन्हें सम्मान और आत्मनिर्भरता प्रदान करती थी। पेंशन के बंद होने से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में समस्याएं बढ़ गई हैं।

कई महिलाएं भोजन, दवाइयों और अन्य जरूरतों के लिए संघर्ष कर रही हैं, लेकिन इसके बाद भी हेमंत सरकार उनकी मजबूरी और दर्द को नजरअंदाज करके उनकी स्थिति का मजाक बना रही है।

युवती के सिर पर धारदार हथियार से वार

कोडरमा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत भादोडीह में एक लड़की पर जानलेवा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। घायल की पहचान रूमी खातून (19) पिता श्मसुद्दीन खान के रूप में कई गई है। घटना को लेकर घायल के पिता ने तिलैया थाना में आवेदन दिया है। श्मसुद्दीन खान ने बताया कि उनके दामाद साहेब खान रविवार की रात करीब 10 बजे बाजार से घर जा रहे थे। भादोडीह उर्दू विद्यालय के पास अरमान मलिक, फिरोज खान, इरफान अंसारी, मिस्टर खान व अन्य लड़कों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और मारपीट शुरू कर दी। इसकी सूचना पाकर रूमी और उसके एक अन्य बहनोई हरून खान मौके पर पहुंचे। इतने में अरमान, उसके भाई और परिवार के अन्य सदस्यों ने इन लोगों पर पथराव कर दिया।

झारखंड की जनता बोलेगी, सरकार सुनेगी

आम जनता से सुझाव आमंत्रित पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर सरकार ने आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए हैं। इसके लिए सीएम हेमंत सोरेन ने अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इसे 'अबुआ बजट' का नाम दिया गया है। ऐप और पोर्टल लॉन्चिंग के अवसर पर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के अलावा कई प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद सीएम सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा-'आज आवास में अबुआ बजट पोर्टल और मोबाइल ऐप 2025-26 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुआ। जन सहभागिता और जन भागीदारी के साथ हम राज्य को सतत विकास की ओर ले जाएंगे। आप सभी से अपील है कि राज्य के आगामी अबुआ बजट के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव अवश्य दें।' सरकार ने बजट के लिए सुझाव जमा करने की अंतिम तारीख 17 जनवरी तय की है। तीन सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वालों को सरकार पुरस्कृत भी करेगी। बताया गया है कि सुझाव देने के लिए लोगों को पहले 'फिनान्स डॉट झारखंड डॉट जीओवी डॉट इन स्लैस बजट विचार' पर या फिर 'अबुआ बजट मोबाइल ऐप'पर रजिस्टर करना होगा। उन्हें अपना मोबाइल नंबर या ईमेल दर्ज करना होगा। इसके बाद ओटीपी प्राप्त होगा, जिसे अंकित करने के बाद वह उस पेज पर पहुंच जाएंगे, जहां अपने सुझाव लिख सकते हैं। प्रत्येक विभाग या क्षेत्र के लिए सुझाव दिए जा सकते हैं। झारखंड सरकार के वित्त विभाग की ओर से बताया गया है कि लोग 'अबुआ बजट' के फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम पेज अथवा ईमेल के जरिए भी सुझाव भेज सकते हैं। व्हाट्सएप नंबर 8742887660 पर भी लोग सुझाव भेज सकते हैं। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा है कि सरकार अपनी नीतियां तय करने की प्रक्रिया में समाज के प्रत्येक वर्ग को सहभागी बनाना चाहती है। झारखंड सरकार ने पिछले वर्ष 27 फरवरी को विधानसभा के पटल पर कुल 1 लाख 28 हजार 900 करोड़ का बजट पेश किया था। इस वर्ष 'मंईयां सम्मान योजना' सहित चुनाव के दौरान की गई घोषणाओं के अनुरूप संभावित प्रावधानों की वजह से बजट का आकार 1.50 लाख करोड़ तक जा सकता है।

सीएम साय ने गरियाबंद को दी 338 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

पीएम जनमन योजना से मिले चार नये हॉस्टल

रायपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों के जीवन में विकास का उजियारा लाने की बड़ी पहल की है। पीएम जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। गरियाबंद विशाल वन क्षेत्र और प्राकृतिक सुंदरता से समृद्ध जिला है। यहां बड़ी संख्या में विशेष पिछड़ी जनजातियां रहती हैं, जिनकी विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार मोदी की गारंटी के हर वायदे को पूरा कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गरियाबंद जिले के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित आमसभा में कहीं। इस दौरान सीएम ने गरियाबंद को 338 करोड़ रुपए के 193 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया।

इनमें 119 करोड़ रुपए के 44 कार्यों का लोकार्पण और 219 करोड़ रुपए के 149 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। उन्होंने इस मौके पर जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र देवभोग-झाखरपारा के 36 गांवों के लोगों की सुविधा के लिए बेलाट नाले पर पुल निर्माण की घोषणा की।

कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं में 99 हितग्राहियों को कृषि पंप, मछली जाल सहित एक करोड़ 27 लाख रूपये विभिन्न सामग्रियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों में पात्र लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपा।

इस दौरा साय ने कहा कि पीएम जनमन योजना अंतर्गत 2 हजार 528 से अधिक आवास गरियाबंद में हमारे कमार जनजाति के लोगों के लिए स्वीकृत किये गये हैं। गरियाबंद जिले में ही इस योजना के माध्यम से 58 करोड़ रुपए की लागत से 49 सड़कें बन रही हैं। सड़कों के पूर्ण होने से कमार जनजाति की बसाहटें अब मुख्यधारा से जुड़ जाएगी, कमार जनजाति के बच्चे अब आसानी से उच्च शिक्षा ग्रहण कर पाएंगे। कमार बसाहटों तक आसानी से जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस पहुंच पाएगी। उन्होंने कहा कि जब हमने कुंभ मेले का आयोजन राजिम में आरंभ कराया था तब त्रिवेणी संगम की इस नगरी में पूरे देश से संतों का समागम हुआ। राजिम का यश और बढ़ा। दुर्भाग्य से पूर्ववर्ती सरकार ने इसकी गरिमा कम कर दी। हमारी सरकार ने इसे फिर से उसी भव्य रूप में आरंभ किया है। अगले महीने राजिम कुंभ का आयोजन पुनः होगा। इस बार भी पूरी भव्यता से इस सुंदर समारोह का आयोजन हम करेंगे। राजिम में संत-समागम होगा और हम सब इस सत्संग का लाभ प्राप्त करेंगे।

टाटा मैजिक का एक्सिडेंट

गुजरात जा रहे मजदूर हुए घायल

चाईबासा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के रांची चाईबासा एनएच 75ई पर बीती रात एक टाटा मैजिक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें सवार दर्जनों लोगों घायल हो गए। जानकारी के अनुसार चाईबासा से एक टाटा मैजिक वाहन सवारी को लेकर चक्रधरपुर स्टेशन आ रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बस की रोशनी से टाटा मैजिक वाहन के चालक का नियंत्रण गाड़ी से हट गया और गाड़ी पुलिया के रेलिंग से जा टकराईं। रेलिंग से टकराने की वजह से मैजिक वाहन के ऊपर बैठा एक युवक नदी में जा गिरा। गनीमत रही कि युवक पानी में गिरा जिससे उसका सिर्फ एक पैर टूटा और जान बच गई। वहीं अन्य लोग की घायल हुए थे। सभी को स्थानीय अनुमंडल अस्पताल में प्राथमिकी उपचार के लिए भेजा गया। फिलहाल सभी यात्री ख़तरे से बाहर बताएं जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सभी यात्री हाटगम्हरिया प्रखंड के केन्दपोसी व बड़ाजामदा गांव के रहने वाले हैं।

56.62 लाख महिलाओं के खाते में सम्मान राशि

रांची, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बहुचर्चित मंईयां सम्मान योजना की बढ़ी राशि 2500 रुपए राज्य के 56 लाख 61 हजार 791 महिलाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजा गया। नामकुम के खोजा टोली स्थित आर्मी ग्राउंड ऐतिहासिक समारोह का गवाह बना। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लाभुकों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए। कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ कार्यक्रम में पहुंची। इस कार्यक्रम में पूरा हेमंत सोरेन कैबिनेट मंच पर मौजूद रहा। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य भर के लाभुकों के बीच 11415.44 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। इस क्रम में कोल्हान के लिए 173.38 करोड़, संथाल प्रमंडल के लिए 320.97 करोड़, पलामू प्रमंडल के लिए 190.01 करोड़, दक्षिणी छोटानागपुर के लिए 230.35 करोड़ और उत्तरी छोटानागपुर के लिए 500.81 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने योजना के लाभ से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस मंईयां योजना से राज्य की महिलाएं सशक्त होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुंह में केवल राम है। कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य में जेंडर बजट लागू किया था। उसके लिए छह हजार करोड़ निर्धारित किए गए थे। भाजपा बताएगी कि उस पैसे का क्या हुआ। उन्होंने भाजपा सरकार के समय में कामकाजी महिलाओं के लिए जिलों में बनाए जाने वाले छात्रावास को लेकर भी सवाल उठाए। वित्त विभाग के प्रधान सचिव प्रशांत कुमार ने बताया कि झारखंड में 1 लाख 28 हजार करोड़ का बजट है।

दो की हत्या, दो जख्मी

आधी रात घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की, मरनेवाले पांडेय गिरोह के गुर्गे, मौके से 25 खोखे मिले

पलामू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। आधी रात में पलामू जिले के चैनपुर थाना के गरदा गांव गोलियों से थर्रा उठा। गांव के एक घर में अपराधी घुसे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान भरत पांडेय और दीपक साव के रूप में हुई है। दोनों मोस्ट वांटेड अपराधी थे। इनका संबंध पतरातू के भोला पांडेय गिरोह से रहा है। वहीं गोलीबारी में वहीं गरदा गांव के रहने वाले स्व अमरेश सिंह का बेटा अंशु सिंह (19) और औरंगाबाद के पोला गांव का रहने वाला महावीर सिंह (38) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को आनन-फानन में एमएमसीएच में रात एक बजे भर्ती कराया गया है। अंशु को दोनों पैर और महावीर को हाथ में गोली लगी है। गोलीबारी की घटना के बाद दोनों मृतकों का शव मौके पर ही पड़ा है। वहीं जानकारी मिलते ही सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद पुलिस टीम के साथ वारदात की जांच के लिए मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि महावीर सिंह गरदा गांव में अपने मामा के घर आया हुआ था। महावीर के मुताबिक रात 12 बजे के करीब घर में घुस कर अपराधियों ने गोली चलाई। वहीं अंशु का कहना है कि गोली चलने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुली। वह बाहर निकला तो भागते हुए अपराधी ने गोली चलाई जो उसे लग गई। अपराधियों की गोली से मरने वाले भरत और दीपक साव 31 दिसंबर से गरदा गांव में अपने मौसा के घर रुके हुए थे।

राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की जीत पर मुहर

कमला हैरिस करेंगी जीत का ऐलान, 2021 में इसी दिन संसद में घुसे थे प्रदर्शनकारी

वॉशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। ट्रम्प को इसमें जीत हासिल हुई। ट्रम्प को 312 इलेक्टोरल वोट्स मिले हैं जबकि उनके विरोधी कमला को सिर्फ 226 इलेक्टोरल वोट्स मिले। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए किसी प्रत्याशी को 270 इलेक्टोरल वोट्स चाहिए होते हैं।

ट्रम्प की जीत भले ही 6 नवंबर को तय हो गई थी, लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा 6 जनवरी को हुई। इस दिन अमेरिकी संसद कैपिटल हिल के जॉइंट सेशन में इलेक्टोरल कॉलेज के वोट गिने गये। यह प्रक्रिया उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की अध्यक्षता में की गयी। क्योंकि वह सीनेट की अध्यक्ष हैं। अमेरिका में जनता इलेक्टर्स (राज्यों के प्रतिनिधि) चुनती है। ये इलेक्टर्स पॉपुलर वोट यानी कि जनता के वोट के आधार पर चुने जाते हैं। जब जनता वोट करती है तो वह सीधे राष्ट्रपति को वोट नहीं करती है,

बल्कि वह अपने राज्य के इलेक्टर्स को वोट देते हैं। कई इलेक्टर्स मिलकर ही इलेक्टोरल कॉलेज बनाते हैं। इलेक्टोरल कॉलेज ही राष्ट्रपति चुनता है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में 538 इलेक्टर्स चुने जाते हैं। सभी राज्यों से चुने गए इलेक्टर्स की संख्या अलग-अलग होती है।

यहां रोचक बात यह है कि अमेरिकी चुनाव में 'विनर टेक ऑल' सिस्टम काम करता है। इसका मतलब है कि अगर किसी कैंडिडेट को एक राज्य में 50% से ज्यादा पॉपुलर वोट मिल जाते हैं, तो तो उस राज्य के तमाम इलेक्टोरल वोट उसी कैंडिडेट को मिले हुए माने जाते हैं। जैसे ट्रम्प को पेन्सिलवेनिया में सबसे ज्यादा लोगों ने वोट किया तो वहां के सारे इलेक्टर्स (19) ट्रम्प को मिल गए। इलेक्ट्रोरल कॉलेज एक चुनावी संस्था है जो अमेरिका के राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति को चुनने के लिए गठित की गई है। दिसंबर के महीने में इलेक्टोरल कॉलेज की बैठक होती है। इसमें हर राज्य के चुने हुए इलेक्ट्रर्स अपनी-अपनी काउंटी या राज्य में मिलते हैं और राष्ट्रपति के लिए औपचारिक तौर पर वोटिंग करते हैं। इलेक्टोरल वोटों को राज्य के चुनाव अधिकारी प्रमाणित करते हैं और फिर इन वोटों को कांग्रेस को भेजा जाता है। अगली 6 जनवरी को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में दोनों सदन (सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) इकट्ठा होते हैं। अमेरिकी सीनेट के अध्यक्ष उपराष्ट्रपति होते हैं। अभी यह पद कमला हैरिस के पास है, इसलिए वही इक्टोरल कॉलेज के वोटों की गिनती शुरू करेंगी। उन्हें हर राज्य के चुनाव रिजल्ट्स को पढ़ने के लिए दस्तावेज मिलेगा।

चीनी ड्रोन सेना का सेनापति बनेगा छठवीं पीढ़ी का रहस्यमय फाइटर जेट जे-36!

दुनियाभर के सैन्य विशेषज्ञों ने डराया

बीजिंग, 6 जनवरी (एजेंसियां)। चीन ने पिछले महीने एक साथ 2 छठवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट को उड़ाकर दुनिया को दहशत में डाल दिया है। विश्वभर के सैन्य विशेषज्ञ अभी भी इनकी ताकत के बारे में लगतार अनुमान लगा रहे हैं। उन्होंने चीन के रहस्यमय फाइटर जेट जे-36 के बारे में ऐसा अनुमान जताया है जो पूरी दुनिया में जंग का नक्शा बदल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि छठवीं पीढ़ी का यह फाइटर जेट युद्धक ड्रोन की फौज के लिए हवा में कमांड सेंटर का काम कर सकता है। इससे भविष्य के युद्ध में सैकड़ों लड़ाकू ड्रोन को निर्देशित किया जा सकेगा। चीन की सरकार ने अपने संस्थापक माओत्से तुंग के 131वें जन्मदिन पर 26 दिसंबर को इन लड़ाकू विमानों को उड़ाकर अपने दुश्मनों को बड़ा संदेश दिया था। इन लड़ाकू विमानों में से एक की तो

पूछ ही नहीं है और इसके डिजाइन की कई रक्षा विशेषज्ञ जमकर तारीफ कर रहे हैं।

साऊथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस माओ के लिए श्रद्धांजलि करार दया है। चीन की ओर से इसको लेकर कोई बयान नहीं आया है लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से इसका सपोर्ट किया जा रहा है। चीन की सेना ने नए साल पर एक वीडियो को जारी किया है जिसमें एक नए फाइटर जेट की तस्वीर दिखाई है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्पष्ट संदेश है कि चीन का छठवीं पीढ़ी का विमान बनाया जा रहा है और उन्होंने इसे जे-36 नाम दिया है। सैन्य विशेषज्ञों ने कहा कि इन विमानों में कई नई घातक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। अमेरिकी वायुसेना के पूर्व पायलट और एफ 16 उड़ा चुके जॉन वाटर्स का कहना है कि पूछ नहीं होने की वजह से यह चीनी विमान बेहद खास है। इससे यह विमान दुश्मन के रेडॉर पर आसानी से पकड़ में नहीं आएगा। उन्होंने इसकी तुलना अमेरिका के बी-21 स्टील्थ परमाणु बॉम्बर से की। वाटर्स ने कहा कि ज्यादा कलाबाजी नहीं करने वाले ये विशाल विमान आमने-सामने की लड़ाई के लिए नहीं होते हैं। अमेरिका के एक और अन्य विशेषज्ञ बिल स्वीटमैन ने कहा कि फाइटर जेट के आमने -सामने की लड़ाई का दौर अब कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब दुनिया में बियांड विजुअल रेंज की मिसाइलें और एडवांस सेंसर आ गए हैं। स्वीटमैन ने अनुमान जताया कि चीन के जे-36 फाइटर जेट का मुख्य काम दुश्मन के हवाई ठिकानों पर हमला करके उसे तबाह करना होगा। इसमें लड़ाकू विमान, टैंकर, अवाक्स जैसे सपोर्ट एयरक्राफ्ट, वहीं समुद्र में एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल हैं। अवाक्स विमान को हवा में आसमानी आंख कहा जाता है।

कनाडा के पीएम ट्रूडो जल्द इस्तीफा दे सकते हैं

कनाडाई अखबार का दावा- ट्रूडो पर पार्टी के सांसदों की तरफ से पद छोड़ने का दबाव

ओटावा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इस हफ्ते अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। कनाडाई अखबार ग्लोब एंड मेल ने तीन लोगों के हवाले यह रिपोर्ट दी है। ट्रूडो पर उनकी लिबरल पार्टी के सांसदों की तरफ से कई महीनों से पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। कनाडा में इसी साल संसदीय चुनाव होने हैं, लेकिन ट्रूडो इस्तीफा दे देते हैं तो तय समय से पहले चुनाव की मांग हो सकती है। द ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को लिबरल पार्टी की नेशनल कॉकस की बैठक होने जा रही, ट्रूडो इस बैठक से पहले इस्तीफा सौंप देंगे। माना जा रहा है कि नेशनल कॉकस की बैठक में ट्रूडो को विद्रोह का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में ट्रूडो को लगता है कि उन्हें इस बैठक से पहले इस्तीफे का ऐलान कर देना चाहिए। ट्रूडो की पार्टी के 20 से ज्यादा सांसद उनसे सार्वजनिक तौर पर इस्तीफे की मांग कर चुके हैं। इसके अलावा पर्सनल मीटिंग में भी कई लोग उनसे कह चुके हैं कि ट्रूडो के पास इस्तीफे के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। पिछले महीने कनाडा की डिप्टी पीएम और वित्तमंत्री क्रिस्टिया ने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ट्रूडो पर इस्तीफे का दबाव और ज्यादा बढ़ गया है। क्रिस्टिया का कहना था कि ट्रूडो ने उनसे वित्तमंत्री का पद छोड़ दूसरे मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा था। अभी कनाडा की संसद हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के 153 सांसद हैं। कनाडा के हाउस में कॉमन्स में 338 सीटें है। इसमें बहुमत का आंकड़ा 170 है। पिछले साल ट्रूडो सरकार की सहयोगी पार्टी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपने 25 सांसदों का समर्थन वापस ले लिया था। एनडीपी खालिस्तानी समर्थक कनाडाई सिख सांसद जगमीत सिंह की पार्टी है। गठबंधन टूटने की वजह से ट्रूडो सरकार अल्पमत में आ गई थी। हालांकि 1 अक्टूबर को हुए बहुमत परीक्षण में ट्रूडो की लिबरल पार्टी को एक दूसरी पार्टी का समर्थन मिल गया था। इस वजह से ट्रूडो ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया था। कनाडा के लोगों में लगातार बढ़ती मंहगाई के वजह से ट्रूडो के खिलाफ नाराजगी है। इसके अलावा पिछले कुछ समय से कनाडा में कट्टरपंथी ताकतों के पनपने, अप्रवासियों की बढ़ती संख्या और कोविड-19 के बाद बने हालातों के चलते ट्रूडो को राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हमास 34 इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए तैयार

तेल अवीव, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हमास ने रविवार को इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए सहमति जताई है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, हमास एक्सचेंज डील के फर्स्ट फेस में 34 बंधकों को रिहा करेगा। इसमें सभी महिलाओं, बच्चों, बुजुर्ग और बीमार कैदी शामिल हैं। चाहे वे जिंदा हों या मर चुके हों। हमास के सदस्य ने एएफपी को बताया कि बंधकों की रिहाई के लिए लंबे समय से बातचीत चल रही थी। इजराइल ने बंधकों की एक लिस्ट भी भेजी थी। हालांकि, इस प्रक्रिया में हमास एक हफ्ते का समय लेगा। इस दौरान किडनैपर्स जिंदा और मृत कैदियों की पहचान करेंगे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने गाजा बॉर्डर से लगे कई इजराइली इलाकों में हमला कर 254 लोगों को बंधक बना लिया था। अब तक 150 से ज्यादा बंधकों की रिहाई हो चुकी है, जबकि लगभग 100 लोग अभी भी हमास की कैद में हैं। इजराइली सेना 34 लोगों के मारे जाने की पुष्टी कर चुकी है। गाजा में सीजफायर और इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए कतर में इजराइल और हमास के बीच बातचीत चल रही थी। दोनों पक्षों में समझौते के लिए अमेरिका, कतर और मिस्र कई महीनों से मध्यस्थता कर रहे थे। 4 जनवरी को पीएम नेतन्याहू के घर के बाहर लोगों ने प्रदर्शन किया था। जिसके बाद पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। तेल अवीव समेत इजराइल के दूसरे राज्यों में परिजन विरोध कर सरकार से हमास की कैद में बंद लोगों को छुड़ाने की अपील कर रहे हैं। कतर में जारी सीजफायर डील के बीच हमास ने 4 जनवरी को 19 साल की इजराइली महिला सैनिक लिरी एलबाग का वीडियो जारी किया था। लिरी को हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को बंधक बना लिया था। लिरी एलबाग को 6 महिला सिपाहियों के साथ नाहल ओज आर्मी बेस से किडनैप किया गया था। इनमें से 5 महिला सैनिक अब भी हमास की कैद में हैं।

तेजी से फैल रहे एचएमपीवी वायरस पर क्या बीजिंग कोरोना की तरह छिपा रहा सच?

बीजिंग, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना महामारी के पांच साल बाद अब चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के बढ़ते मामलों ने दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है। इस वायरस के मामले चीन से बाहर भी नजर आने लगे हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। भारत के बेंगलुरु में 8 महीने के बच्चे को पॉजिटिव पाया गया है। मलेशिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने वायरस से जुड़े केस सामने आने के बाद देश में नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। हांगकांग में भी इस वायरस का केस रिपोर्ट किया गया है। इस बीच चीन के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने वायरस के कारण होने वाली मृत्यु दर के बारे में जानकारी दी है।

चीन के सीडीसी ने कहा कि बच्चे, कमजोर इम्यून वाले और बुजुर्ग इस अतिसंवेदनशील होते हैं और उनके श्वसन वायरस से संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है। सीडीसी ने एचएमपीवी के संक्रमण के लक्षणों को सामान्य सर्दी के लक्षण की तरह बताया है, जो खांसी, बुखार, नाक बंद होना और घरघराहट के रूप में सामने आता है। कभी-कभी गंभीर मामलों में यह ब्रोंकाइटिस और निमोनिया का कारण बन सकता है। चीन के सीडीसी ने बतायास अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों वाले अतिसंवेदनशील व्यक्तियों में एचएमपीवी संक्रमण से मौत हो सकती है।

वर्तमान में टीका या दवा नहीं

2021 में लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक लेख के आंकड़ों के अनुसार, पांच साल के कम उम्र के बच्चों में तीव्र श्वसन संक्रण से संबंधित मौतों में 1 प्रतिशत एचएमपीवी के कारण हो सकती हैं। वर्तमान में एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है। इसके उपचार में ज्यादातर लक्षणों को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

वायरस को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बीच बीते सप्ताह बीजिंग ने एक बयान जारी किया था। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसों के मरीजों की बढ़ते संख्या की वजह सर्दियों को बताया था। उन्होंने कहा, सर्दियों के मौसम में श्वसन संक्रमण चरम पर होता है। इस दौरान चीनी प्रवक्ता ने पर्यटकों के लिए चीन को सुरक्षित भी बताया था। माओ निंग ने कहा, 'मैं आपको भरोसा दे सकती हूं कि चीन सरकार चीनी नागरिकों और चीन आने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।' एचएमपीवी वायरस कोई नया वायरस नहीं है। यह साल 2001 में खोजा गया था। यह किसी भी अन्य श्वसन वायरस की तरह है जो सामान्य सर्दी का कारण बनता है। बुजुर्गों और 5 साल से छोटे बच्चों में यह फ्लू जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। यह पहले भी अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में रिपोर्ट किया जा चुका है।

बुद्ध एयर के प्लेन में लगी आग

काठमांडू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल में बुद्ध एयर के एक विमान के बाएं इंजन में आग लगने के बाद काठमांडू में त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वीओआर लैंडिंग या मैनुअल लैंडिंग की गई। विमान में क्रू मेंबर समेत 76 लोग सवार थे। इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। नेपाल सरकार की तरफ से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि बुद्ध एयर का एक प्लेन बाएं इंजन में आग लगने की वजह से राजधानी काठमांडू से 43 किलोमीटर पूर्व में पहुंच गया था। जिसके बाद यह सिंगल इंजन पर फ्लाय करके काठमांडू लौट आया। सुबह 11:15 बजे त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इसकी मैनुअल लैंडिग की गई। प्लेन में सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर पूरी तरह सुरक्षित हैं। वीओआर लैंडिंग पायलट्स के लिए एक ऐसा तरीका है जिसके जरिए वे वीओआर नाम के ग्राउंड-बेस रेडियो स्टेशन से सिग्नल का इस्तेमाल करके विमान को नेविगेट और लैंड करते हैं।

अमेरिका में 10 साल के सबसे बर्फीले तूफान का खतरा

7 राज्यों ने इमरजेंसी घोषित की, 6 करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित

वॉशिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में रविवार को भीषण बर्फीला तूफान की वजह से कई राज्यों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि यह अमेरिका में पिछले 10 साल का सबसे भीषण बर्फीला तूफान हो सकता है। हालात देखते हुए अमेरिका के 7 राज्य केंटकी, वर्जीनिया, वेस्ट वर्जीनिया, कंसास, अर्कांसस और मिसौरी में इमरजेंसी लगा दी गई है। यूएस नेशनल वेदर सर्विस का कहना है कि इस तूफान से अमेरिका के 6 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन प्रभावित होगा।

आमतौर पर गर्म रहने वाले फ्लोरिडा में भी भारी बर्फबारी हो रही है। कंसास और मिसौरी के लिए खास चेतावनी जारी की गई है। नेशनल वेदर सर्विस का कहना है कि इन दोनों राज्यों के कई इलाकों में 8 इंच तक बर्फबारी हो सकती है। यहां पर 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। अमेरिका में इस बर्फीले तुफान की बड़ी वजह से पोलर वोर्टेक्स (ध्रुवीय भंवर) को माना जा रहा है। पोलर वोर्टेक्स काउंटर क्लॉकवाइज (घड़ी की उल्टी दिशा) बहती हैं। पोलर वोर्टेक्स भौगोलिक संरचना के कारण आमतौर पर नॉर्थ पोल के चारों ओर घूमता है, लेकिन जब यह दक्षिण की तरफ बढ़ता है तो अमेरिका, यूरोप और एशिया में भारी ठंड लाता है। जब पोलर वोर्टेक्स चल रही हों, तब घर से बाहर निकलना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इस वक्त बिना विंटर किट के बाहर निकलने पर 5 से 7 मिनट में दिल का दौरा पड़ सकता है। इसके अलावा स्किन जम सकती है। ऐसे मौसम में गाड़ी भी स्टार्ट नहीं होती हैं। इससे बचने का सिर्फ एक ही उपाय है कि जब ध्रुवीय हवाएं चल रही हों, तब घर के भीतर ही रहें। कुछ रिसर्च से पता चला है कि बीते कुछ सालों में आर्कटिक तेजी से गर्म हो रहा है, जिससे पोलर वोर्टेक्स दक्षिण की तरफ शिफ्ट हो रहा है। तेज सर्द हवओं को देखते हुए शिकागो से न्यूयॉर्क और सेंट लुइस जाने वाली सभी फ्लाइट्स और ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। केंटकी राज्य में तो बर्फबारी का नया रिकॉर्ड बना है। राज्य के कुछ इलाकों में 10 इंच से ज्यादा बर्फबारी हुई है। इसी तरह लेक्सिंगटन में 5 इंच से ज्यादा बर्फबारी रिकॉर्ड की गई। एक्सपर्ट्स ने अमेरिका के दो तिहाई हिस्से में भीषण ठंड की चेतावनी दी है। माना जा रहा है कि टेम्प्रेचर स्टैंडर्ड लेवल से 7 से 14 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर सकता है। शिकागो का टेम्प्रेचर माइनस 7 से 10 सेल्सियस रहा, जबकि मिनियापोलिस में यह 0 डिग्री पहुंच गया। कनाडा बॉर्डर के पास मिनेसोटा के इंटरनेशनल फॉल्स में तापमान माइनस 11 डिग्री दर्ज किया गया। नेशनल वेदर सर्विस ने मैरीलैंड के एनापोलिस के आसपास 8 से 12 इंच बर्फबारी का पूर्वानुमान लगाया है।

डूरंड लाइन के जवाब में अफगानिस्तान का सिर काटना चाहती है पाकिस्तानी सेना

युद्ध की तैयारी में जुटे तालिबान-टीटीपी, बड़ा ऐलान

काबुल, 6 जनवरी (एजेंसियां)। तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच तनाव काफी बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तानी सेना के हवाई हमले में करीब 50 लोगों के मारे जाने के बाद तालिबानी सेना ने भी पाकिस्तान सेना के करीब 20 जवानों को बड़ा हमला करके मारने का दावा किया। यही नहीं टीटीपी के आतंकियों ने भी पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। इससे दुनियाभर में पाकिस्तानी सेना की जमकर किरकिरी हुई। तालिबानी सरकार ने यह भी कह दिया कि वह अंग्रेजों की खींची हुई सीमा रेखा डूरंड लाइन को नहीं मानती है। इसके जवाब अब पाकिस्तानी सेना अफगानिस्तान का सिर कहे जाने वाले वखान कॉरडोर पर नापाक कदम उठा रही है। इससे तालिबानी और टीटीपी आतंकी भी ऐक्शन में आ गए हैं। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक पाकिस्तान की सेना ने तालिबान से कह दिया है कि अगर वह डूरंड लाइन को नहीं

मानती है कि तो वे भी वखान कॉरिडोर पर अफगानिस्तान पर कब्जा स्वीकार नहीं करेंगे। पाकिस्तान का कहना है कि यह वखान कॉरिडोर पाकिस्तान का हिस्सा था जिसे अंग्रेजों ने बफर जोन के रूप में बना दिया था। इसलिए वे भी वखान कॉरिडोर को नहीं मानते हैं। अफगानस्तिान का वखान कॉरिडार एक तरह से उसका चिकन नेक है जो उसे चीन से सीधे जोड़ता है। चीन और अफगानिस्तान के बीच यहां से सीधा रास्ता बन रहा है जिससे उसे पाकिस्तान की जरूरत नहीं होगी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ हाल ही में तजाकिस्तान के दौरे पर गए थे। पाकिस्तानी सेना चाहती है कि तजाकिस्तान और वहां मौजूद तालिबान विरोधी गुटों को एक साथ लाकर उसे दबाव में लाया जाए। वखान कॉरिडोर आज के समय में 4 देशों को जोड़ता है। वखान कॉरिडोर से दो रास्ते निकलते हैं जो पाकिस्तान को कनेक्ट करते हैं। यहां पर पाकिस्तानी सेना काफी बड़े पैमाने पर तैनात है। पाकिस्तान अगर वखान कॉरिडोर पर कब्जा कर लेता है तो उसकी सीधी पहुंच तजाकिस्तान तक हो जाएगी। यही वजह है कि पाकिस्तानी अब इस नापाक प्लान पर काम कर रही है। चीन ने अभी इस पूरे मामले में चुप्पी साध रखी है। उधर, पाकिस्तानी सेना को मात देने के लिए भी तालिबान ने भी बड़ा ऐलान कर दिया है। तालिबान ने कहा है कि अब उसके लड़ाके टीटीपी आतंकियों के साथ मिलकर कहीं भी पाकिस्तानी सेना पर हमले कर सकेंगे।

अब टीटीपी और तालिबानी सेना दोनों मिलकर पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी है। तालिबानी सर्वोच्च नेता ने भी इसको मंजूरी दे दी है।

तालिबान और टीटीपी अगर दोनों मिलकर हमला करते हैं तो पाकिस्तानी सेना की मुश्किलें बहुत ज्यादा बढ़ जाएंगी।

पूर्व पीएम शेख हसीना की बढ़ीं मुश्किलें

बांग्लादेश के आईसीटी ने जारी किया दूसरा गिरफ्तारी वारंट

ढाका, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध अधिकरण (आईसीटी) ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इनमें पूर्व पुलिस प्रमुख और सेना के जनरल भी शामिल हैं। इन सभी पर कथित जबरन गुमशुदगी के मामलों में भूमिका निभाने का आरोप है। यह दूसरी बार है, जब आईसीटी ने हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पिछले साल अगस्त में अवामी लीग सरकार के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद हसीना को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिर वह भागकर भारत आ गईं। आईसीटी तबसे उनके खिलाफ अब तक तीन मामले दर्ज कर चुका है। आईसीटी के एक अधिकारी के मुताबिक, 'जज एम.डी. गुलाम मुर्तजा मजूमदार ने अभियोजन पक्ष की याचिका पर सुनवाई करने के बाद गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को शेख हसीना सहित 12 लोगों को गिरफ्तार करने और 12 फरवरी को उन्हें अधिकरण में पेश करने आदेश दिया गया है। यह मामला सैकड़ों लोगों की जबरन गुमशुदगी की शिकायतों से जुड़ा है। इस मामले में हसीना के पूर्व रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्धिक और पूर्व आईजीपी बेनजीर अहमद सहित अन्य का नाम शामिल है। सिद्धिक अभी हिरासत में हैं, वहीं अहमद को फरार माना जा रहा है।' आईसीटी के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने आरोपियों के नामों का खुलासा नहीं, ताकि जांच और गिरफ्तारी में कोई बाधा न आए। ताजुल इस्लाम ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'इस मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को होगी। अगर जांच रिपोर्ट तैयार हो जाती है, तो उसे उस दिन पेश किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगर तब तक जांच रिपोर्ट तैयार नहीं हो पाई, तो कानून प्रवर्तन एजेंसियों को गिरफ्तारी की प्रगति रिपोर्ट सौंपनी होगी।' मुख्य अभियोजक इस्लाम ने आईसीटी से कहा कि हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश में राज्य की मदद से जबरन गुमशुदगी की संस्कृति शुरू हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने इन जबरन गुमशुदगियों को अंजाम दिया।

बाघिन की दहाड़ से गूंजा जंगल

वन विभाग ने मरहीमाता जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किया अलर्ट, आसपास के इलाकों में मूवमेंट

बिलासपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर के अचानकमार टाइगर रिजर्व एरिया में बाघिन का मूवमेंट वीडियो में कैप्चर हुआ है। वन विभाग की ओर से जारी वीडियो में बाघिन रोड क्रॉस करते दिख रही है। दहाड़ने की आवाज भी स्पष्ट सुनाई दे रही है। बाघिन का लगातार आसपास के इलाकों में भटक रही है। जंगल को छोड़कर वो गांव और पर्यटन स्थल के करीब पहुंच रही है। दो दिन से उसे बेलगहना वन परिक्षेत्र के खोंगसरा और भनवारटंक इलाके में देखा गया है। वन विभाग ने आसपास के लोगों के साथ ही मरहीमाता जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अलर्ट किया गया है।

न्यूजीलैंड ने वीजा नियमों में बदलावों का किया ऐलान

इमिग्रेशन प्रक्रिया में बड़ी ढील, भारतीयों को क्या होगा फायदा

वेलिंगटन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने अपने वीजा नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इन बदलावों का उद्देश्य वर्क एक्सपीरिएंस मानदंड, वेतन और वीजा अवधि में समायोजन के साथ कर्मचारियों और नियोक्ताओं के लिए इमिग्रेशन को आसान बनाना है। नए बदलावों के तहत न्यूजीलैंड सरकार ने प्रवासियों के लिए वर्क एक्सपीरिएंस मानदंड को तीन साल से घटाकर दो साल कर दिया है। इस कदम से श्रमिकों को न्यूजीलैंड में आसानी से रोजगार मिल सकेगा। नए नियमों से न्यूजीलैंड में नौकरी के लिए मौके तलाश रहे भारतीय प्रवासियों को बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड ने मौसमी श्रमिकों के लिए दो नए रास्ते भी पेश किए हैं। पहला अनुभवी मौसमी श्रमिकों के लिए तीन साल का मल्टी एंट्री वीजा और लोअर स्किल्ड वर्कर के लिए 7 महीने का सिंगल एंट्री वीजा। इन उपायों से देश को सीजनल वर्क फोर्स की मांगों को समायोजित करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड सरकार ने मान्यता प्राप्त नियोक्ता कार्य वीजा और विशिष्ट उद्देश्य कार्य वीजा के लिए औसत मानदंड को हटा दिया है। नए नियमों के तहत कंपनियों और नियोक्ताओं को कर्मचारियों को नौकरी पर रखने के लिए रोल और जगह के बाजार दर के हिसाब से वेतन देने की बाध्यता होगी, लेकिन अब उन्हें पूर्व निर्धारित वेतन मानदंड को पूरा करने की जरूरत नहीं है। यह कंपनियों को समान कर्मचारी वेतन बनाए रखने की आजादी देता है।

इसके साथ ही स्किल लेवल 4 या 5 के अंतर्गत आने वाली नौकरियों के लिए दो साल की वीजा अवधि को बढ़ाकर तीन साल कर दिया है। यही नहीं, इन श्रेणियों में दो साल के वीजा के साथ काम कर रहे कर्मचारी एक साल का विस्तार मांग सकते हैं। कंपनियों को अब स्किल लेवल 4 और 5 के लिए नौकरी के मौके पोस्ट करते समय कार्य और आय की 21 दिनों की अनिवार्य भर्ती अवधि का पालन करने की जरूरत नहीं होगी।

भजनलाल सरकार ने नव प्रसारक नीति लागू की

सोशल मीडिया पर 7 हजार से 1 लाख फॉलोवर्स वालों को मिलेगा मौका

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को लेकर बजट घोषणा को पूरा करते हुए पहली बार नव प्रसारक नीति लागू की है।

सरकार अन्त्योदय के लक्ष्य को साकार करने के लिए इन्फ्लुएंसर्स का साथ लेगी। हर जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता लाने के लिए नव प्रसारक लगाए जाएंगे।

इस नीति के पीछे सरकार का मुख्य लक्ष्य है कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण की सोच को साकार करने के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रम की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएंगे। सरकार ने नव प्रसारक बनाने के तौर पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को दो श्रेणी में बांटा है।

नव प्रसारक नीति

श्रेणी ए – इसमें श्रेणी में एक लाख से अधिक सब्सक्राइबर अथवा फॉलोअर्स वाले सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को रखा गया है।

श्रेणी बी – इसमें न्यूनतम 7 हजार से 1 लाख तक सब्सक्राइबर अथवा फॉलोअर्स वाले सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को रखा गया है।

नव प्रसारकों की मदद करेगा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

जिला स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में एक-एक नव प्रसारक और संभाग स्तर पर श्रेणी ए में दो और बी में एक नव प्रसारकों के मेंटर के रूप में इनके कार्य की निगरानी करेंगे।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग इन नव प्रसारकों को कंटेट क्रिएशन, वीडियो-ऑडियो एडिटिंग, एसईओ, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और ब्रांडिंग आदि स्किल्स प्राप्त करने में मदद भी करेगा।

प्रियंका गांधी को लेकर बिधूड़ी के दिए बयान पर भड़के सचिन पायलट, बोले- बीजेपी की सोच महिला विरोधी

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेता रमेश बधिूड़ी के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सियासत गरमाई हुई है। कांग्रेस नेता सचनि पायलट ने रमेश बिधूड़ी के बयान की निंदा करते हुए कहा कि बीजेपी की सोच महिला विरोधी है। साथ ही बीजेपी शीर्ष नेतृत्व को नसीहत भी दे डाली।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा के नेताओं की सोच इस निम्न स्तर पर पहुंच गई है कि वे महिलाओं का आदर करना तो दूर, उनके लिए अशोभनीय शब्दों का प्रयोग कर अपनी असली मानसिकता दिखा रहे हैं।

भाजपा नेताओं की सोच महिला विरोधी

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सांसद एवं ए आ ई सी सी महासचिव प्रियंका गांधी पर भाजपा नेता रमेश विधूड़ी द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। भाजपा की महिला विरोधी सोच उसके नेताओं की तुच्छ शब्दावली से साफ झलकती है।

महिला सशक्तिकरण का झूठा दम भरता है भाजपा का शीर्ष नेतृत्व

सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जो महिला सशक्तिकरण का झूठा दम भरता है, उसे पहले अपने नेताओं को महिलाओं का सम्मान करना सिखाना चाहिए।

बिधूड़ी ने दिया था ये बयान

दिल्ली की कालकाजी विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था। बिधूड़ी ने कहा था कि लालू यादव ने वादा किया था, बिहार की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों जैसा बना दूंगा, लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा था कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं। वैसे ही कालकाजी की सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा। उनके बयान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

'जो कॉकरोच से डरते हैं, वही बनते हैं कलेक्टर-एसपी'

पूर्व मंत्री गुढ़ा का विवादित बयान; सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ फूटा गुस्सा

झुंझुनू, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हमेशा अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने एक बार फिर विवादित टिप्पणी की है। नवलगढ़ के गोठड़ा गांव में सीमेंट कंपनी के खिलाफ किसानों की सभा में गुढ़ा ने प्रशासनिक अधिकारियों को लेकर विवादित बयान देते हुए कहा कि जो लोग बाथरूम में कॉकरोच से डरते हैं, वही थानेदार, एसडीएम, डिप्टी, कलेक्टर और एसपी बनते हैं। लेकिन जो लोग सांप के बिल में हाथ डालते हैं, वे दसवीं में ही फेल हो जाते हैं।

बता दें, पूर्व मंत्री गुढ़ा का यह बयान सभा में मौजूद भीड़ और प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ इशारा करते हुए दिया गया, जिससे राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा हो रही है।

23 सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन

दरअसल, झुंझुनूं के नवलगढ़ के गोठड़ा में सीमेंट फैक्ट्री के सामने किसान मुआवजा, स्थानीय रोजगार, और पर्यावरण संरक्षण समेत 23 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। सभा के लिए एसडीएम जय सिंह ने अनुमति नहीं दी थी और फैक्ट्री के 300 मीटर के दायरे में धरना-प्रदर्शन पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद किसान जुटे और गुढ़ा ने सभा को संबोधित किया।

गुढ़ा ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीमेंट कंपनी ने जिंदा गायों को मिट्टी में दफनाया है। उनकी आह खून मांग रही है। यह धरती खून मांगेगी, तभी किसानों को न्याय मिलेगा। किसानों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने रोजगार के वादे पूरे नहीं किए, जिससे स्थानीय लोग पलायन को मजबूर हो गए हैं। गुढ़ा ने कहा कि फैक्ट्री ने किसानों से उनका हक छीन लिया और उन्हें भिखारी बना दिया। अब लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है।

प्रशासन और गुढ़ा के बीच तनातनी

हुई सभा के दौरान गुढ़ा और पुलिस प्रशासन के बीच तनातनी बढ़ गई। हालांकि, प्रशासन ने सूझबूझ से स्थिति को नियंत्रण में रखा। गुढ़ा ने प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ यहां के लोग अपनी जमीन और हक की लड़ाई लड़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रशासन जनता को दबाने में लगा हुआ है।

इस दौरान गुढ़ा ने चेतावनी दी कि यदि 26 जनवरी तक किसानों की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने कहा कि जन जागरण अभियान चलाकर किसानों को संगठित करेंगे। इसके बाद सीमेंट फैक्ट्री का ऐसा स्वागत करेंगे जैसा वे खुद तय करेंगे।

अमित शाह से गुफ्तगू करके लौटे किरोड़ी मीणा

बोले- बताने के लिए नहीं होती विशेष चर्चा

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति पर सियासतदानों की पैनी नजर बनी हुई है। भजनलाल सरकार से नाराज चल रहे कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। दोनों के बीच क्या बातचीत हुई इस पर अभी सस्पेंस बरकरार है। किरोड़ी से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विशेष चर्चा बताने की नहीं होती। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दोनों के बीच साधारण चर्चा नहीं हुई विशेष चर्चा हुई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक किरोड़ीलाल मीणा ने शाह से मिलकर राजस्थान के दो अफसरों की शिकायत की और इनकी जांच करवाने की मांग भी की है। उन्होंने राजस्थान में इस मामले में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम को दिए ज्ञापन को लेकर भी अपनी बात रखी। हालांकि अब अमित शाह इस मामले में क्या निर्णय लेते हैं यह देखने वाली बात होगी लेकिन फिलहाल किरोड़ी आश्वस्त नजर आ रहे हैं। दिल्ली दौरे से लौटते ही किरोड़ीलाल मीणा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मिले। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि नगर पालिका व नगर परिषदों में उपचुनाव होने हैं, उनके बारे में बातचीत करने के लिए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से मिला हूं। वहीं मदन राठौड़ ने कहा कि वे हमारी पार्टी के सदस्य हैं, मंत्री हैं। कई मुद्दों पर उनकी अपनी राय है। वे कई बार नाराज हो जाते हैं, लेकिन ये सब परिवार का मामला है।

सांसद राजकुमार रोत का बड़ा बयान

आरक्षण कब और कैसे लेना है, अब हम करेंगे तय

बांसवाड़ा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की मांग को लेकर हजारों आदिवासी अनुसूचित आरक्षण मोर्चा के बैनर तले बांसवाड़ा में एकत्र हुए। कॉलेज मैदान में हुई सभा को संबोधित करते हुए बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि सत्ता में जिन लोगों ने वर्ष 2013 की अधिसूचना जारी कराई, उन्होंने गुमराह किया और वर्ष 2016 में फिर से अधिसूचना जारी करा कर हमको ठगा।

उन्होंने बिना नाम लिए बड़े नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि 'आप आरक्षण की बात करते हो, पहले तो आपने अधिसूचना के नाम पर ठगा, सत्ता गई तो आप सत्ता के साथ दूसरी सत्ता में चले गए, कोई बात नहीं। आप सत्ता में रहकर रैली निकाल रहे हो, आप सत्ता में हो सीधा आरक्षण दिलवाओ।

प्रदेश के बारां जिले में सहरिया जाति को अलग से आरक्षण दिया गया है। इसी प्रकार राजस्थान में क्षेत्रीय आधार पर आरक्षण की मांग कर रहे हैं। अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है। आरक्षण हमारा अधिकार है और इसे लेकर रहेंगे।

अब भारत आदिवासी पार्टी के सांसद और विधायक तय करेंगे कि आरक्षण कब और कैसे लेना है। कॉलेज मैदान से कलक्ट्रेट तक रैली निकाली। अंत में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

रोत ने कहा कि 'अधिकारियों सुधर जाओ, नहीं तो सुधार देंगे।' जब भी आदिवासी समाज कोई आंदोलन करता है तो कानून के नाम पर डराया जाता है। कहते हो मुकद्दमा दर्ज कर लेंगे। सुधर जाओ नहीं तो कानून के हिसाब से ही सुधार देंगे। 'पैसा एक्ट' लागू होकर रहेगा। इस लागू कराना हमारी प्राथमिकता है।

मध्यप्रदेश से आए सैलाना के विधायक कमलेश डोडियार ने कहा कि एमपी का पानी माही में आता है।

9 जनवरी तक पूरी हो जाएगी जिलाध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया - मदन राठौड़

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा विश्व की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां एक निश्चित समय बाद बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक निर्वाचन पद्धति के आधार पर बनाए जाते हैं। वर्तमान में भी पार्टी में संगठन पर्व निर्वाचन प्रक्रिया चल रही है। बूथ समिति का निर्विरोध प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब मंडल अध्यक्षों की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। इसके बाद 8 से 9 जनवरी तक जिला अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

राठौड़ ने जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष पद पर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से कराने के लिए गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्षों के निर्वाचन के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद की चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी और इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाएंगे, फिर कार्यकारिणी बनाई जाएगी और कार्यों का वितरण होगा तब कार्यों के विभाजन के साथ पार्टी प्रमुख नियुक्त किए जाएंगे। पार्टी में कार्यकर्ता मजबूती से कार्य करें, क्षेत्र में अपने संपर्क व्यापक बनाएं और देशहित व समाज हित की भावना के साथ सबके विकास में सहयोग करें, इसी धारणा के साथ सभी को कार्य विभाजन किया जाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश में विपक्ष की भूमिका में कांग्रेसी नेताओं को केवल आंदोलन ही करना है। गहलोत और पायलट गत सरकार में भी व्यवस्थित रूप से कार्य नहीं कर पाए और अब विपक्ष में रहकर भी विपक्ष की भूमिका सही नहीं निभा पा रहे हैं। गहलोत सरकार के सभी फैसले या तो चंद लोगों को खुश करने वाले थे या फिर जनता के खिलाफ थे। उन्होंने एक विधानसभा वाले क्षेत्र को जिला बना दिया, जबकि कहीं 8 से 11 विधानसभा वाला क्षेत्र जिला है, कहीं 3.5 लाख जनसंख्या पर जिला बना दिया तो कहीं 22 लाख की जनसंख्या पर जिला है। ऐसे में उनके निर्णय अप्रासांगिक और अतार्किक थे।

उन्होंने आगामी बजट को लेकर कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पहले बजट में चुनावी घोषणों को शामिल करते हुए उन्हें पूरा करने की दिशा में कार्य किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के संकल्प पत्र में से करीबन 50 फीसदी वादों को पूरा कर दिया और शेष वादों को भी पूरा करने के लिए कार्य योजनाओं को तैयार कर रहे हैं।

फिर हुआ पेपर लीक

14 लोगों को किया गिरफ्तार

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस ने नेशनल सीड्स कारपोरेशन की ऑनलाइन परीक्षा लीक मामले में बड़ा खुलासा किया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ और डीसीपी वेस्ट अमित कुमार बुडानिया ने प्रेसवार्ता में बताया कि गिरोह से जुड़े 25 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में 8 को वेस्ट जिला पुलिस और 6 को एसओजी ने पकड़ा है।

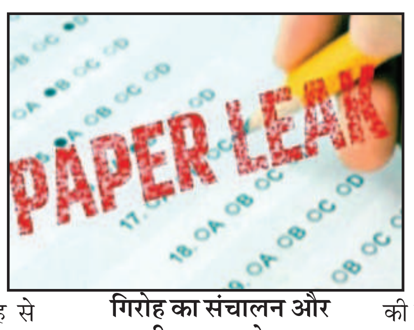

गिरोह का संचालन और तकनीक का इस्तेमाल

जांच में पता चला है कि गिरोह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों के कर्मचारियों से सांठगांठ कर ऑनलाइन परीक्षा के सिस्टम को हैक किया। यह गिरोह हाईटेक तरीकों से परीक्षा के पेपर लीक करता था, जिससे कई अभ्यर्थी प्रभावित हुए। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है और अन्य ठिकानों पर पुलिस की रेड चल रही है।

ठिकानों पर दी दबिश

पुलिस ने गिरोह के सदस्यों की पहचान कर उनके ठिकानों पर दबिश दी। जयपुर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा उपायों को सख्त करने की सिफारिश की गई है।

डोटासरा बोले- संभाग छीना, आपके काकाजी का राज है क्या?

हम ईंट से ईंट बजा देंगे; जूली ने कहा- भाजपा सरकार ने जनता से तोहफा छीना

बांसवाड़ा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- बांसवाड़ा संभाग को खत्म करने के विरोध में हम सड़क से लेकर सदन तक ईंट से ईंट बजा देंगे। विधानसभा में भी हम मुद्दा उठाएंगे। ये पर्ची से चलने वाली सरकार है, जिनका खुद का विवेक नहीं है। चाहे कितना ही लंबा आंदोलन चले, हम बांसवाड़ा को संभाग का अधिकार दिलाकर रहेंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राजस्थान में ऐसी सरकार आई है, जिसने पिछली सरकार का दिया तोहफा जनता से छीन लिया।

डोटासरा और जूली सोमवार को बांसवाड़ा को संभाग खत्म करने के खिलाफ हुई कांग्रेस की आक्रोश सभा को संबोधित कर रहे थे। डोटसरा ने कहा- राजस्थान सरकार ने जिले और संभाग खत्म कर दिए, आपके काकाजी का राज है क्या? आप तो ट्रस्टी हो।

डोटासरा ने कहा- महेंद्र जीत मालवीय जब कांग्रेस में थे तो बांसवाड़ा को संभाग बनाए जाने पर ढोल बजाकर स्वागत किया था। उनकी नेतागिरी जनता की वजह से चमकी है। वे किसी भी पार्टी के साथ रहें, नेता का धर्म बनता है कि बांसवाड़ा का अधिकार कोई छीने तो ईंट से ईंट बजा दे। ऐसा माद्दा होना चाहिए। यह कांग्रेस की लड़ाई नहीं है, यहां के आदिवासियों, माताओं-बहनों, युवाओं और छत्तीस कौम के स्वाभिमान की लड़ाई है।

उन्होंने कहा- बांसवाड़ा के संभाग बनने से यहां के 36 कौम के लोगों को लाभ मिलने लगा था। लोगों को संभाग के काम से उदयपुर जाना पड़ता था। वे सारी सुविधाएं बांसवाड़ा में मिलने लगी थी। जिस धरती पर हरिदेव जोशी ने काम कराए, मानगढ़ में जहां आदिवासियों ने प्राण न्योछावर किए, उस धरती को नमन करने के बजाए भाजपा ने संभाग का दर्जा छीन लिया।

डोटासरा ने कहा- बांसवाड़ा को संभाग बनने का अधिकार था। भाजपा ने इसे वापस छीन लिया, ये महंगा पड़ेगा। बामनिया कह रहे थे कि एक नेता (महेंद्र जीत मालवीय) ने कहा था कि बांसवाड़ा से कांग्रेस खत्म हो जाएगी। उनकी बिसात ही क्या है, पीएम नरेंद्र मोदी कह रहे थे कि कांग्रेस खत्म हो जाएगी, लेकिन राहुल गांधी सीना तानकर संसद में खड़े हैं। हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 87 साल की उम्र में पीएम मोदी और अमित शाह को चैलेंज करते हैं।

भाजपा ने राजस्थान में पर्ची से सीएम बना दिया। पर्ची से फैसले हो रहे हैं।

संभाग खत्म कर दिया, जिले खत्म कर दिए, इंग्लिश मीडियम स्कूल, बच्चों की स्कॉलरशिप, बुजुर्ग पेंशन, मुफ्त राशन खत्म कर दिया। आपके काकाजी का राज है क्या, आप तो ट्रस्टी हो। सवा साल तो गया, धेले का काम किया हो तो बताओ।

लोकसभा चुनाव में भारत आदिवासी पार्टी को दिए समर्थन के मुद्दे पर डोटासरा ने कहा- हमने बीजेपी को निपटाने के लिए उनका समर्थन लिया। उन्होंने कहा कि हम मर जाएंगे, लेकिन भाजपा नीति और उनकी सरकारों के साथ नहीं जाएंगे। अगर वो अपनी बात पर अडिग है तो साथ में हैं। अगर साथ में नहीं है, तो वो उनका अपना राजनीतिक निर्णय है।

उन्होंने कहा कि आगामी कोई भी चुनाव हो, चाहे पंचायत राज का या निकाय का, कांग्रेस पार्टी खुद ही चुनाव 100 फीसदी लड़ेगी।

फिर बदला मौसम, आईएमडी ने दी बारिश की चेतावनी, स्कूलों की छुट्टियां बढ़ीं

जयपुर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम लगातार बदल रहा है। दिसंबर में कड़ाके की ठंड के बाद जनवरी की शुरुआत में तापमान बढ़ा लेकिन बीते 24 घंटों में मौसम ने फिर से पलटी खाई है। अत्यधिक ठंड एवं शीतलहर को देखते हुए भरतपुर जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने जिले में एक से आठवीं तक के विद्यालय में 9 जनवरी तक अवकाश घोषित किया है इस दौरान अध्यापक स्टाफ नियमित उपस्थित रहेंगे।

आज राजस्थान के 19 जिलों में कोहरे की चेतावनी है। इनमें से 15 जिलों में अति घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी के तौर पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं शेष 4 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट दिया गया है। इतना ही नहीं प्रदेश में जल्द ही एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ फिर से सक्रिय होता नजर आ रहा है। इसके प्रभाव से प्रदेश में बारिश होगी। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 10 से 12 जनवरी के बीच प्रदेश के बीकानेर, भरतपुर और जयपुर संभाग में वर्षा हो सकती है। पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो उत्तरी राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ समेत पूर्वी राजस्थान के जिलों में घना कोहरा रहा। इस कारण इन शहरों में कल दिन का अधिकतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। राज्य में कल गंगानगर में सबसे ठंडा दिन रहा, जहां दिन का अधिकतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, वहीं टोंक जिले के वनस्थली में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री दर्ज किया गया। कोहरे के कारण यहां सुबह से लोगों को सूरज के दर्शन नहीं हुए। दिन में हवा चली और कड़ाके की सर्दी रही। हनुमानगढ़ जिले में भी कल अधिकतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कई जिलों में आर्द्रता की मात्रा 90 से 100 प्रतिशत के बीच पहुंच गई है जो जल्द ही बारिश के संकेत हैं। राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां 10 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

डंपर ने मारी बाइक को टक्कर, दर्दनाक सड़क हादसे में दंपति और दो बच्चों की मौत

जालौर, 6 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के सायला थाना क्षेत्र में पोषणा-उनडी रोड पर हुए एक सड़क हादसे में बजरी से भरे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पति-पत्नी और उनके दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसा शनिवार शाम करीब 6 बजे हुआ। बावतरा गांव निवासी उत्तमपुरी गोस्वामी (32), उनकी पत्नी पिंटा देवी (30), और उनके दो बच्चे हेमराज (5) व चिंटू (8) बाइक पर कोरा गांव में एक शोकसभा में शामिल होने जा रहे थे। घटना के बाद डंपर चालक फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की सहायता से मृतकों के शवों को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने डंपर जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। थानाधिकारी महेंद्रसिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर जमा आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शवों को हटाने और डंपर चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

हैदराबाद चिप निर्माण उद्योग के लिए आदर्श : मंत्री

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री श्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद सेमीकंडक्टर (चिप निर्माण) और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। सोमवार को पीटीडब्ल्यू ग्रुप के एशिया डिवीजन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान, मंत्री ने सेमीकंडक्टर से संबंधित परिचालन स्थापित करने के लिए शहर के रणनीतिक लाभों पर प्रकाश डाला। पीटीडब्ल्यू ग्रुप, जो सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए उपकरण, घटक, नवीनीकरण, स्वचालन और उपकरण आपूर्ति में माहिर है, का वर्तमान में सिंगापुर में क्षेत्रीय मुख्यालय है। मंत्री श्रीधर बाबू ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार क्षेत्र में उनके सेटअप को सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी नीतियों के तहत प्रोत्साहन और सब्सिडी प्रदान करने के लिए तैयार है। मंत्री ने टिप्पणी की, "हैदराबाद में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आवश्यक कुशल प्रतिभा पूल है। यहां विशेषज्ञता की कोई कमी नहीं है।" उन्होंने कंपनी को ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए स्वागत किया, उनके उद्यम का समर्थन करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए हैदराबाद में सेमीकंडक्टर क्लस्टर बनाने पर सरकार के फोकस पर भी जोर दिया। अपनी योजनाओं के बारे में बात करते हुए, पीटीडब्ल्यू एशिया के प्रबंध निदेशक श्री टॉर्स्टन सेफ्राइड ने कहा कि कंपनी उत्पादन सुविधा स्थापित करने के पहले चरण में <1,000 करोड़ का निवेश करने के लिए तैयार है। यह पहल भारत की सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। बैठक में कंपनी के स्थानीय भागीदार, बारट्रोनिक्स के प्रबंध निदेशक श्री विद्यासागर रेड्डी और सिंगापुर स्थित परामर्श फर्म टॉप2 पीटीई लिमिटेड के सीईओ श्री राव पनीदापु के साथ चर्चा भी शामिल थी। तेलंगाना सरकार की सक्रिय नीतियां, कुशल कार्यबल और मजबूत बुनियादी ढांचा हैदराबाद को वैश्विक सेमीकंडक्टर फर्मों के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनाता है, जो अत्याधुनिक उद्योगों के लिए एक केंद्र के रूप में शहर की स्थिति की पुष्टि करता है।

कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध में लिप्त होने का आरोप

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के खिलाफ राजनीतिक रूप से उकसावे वाली कार्रवाई के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह विपक्ष की आवाज दबाने और झूठे मामले बनाने की कोशिश कर रही है।

कोडंगल के पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी के मामले का हवाला देते हुए बीआरएस नेताओं ने कहा कि पूछताछ की आड़ में झूठे साक्ष्य तैयार करने और फर्जी बयान दर्ज करने का प्रयास किया जा रहा है।

एसीबी ने फॉर्मूला-ई रेस में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के खिलाफ जो मामला दर्ज किया है, वह झूठा है। जब एसीबी ने पूछताछ के लिए रामा राव को बुलाया, तो एक कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में, वे अधिकारियों के सामने पेश हुए, लेकिन उनके वकील को अनुमति न देने के पीछे क्या कारण था, उन्होंने सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पूछा। पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने कहा कि केटी रामा राव का यह अधिकार है कि वह अपने वकील की मौजूदगी में पूछताछ पर जोर दें। पुलिस उन्हें उनके अधिकार से कैसे वंचित कर सकती है।

बीआरएस ने कांग्रेस सरकार से सवाल किया कि वह विधानसभा में फार्मूला-ई रेस पर चर्चा कराने के लिए तैयार क्यों नहीं है। जगदीश रेड्डी ने मांग की कि क्या मुख्यमंत्री जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर फॉर्मूला-ई रेस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं? अगर नहीं, तो इस मामले पर मीडिया की मौजूदगी में खुली बहस आयोजित की जानी चाहिए।

सीएम रेवंत ने जू पार्क-आरामघर फ्लाईओवर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद में जू पार्क-आरामघर फ्लाईओवर का आधिकारिक उद्घाटन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पीवीएनआर एक्सप्रेस हाईवे पर सबसे बड़ा फ्लाईओवर पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने कांग्रेस शासन के दौरान बनवाया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार ने शहर के दूसरे सबसे बड़े फ्लाईओवर का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे पिछली कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों के साथ प्रतिस्पर्धा हो रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता संभालने के बाद से कांग्रेस सरकार समुदाय के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए लगन से काम कर रही है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार हैदराबाद शहर के विकास को बढ़ाने के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ सहयोग कर रही है। हम केवल चुनाव अवधि के दौरान राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं, फिर भी हम हैदराबाद की उन्नति के लिए सभी हितधारकों के साथ एकजुट होते हैं।

क्षेत्रीय रिंग रोड का पूरा होना तेलंगाना के आगे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह शहर कोई प्राचीन शहर नहीं है, बल्कि यह मूल शहर है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार मीर आलम टैंक पर एक केबल ब्रिज का निर्माण शुरू करेगी, जिसका उद्देश्य इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल में बदलना है। हम विकास के लिए धन आवंटित करने के लिए तैयार हैं, जिसमें परियोजना के पूरा होने की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की होगी।

इसके अलावा, गोशामहल में नए उस्मानिया अस्पताल की आधारशिला निकट भविष्य में रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने आगामी फ्लाईओवर का नाम पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में रखने का प्रस्ताव रखा, जिनका हाल ही में निधन हो गया।

महिला सुरक्षा विंग का लिंग संवेदनशीलता पर पायलट परियोजना का शुभारंभ

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लिंग असमानता, महिलाओं के खिलाफ अपराध और लिंग आधारित हिंसा की बढ़ती चिंताओं से निपटने के प्रयास में, तेलंगाना पुलिस विभाग की महिला सुरक्षा विंग ने स्कूलों में लिंग संवेदनशीलता के उद्देश्य से एक पायलट परियोजना शुरू की है। यह पहल जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से अपराध की रोकथाम के महत्व पर जोर देती है। शुभारंभ समारोह में, महिला सुरक्षा विंग की महानिदेशक शिखा गोयल ने लिंग संवेदनशीलता पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम के पोस्टर का अनावरण किया और कहा कि यह कार्यक्रम हैदराबाद के तीन चयनित स्कूलों यानी जेडपीएचएस उप्पल, नागोल और रामंतपुर के 8वीं और 9वीं कक्षा के 1,036 छात्रों को लिंग समानता, लिंग आधारित हिंसा और स्वस्थ लिंग संबंधों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रशिक्षित करेगा। शिखा गोयल ने अपना दृष्टिकोण साझा किया कि व्यक्तित्व विकास अकादमिक विकास से परे है। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों के लिए स्वस्थ पारस्परिक संबंधों और मानवीय मूल्यों के बारे में सीखना उनके समग्र विकास का हिस्सा होना आवश्यक है।

बर्ड फ्लू से तीन बाघों और एक तेंदुए की मौत

कुमरमभीम आसिफाबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संतरानगरी में इन दिनों हड़कंप मचा हुआ है। राज्य में पहली बार बर्ड फ्लू से हुई तीन बाघों और 1 तेंदुए की मौत ने पूरे वन विभाग को हिलाकर रख दिया। इसलिए सभी चिड़ियाघरों, ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटरों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। चूंकि यह वायरस हवा से फैलता है, इसलिए संभावना है कि यह इंसानों के लिए भी खतरा हो सकता है। इसीलिए गोरेवाड़ा रेस्क्यू सेंटर में सभी जंगली जानवरों की जांच और रखरखाव के लिए 6 पशु चिकित्सकों की एक टीम बनाई गई है। नागपुर पशुवैद्यकीय महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. शिरीष उपाध्याय के नेतृत्व में पिंजरों में बंद पक्षियों, जंगली जानवरों की जांच की गई। वन्यजीवों और पक्षियों का नमूना लिया गया है।

सैंपल लिए गए उनकी जांच रेस्क्यू सेंटर की प्रयोगशाला में की जाएगी। ज्ञात हो कि गोरेवाड़ा रेस्क्यू सेंटर में उपचार के दौरान हुई बाघों और तेंदुए की मौत के बाद उनके नमूने जांच के लिए भोपाल की पशु चिकित्सा प्रयोगशाला भेजे गए थे। रिपोर्ट में बर्ड फ्लू के कारण मौत सामने आने के बाद अब गोरेवाड़ा रेस्क्यू सेंटर प्रबंधन ने कड़े कदम उठाए हैं। रेस्क्यू सेंटर में पांच प्रजातियों की जांच की गई है।

पशुचिकित्सक द्वारा इनके सैंपल भी ले लिए गए हैं। इसमें 12 बाघ, 24 तेंदुए, चील, दो भालू और तोते शामिल हैं। नमूने लेते समय पशुचिकित्सक द्वारा विशेष एहतियात के तौर पर पीपीई किट का उपयोग किया गया। मुख्य वन्य जीव रक्षक डॉ. विवेक खांडेकर ने कहा कि यह पहली बार है कि इस तरह के वायरस से बाघों की मौत हुई है। इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जंगली जानवरों से इंसानों को कोई नुकसान न हो और इसका प्रकोप न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में भी विशेष अलर्ट दिया गया है।

रेसक्यू सेंटर जाने पर प्रतिबंध

गोरेवाड़ा प्रोजेक्ट के डिवीजनल मैनेजर शतानिक भागवत ने कहा गोरेवाडा रेस्क्यू सेंटर और प्राणी संग्रहालय के लिए अलग-अलग पशु चिकित्सक है। इस घटना के पश्चात प्राणी संग्रहालय के डॉक्टरों को रेस्क्यू सेंटर में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं रेस्क्यू सेंटर के डॉक्टरों को भी क्वारंटाइन कर दिया गया है। जंगली जानवरों में बर्ड फ्लू के संक्रमण से बचने के लिए प्राणी संग्रहालय का दौरा करने से लेकर नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं।

कनाडा के पीएम ट्रूडो का इस्तीफा

कहा- मैं अगले चुनाव के लिए अच्छा विकल्प नहीं पार्टी सांसदों की तरफ से पद छोड़ने का दबाव था

ओटावा, 6 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार शाम को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी के नेता पद भी छोड़ दिया। इस्तीफे से पहले उन्होंने देश को संबोधित किया। कहा कि वे अगले चुनाव के लिए अच्छे विकल्प नहीं हो सकते।

ट्रूडो ने कहा, अगर मुझे घर में लड़ाई लड़नी पड़ेगी, तो आने वाले चुनाव में सबसे बेहतर विकल्प नहीं बन पाऊंगा। उन्होंने खुद को एक अच्छा योद्धा बताया। कहा कि उन्हें कनाडाई लोगों की बहुत परवाह है। मैं हमेशा कनाडाई लोगों की भलाई के लिए काम करता रहूंगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम ट्रूडो प्रधानमंत्री के पद पर तब तक बने रहेंगे जब तक उनका उत्तराधिकारी नहीं चुन लिया जाता। उनकी सरकार का कार्यकाल अक्टूबर तक था। इस्तीफे के बाद अब जल्द चुनाव हो सकते हैं। वे नवंबर 2015 से देश के प्रधानमंत्री थे।

भारतीय मानक ब्यूरो और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच एमएयू पर हस्ताक्षर

78वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण पहल

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल ने 6 जनवरी को एनआईटी वारंगल परिसर में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से बीआईएस के 78वें स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया। इस समारोह में उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव श्रीमती निधि खरे और बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

समझौते पर पी.वी. श्रीकांत, निदेशक और प्रोफेसर बिद्याधर सुवुधि, निदेशक, एनआईटी वारंगल ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर

संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान पी.वी. श्रीकांत ने कहा कि यह समझौता शिक्षण संस्थानों और राष्ट्रीय मानक निकाय के बीच एक मजबूत साझेदारी का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सहयोग अनुसंधान, नवाचार और छात्रों में मानकीकरण की समझ को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि एनआईटी वारंगल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ यह साझेदारी छात्रों और शोधकर्ताओं को मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन की प्रक्रियाओं से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

प्रोफेसर बिद्याधर सुवुधि ने कहा कि यह समझौता शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के बीच सेतु का कार्य करेगा। यह साझेदारी छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों से परिचित कराएगी और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाएगी।

कुमावत प्रीमियर लीग-9 क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

कुमावत यंगस्टरर्स ने जमाया ट्रॉफी पर कब्जा

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित विजय आनन्द क्रिकेट ग्राउंड में समस्त कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान मे कुमावत समाज प्रीमियर लीग-9 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 5 जनवरी प्रात: कुमावत यन्ग स्टार व कुमावत चैम्पियन स्टार के मध्य फाईनल मुकाबला खेला गया। जिसमे कुमावत यंगस्टरर्स की टीम शानदान प्रदर्शन करते हुए

विजेता रही।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक ने बताया कि हर वर्ष की भांति कुमावत समाज प्रीमियर लीग-9 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन समाज की 8 टीमों के मध्य किया गया। प्रतियोगिता का फाईनल मुकाबला रविवार 5 जनवरी प्रात: 10.15 बजे से खेला गया। जिसमे कुमावत चैम्पियन स्टार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ऑवर मे 6 विकेट के नुकसान पर 173 रनों का स्कोर बनाया। रनों का पीछा करते हुए कुमावत यंगस्टरर्स 6 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाकर विजेता रही। शानदार प्रदर्शन के लिए नरेश कुमावत को मैन ऑफ दी मैच

दिया गया। मैच समाप्ति के पश्चात पधारे अतिथियों व स्पॉन्सरों का सम्मान समारोह व पारितोषिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सर्वप्रथम आयोजकों द्वारा कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विधायक टी. राजासिंह, मिराक्युलेस वेलनेस प्रा.लि. सीईओ केसाराम कुमावत, समाज बन्धुओं व प्रतियोगिता के लाभार्थीयों को मंच पर आमंत्रितकर का राजस्थानी साफे, मोमेन्टों से विशेष सम्मान किया गया।

मुख्यअतिथि व ट्रॉफी स्पॉसर दीपक जकिया के करकमलों द्वारा प्रतियोगिता के बेस्ट फील्डर का पुरस्कार ओमकार दुबलदिया, बेस्ट बॉलर राकेश खुदाल, बेस्ट बैट्समैन नरेश खुदाल, मैन ऑफ दी सीरीज का पुरस्कार राकेश खुदाल एवं शतक वीर का पुरस्कार ए.के.पटेल को दिया गया।

प्रतियोगिता की विजेता टीम कुमावत यंगस्टरर्स को 51000/- नगद, ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम कुमावत चैम्पियन स्टार को 31000/- नगद व ट्रॉफी प्रदान

की गयी। कार्यक्रम मे पधारे सभी खिलाड़ियों व समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम मे पधारे मुख्यअतिथि केसाराम कुमावत ने अपने सम्बोधन मे प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर कुमावत समाज के आयोजकों एवं खेल को खेल की भावना से खेलने पर सभी खिलाड़ियों एवं कार्यक्रम के लाभार्थीयों को शुभकामनाएं दी। अवसर पर आयोजकों ने कार्यक्रम मे पधारे सम्मानित अतिथियों, खिलाड़ियों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया। एवं बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता आयोजित करने से समाज की एकता व युवा खेल प्रतिभाएं उभरकर सामने आती है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजक वासुदेव, ओमकार, प्रकाश, पारस, राजुराम, नेमीचन्द कुमावत व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता के सभी मैचों का सीधा प्रसारण युट्युब पर एचपीएल एवं साउंड की व्यवस्था भवानी साउंड द्वारा की गयी। आयोजक ओमकार कुमावत के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

सैन्य इंजीनियर सेवा अधिकारियों के लिए फाउंडेशन कोर्स शुरू

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने 6 जनवरी, 2025 को सैन्य इंजीनियर सेवा (एमईएस) कार्यालयों के लिए फाउंडेशन कोर्स शुरू किया। इस कोर्स को कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग, पुणे द्वारा प्रायोजित किया गया है। डॉ. शशांक गोयल महानिदेशक, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव, जो मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि एमईएस अधिकारियों की भूमिका बहुआयामी और राष्ट्र की रक्षा क्षमताओं का समर्थन करने में दूरगामी है। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, यथास्थिति अतीत की बात हो गई है और निरंतर परिवर्तन एक वास्तविकता बन गई है, और इस परिदृश्य में, यह महत्वपूर्ण है कि एमईएस अधिकारी वक्र से आगे खड़े हों। अब आपसे परिवर्तन एजेंट बनने, नवाचार को आगे बढ़ाने और नई तकनीकों और प्रबंधकीय कौशल को अपनाने की उम्मीद की जाती है। एमईएस में आपकी भूमिका केवल एक पेशे की नहीं है, बल्कि एक टीम लीडर की है जो हमारे महान राष्ट्र की रक्षा तैयारियों को उच्चतम स्तर पर रखता है। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि फाउंडेशन कोर्स एमईएस अधिकारियों को नीति-निर्माण, लोक प्रशासन और प्रभावशाली सेवा वितरण के लिए आवश्यक उपकरणों की मजबूत समझ प्रदान करेगा। क्लास रूम सत्रों के अलावा, फाउंडेशन कोर्स अपने साथ सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला लाता है। गांवों और स्थानीय निकायों का दौरा, ट्रेक, खेल मीट, एफईटीई और सांस्कृतिक कार्यक्रम एमईएस अधिकारियों के समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने में बहुत सहायक होंगे। कर्नल जे सतीश भारद्वाज, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, आर एंड डी, सिकंदराबाद ने कहा कि अधिकारियों को डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे एमईएस का एक आवश्यक घटक बनें, इसके संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दें, हमारे सैन्य बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करें और विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करें।

मानू में एसपीएसएस पर कार्यशाला शुरू

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र ने आज सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकी पैकेज पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू की। उद्घाटन सत्र में बोलते हुए, यूजीसी-एमएमटीटीसी की निदेशक, प्रो. सनीम फातिमा ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है और सामाजिक विज्ञान में शोध करने के लिए सॉफ्टवेयर एक आवश्यक उपकरण है। देश भर से 45 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को इंटरफ़ेस और डेटा प्रबंधन को समझना, उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों को सीखना, शोध संदर्भों में सांख्यिकीय विधियों को लागू करना और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन और व्याख्या में कौशल विकसित करना है।

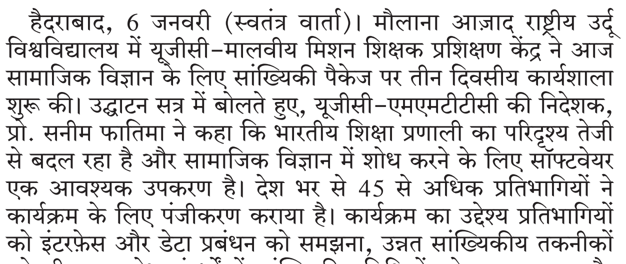

लांबिया स्थित एक शाम संत श्री गुलारामजी महाराज के नाम 57 वें वार्षिक मेले व सत्संग महोत्सव में सम्मानित अतिथि सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा का पुष्प-माला, शॉल व मोमेन्टों से स्वागत करते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष मोहनलाल-पोनीबाई भायल, व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

इंडिया गेट का ...

इंडिया गेट राजधानी दिल्ली में बना वॉर मेमोरियल है। इसे प्रथम विश्व युद्ध और अफगान युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की याद में बनाया गया था। 1914-1921 के दौरान हुए पहले विश्व युद्ध और तीसरे अफगान युद्ध में 70 हजार से ज्यादा भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। इंडिया गेट पर 13 हजार 516 सैनिकों के नाम उकेरे हुए हैं। उनमें से कई ब्रिटिश भारत के सैनिक थे।

इंडिया गेट 1921 में बनना शुरू हुआ था और 1931 में पूरा हुआ। इसे ब्रिटिश आर्किटेक्ट सर एडविन लुटियंस ने डिजाइन किया था। इंडिया गेट की ऊंचाई 42 मीटर है। इसे लाल और हल्के पीले बलुआ पत्थरों से बनाया गया है।

पीएम ने चेर्लापल्ली ...

जी. किशन रेड्डी केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे परिवहन क्षेत्र के साथ-साथ राष्ट्र की जीवन रेखा है। इसने स्टेशन विकास, नई लाइनों, दोहरीकरण, तिहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं के साथ एक बड़ा परिवर्तन देखा है। वी. सोमन्ना केंद्रीय रेल राज्य मंत्री; जल शक्ति ने कहा कि चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन का उद्घाटन एक ऐतिहासिक अवसर और एक नया मील का पत्थर है। भारतीय रेलवे प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। बंडी संजय कुमार केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण रेलवे, राजमार्ग और विमानन क्षेत्रों के विकास पर केंद्रित है। तेलंगाना क्षेत्र में 32000 करोड़ रुपये के रेलवे बुनियादी ढांचे के काम प्रगति पर हैं। अरुण कुमार जैन ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि चेर्लापल्ली न्यू रेलवे टर्मिनल के लिए विकास कार्य लगभग 413 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हो चुका है। स्टेशन में अतिरिक्त 15 जोड़ी ट्रेन सेवाओं को संभालने की क्षमता होगी। पुनर्विकसित स्टेशन में 4 अतिरिक्त उच्च-स्तरीय प्लेटफ़ॉर्म होंगे, जबकि मौजूदा 5 प्लेटफ़ॉर्म को भी पूरी लंबाई की ट्रेनों को समायोजित करने के लिए बढ़ाया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत का अगला टेस्ट कप्तान कौन : रोहित का हटना तय

बुमराह की फिटनेस परेशानी; क्या कोहली को फिर मिलेगी कमान?

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 10 साल बाद सीरीज हार का सामना करना पड़ा। सिडनी में भारत ने 6 विकेट से पांचवां टेस्ट गंवाया और सीरीज 3-1 से होम टीम के नाम हो गई। कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली दोनों सीरीज हार चुके हैं।

रोहित ने पांचवें टेस्ट में खुद को रेस्ट भी दिया, टेस्ट में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उनकी कप्तानी जाना तय है। जसप्रीत बुमराह उप कप्तान हैं, लेकिन उनका इंजर्ड रहना टीम के लिए परेशानी बन सकता है। विराट कोहली 3 साल पहले कप्तानी छोड़ चुके हैं, लेकिन सिडनी में उन्होंने बुमराह की गैरमौजूदगी में बेहतरीन कप्तानी की थी।

रोहित का बाहर होना तय क्यों?

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से टेस्ट सीरीज हार गई। भारत 12 साल बाद घर में कोई टेस्ट सीरीज हारा था। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने 3 बार कप्तानी कप्तानी और 2 मैचों में टीम को हार मिली। बारिश के कारण तीसरा मैच ड्रॉ रहा। इसी के साथ भारत को BGT में भी 10 साल बाद सीरीज हार का सामना करना पड़ा।

रोहित की कप्तानी जारी रखने में सबसे बड़ा रोल उनकी बैटिंग का भी है। जो इस वक्त बहुत खराब चल रही है। ऑस्ट्रेलिया में वह 31 रन ही बना सके। 2024 में तो वह 10 बार सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हुए। जिस कारण उन्हें सिडनी में खुद को ड्रॉप करना पड़ा। बुमराह और कोहली ने उनसे बेहतर कप्तानी की, ऐसे में रोहित का टेस्ट कप्तान बने रहना बहुत मुश्किल है।

बुमराह के कप्तान बनने में क्या परेशानी?

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका।

बुमराह हमेशा ही फिटनेस से जूझते रहते हैं, 2022 में आखिरी बार इंजर्ड होने के बाद वह करीब 15 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें लंबी टेस्ट सीरीज के दौरान 1-2 मैच का रेस्ट देना भी जरूरी होता है। भारत में तो जीतने के लिए बुमराह का सभी मैच खेलना जरूरी भी नहीं है। इसलिए उन्हें परमानेंट कप्तान नहीं बनाया जा सकता। फिर भी अगर वह कप्तान बने तो टीम को 1 या 2 उप कप्तान बनाने होंगे, जो बुमराह की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभालते रहे।

ऋषभ पंत टेस्ट टीम के परमानेंट परफॉर्मर

भारत की मौजूदा टीम में 3 ही प्लेयर्स ऐसे हैं, जिनकी प्लेइंग-11 में जगह खतरे में नहीं दिखती।

जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत। यशस्वी फिलहाल बहुत युवा है और पंत पिछले 6 साल में दुनिया के बेस्ट विकेटकीपर बैटर बन चुके हैं।

पंत इस फॉर्मेट में टीम के लिए कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके हैं। सिडनी में भी मुश्किल पिच पर उनकी ही पारियों से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को सम्मानजनक टारगेट दिया था। उन्हें कप्तान बनाना थोड़ा रिस्की हो सकता है, क्योंकि उनकी बैटिंग भी बहुत रिस्की होती है। हालांकि, भारत अगर उन्हें कप्तान बनाए तो टीम को उनकी बैटिंग की तरह ही शॉकिंग लेकिन पॉजिटिव रिजल्ट मिल सकते हैं।

शुभमन गिल को कप्तानी देना जल्दबाजी

शुभमन भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं, वह वनडे और टी-20 फॉर्मेट में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाल ली थी।

अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है। पिछले 5 सालों में दुनियाभर की पिचें बैटिंग के लिए मुश्किल रहीं, इसके बावजूद शुभमन ने बेहतरीन बैटिंग कर 5 शतक लगाए हैं। फ्यूचर ऑप्शन के रूप में शुभमन भी अच्छे ऑप्शन हैं।

क्या कोहली फिर संभालेंगे कमान?

विराट कोहली भारत के बेस्ट टेस्ट कप्तान हैं। 2020 में ICC ने उन्हें दशक की बेस्ट टेस्ट टीम का कप्तान भी बनाया था। वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाले भारत के पहले कप्तान हैं। उन्होंने 2018 में यह कारनामा किया था, टीम ने इसके बाद 2021 में भी ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीती थी। बुमराह के इंजर्ड होने के बाद कोहली ने सिडनी में भी कप्तानी की। उनकी अटैकिंग कप्तानी में टीम ने पहली पारी में अहम बढ़त ली। दूसरी पारी में भी कोहली ने ही कप्तानी की, लेकिन तेज गेंदबाज और टारगेट कम होने के कारण वह कंगारू बैटर्स पर दबाव नहीं बना सके।

कोहली के नाम एसईएनए देशों में 7 टेस्ट जीत है, जो एशिया के कप्तानों में सबसे ज्यादा है। कोहली ने जनवरी 2022 में कप्तानी छोड़ी थी, इसके बाद टेस्ट में भारत का बुरा दौर शुरू हो गया। इतना बुरा कि भारत 3 टीमों के खिलाफ घर में टेस्ट हार गया। बीजीटी में बढ़त के बावजूद हार मिली और न्यूजीलैंड जैसी टीम से घर में व्हाइटवॉश झेलना पड़ गया। न्यूजीलैंड इससे पहले भारत में कभी लगातार 2 टेस्ट भी नहीं जीत सका था।

हालांकि, कोहली का भी बैटिंग फॉर्म टेस्ट में पिछले 5 साल में कुछ खास नहीं रहा। वह 2 ही शतक लगा सके। साथ ही BCCI ने लंबे समय से किसी पुराने स्थाई कप्तान को फिर से कप्तानी भी नहीं दी है। कोहली 2 साल तक ही कप्तानी कर सकते हैं, बीसीसीआई को फिर नया कप्तान चुनना पड़ सकता है।

राहुल बन सकते हैं मजबूत उम्मीदवार

केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से ही बेहतरीन ओपनिंग और बैटिंग की। उन्होंने सीरीज में 30.66 की औसत से 276 रन बनाए। वह टॉप-5 स्कोरर में शामिल रहे। राहुल विदेश में पिछले 5 सालों से भारत के टॉप बैटर हैं।

राहुल को 3 मैचों में कप्तानी का अनुभव भी है, जिनमें 2 बार टीम को जीत मिली थी। अगर टीम मैनेजमेंट स्टैबल ऑप्शन को चुनने पर ध्यान दे तो राहुल से बेस्ट कप्तान कोई नहीं। उनकी कप्तानी कोहली और बुमराह जितनी अटैकिंग नहीं रहती, लेकिन वह रोहित जितने डिफेंसिव कैप्टन भी नहीं हैं। राहुल पर टेस्ट में दांव खेला जा सकता है।

पूर्व क्रिकेटर हरभजन ने सिलेक्शन पर सवाल उठाए

सिडनी में 2-स्पिन ऑलराउंडर क्यों खिलाए; इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलें भारतीय खिलाड़ी

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। 5 जनवरी को संपन्न बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। सिडनी में खेले गए आखिरी टेस्ट ढाई दिन में ही खत्म हो गई और भारत को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सिडनी टेस्ट खत्म होने के बाद टीम इंडिया पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के निशाने पर है।

पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम के चयन पर सवाल उठाए हैं और चयनकर्ताओं से अनुरोध किया है कि जून में इंग्लैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों का सिलेक्शन प्रदर्शन के आधार पर किया जाना चाहिए।

उन्होंने आखिरी टेस्ट में दो स्पिनर ऑलराउंडरों के खेलाने पर भी सवाल उठाया और रोहित और

विराट के रन नहीं बनाए जाने की भी आलोचना की।

हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का चयन खिलाड़ियों के कद को देखकर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों के घरेलू टूर्नामेंट और काउंटी क्रिकेट में खेलने की वकालत की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को सुनिश्चित करना चाहिए की सीनियर खिलाड़ी काउंटी क्रिकेट में खेलें।

आखिरी मुकाबले में दो स्पिनर रखे जाने पर सवाल उठाए

हरभजन ने सिडनी टेस्ट में दो स्पिनर ऑल राउंडर रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर रखे जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह को दूसरी इनिंग से पहले पीठ की इंजरी हुई, वह नहीं खेल सके। ऐसे में 162 रन के मामूली टारगेट के बचाव करने की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के कंधों पर था।

प्रसिद्ध इस सीरीज में पहला मैच खेल रहे थे। सिडनी की पिच पर दो स्पिन को प्लेइंग इलेवन में लेने का कोई मतलब नहीं था। उन्होंने गेंदबाजी भी नहीं की? उन्हें बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए टीम में रखा गया था। रवींद्र जडेजा ने मैच में सिर्फ तीन ओवर फेंके जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने दूसरी पारी के अंत में सिर्फ एक ओवर फेंका। अगर टीम में एक सीमर होता तो स्थिति कुछ और हो सकती थी।

रोहित और विराट के रन न बनाए जाने की भी आलोचना की

हरभजन ने सीरीज में रोहित और विराट के रन बनाए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों प्लेयर तब आउट हो गए जब टीम को इनकी जरूरत थी। उन्होंने कहा की इंग्लैंड दौरे से पहले टीम मैनेजमेंट को सीनियर प्लेयर को काउंटी क्रिकेट में खेलने का सुनिश्चित करना चाहिए।

स्मृति मंधाना बनीं टीम इंडिया की कप्तान

हरमनप्रीत कौर पर लिया गया बड़ा फैसला

मुंबई, 6 जनवरी (एजेंसियां)। स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान बना दिया गया है. आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उन्हें टीम की कमान सौंपी गई है. हरमनप्रीत कौर को सेलेक्टर्स ने आराम देने का फैसला किया है. हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को भी आराम दिया गया है. ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है. बता दें आयरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज 10 जनवरी से शुरू होगी.तीनों वनडे मैच निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट में खेले जाएंगे.

आयरलैंड के खिलाफ टीम इंडिया का स्क्वाड

स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका

रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रॉड्रिग्स, उमा छेत्री, ऋचा घोष, तेजल हसबैंस, राघवी बिष्ट, मिन्नु मानी, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तितास साधु, साइमा ठाकोर, सावली सतघरे.

स्मृति मंधाना को अब हर दूसरी सीरीज में टीम की कमान मिल रही है. हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने टीम की कप्तानी की थी. उस सीरीज में भी हरमनप्रीत कौर को आराम दिया गया था. अब एक बार फिर हरमनप्रीत कौर को आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में आराम दिया गया है. सेलेक्टर्स की ये रणनीति साफतौर पर इस ओर इशारा कर रही है कि अब वो स्मृति मंधाना को फुल टाइम कप्तान बनाने की सोच रहे हैं. मंधाना की अच्छी बात ये है कि कप्तानी मिलने के बाद वो दबाव में बिखरती नहीं हैं. वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के तीनों मैचों में मंधाना ने तीनों टी20 मैचों में अर्धशतक लगाया था. उन्होंने पहले टी20 में 54, दूसरे टी20 में 62 और तीसरे टी20 में 77 रनों की पारी खेल अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई थी. मंधाना ने सिर्फ टी20 सीरीज ही नहीं बल्कि वनडे सीरीज के शुरुआती दो मैचों में भी अर्धशतक ठोके थे. हालांकि तीसरे वनडे में वो 4 रन बनाकर आउट हो गई थीं. मंधाना की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 सीरीज में वेस्टइंडीज का 3-0 से क्लीन स्वीप किया था. वेस्टइंडीज का यही हाल वनडे सीरीज में भी हुआ था. अब आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी भारतीय फैंस को ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी.

भारत-आयरलैंड वनडे सीरीज का कार्यक्रम

पहला वनडे- 10 जनवरी, राजकोट
दूसरा वनडे- 12 जनवरी, राजकोट
तीसरा वनडे- 15 जनवरी, राजकोट

एशियाड स्वर्ण विजेता बहादुर सिंह होंगे नए एएफआई अध्यक्ष, अंजू बॉबी जॉर्ज होंगी वरिष्ठ उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। बुसान एशियाई खेलों में देश को स्वर्ण दिलाने वाले शॉटपुटर पद्मश्री बहादुर सिंह सागू भारतीय एथलेटिक महासंघ के नए अध्यक्ष होंगे। वह पूर्व ओलंपियन आदिल सुमारीवाला की जगह लेंगे। 67 वर्षीय सुमारीवाला के तीन कार्यकाल पूरे हो चुके हैं और वह आगे चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

उनके कार्यकाल में नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक का स्वर्ण और रजत जीता। सिडनी और एथेंस ओलंपिक में खेल चुके बहादुर को सात और आठ जनवरी को होने वाली सालाना आमसभा में निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाएगा। विश्व चैंपियनशिप की पदक

विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना जाएगा। वह अध्यक्ष के लिए दावेदारी पेश कर रही थीं, लेकिन उन्होंने नाम वापस ले लिया, जिसके चलते निर्विरोध चुनाव का रास्ता साफ हुआ।

1998 के एशियाड में दो स्वर्ण जीतने वाली ज्योर्तिमय सिकदर संयुक्त सचिव बनेंगी। संदीप मेहता एएफआई के नए महासचिव होंगे। 2010 के गुआंग झू एशियाड की स्वर्ण विजेता सुधा सिंह और 100 मीटर में राष्ट्रीय कीर्तिमानधारी रचिता मिस्त्री, हरजिंदर सिंह और प्रियंका भनोट कार्यकारिणी सदस्य होंगी। बहादुर सिंह की अगुवाई में 2036 तक के ओलंपिक की रूपरेखा खीची जाएगी।

भारत की हार के बाद बड़ा फैसला लेंगे आईसीसी चीफ जय शाह

अब बरसेगा पैसा ही पैसा

खेल डेस्क,, 6 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में खत्म हुई भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी ने जोरदार सफलता हासिल की. इस सीरीज को टीम इंडिया ने 1-3 से गंवा दिया लेकिन ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की सफलता को देखते हुए अब भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आईसीसी के साथ मिलकर टेस्ट क्रिकेट को बदलने के मूड में है. आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने भी इसके लिए कमर कस ली है. रिपोर्ट्स के मुताबिक अब भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया एक दूसरे से ज्यादा से ज्यादा टेस्ट मैच खेल सकते हैं. हालांकि इस तरह का बदलाव 2027 के बाद ही देखने को मिलेगा.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तरह

और ब्लॉकबस्टर सीरीज की मांग

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की सीधी सी चाहत है कि जिस तरह से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई ये बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी ब्लॉकबस्टर साबित हुई उसी तरह से भारत और इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच भी टेस्ट मैचों का जादू देखने को मिले. हालांकि इसके लिए आपस में अधिक से अधिक मैच खेलने की जरूरत है. अभी भी तीनों देशों के बीच टेस्ट मैच होते हैं लेकिन लंबे समय के अंतराल के बाद. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ICC के एजेंडे में टेस्ट क्रिकेट के लिए दो स्तरीय संरचना (2 टीयर स्ट्रक्चर) शामिल है. लेकिन इसे फ्यूचर टूर प्रोग्राम (एफटीपी) 2027 के बाद लागू किया जाएगा.

जय शाह कर सकते हैं मीटिंग

इस मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बैर्ड और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के चीफ रिचर्ड थॉम्पसन जनवरी के अंत में आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मुलाकात कर सकते हैं.

भारत के पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री भी आईसीसी के इस एजेंडे के समर्थन में है. उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के सिडनी टेस्ट के दौरान एसईएन से बात करते हुए कहा था, 'यदि आप चाहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट जीवित रहे और जीवंत और समृद्ध हो, तो मुझे लगता है कि यही रास्ता है. टॉप टीमें एक-दूसरे के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा खेलें. इनमें वाकई में प्रतियोगिता होती है, जो आप चाहते हैं'.

सबसे ज्यादा देखी गई भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) कथित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में अब तक की सबसे ज्यादा देखी गई टेस्ट सीरीज है.

हर मैच के दौरान दर्शकों ने रिकॉर्ड उपस्थिति दर्ज कराई थी. पर्थ-ब्रिसबेन से लेकर मेलबर्न-सिडनी तक हर मैच में दर्शकों का हुजूम देखने को मिला.

मुक्केबाजी को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए लवलीना ने उठाई आवाज

नई दिल्ली, 6 जनवरी (एजेंसियां)। मुक्केबाजी का जब ओलंपिक खेल के रूप में भविष्य अधर में लटका हुआ है तब भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने इस खेल को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाने की अपील की। मुक्केबाजी को लॉस एंजिलिस ओलंपिक के शुरुआती कार्यक्रम में जगह नहीं मिल पाई और इस खेल को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए प्रयास जारी हैं।

लवलीना अब विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) की नवगठित एशियाई इकाई के एथलीट आयोग का हिस्सा हैं। लवलीना ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से कहा- इस समिति में होना सौभाग्य की बात है क्योंकि निर्णय लेने में अब भारत की आवाज भी

सुनी जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुक्केबाजी की तकनीकी पहलुओं विशेष रूप से स्कोरिंग और जजिंग की निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है। लवलीना ने कहा- अभी तक भारत सिर्फ एक सामान्य सदस्य था जिसके पास विरोध जताने या व्यवस्था में खामी बताने के बहुत कम मौके होते थे। यह अब बदलने जा रहा है क्योंकि एशियाई निकाय में हमारे पास सात पद होंगे।

उन्होंने कहा- यह उन खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदे वाली बात है जो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए।

मुक्केबाजी को अगर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो लवलीना लगातार तीसरी बार इन खेलों का हिस्सा बनना चाहती हैं। उन्होंने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा था। लवलीना ने कहा- टोक्यो ओलंपिक का आयोजन कोविड के समय हुआ था जबकि पेरिस ओलंपिक सीखने का दौर था। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे इसका कोई मलाल नहीं है कि मैं पदक नहीं जीत पाई।

सबालेंका की खिताब के साथ 2025 की शुरुआत

ब्रिसबेन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में कुदरमेतोवा को हराया

ब्रिस्बेन, 6 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व नंबर एक और शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यन सबालेंका ने वर्ष 2025 की शुरुआत खिताबी जीत के साथ की है। सबालेंका ने रूस की पोलीना कुदरमेतोवा को तीन सेटों के संघर्ष में 4-6, 6-3, 6-2 से हराकर ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। सबालेंका

की कोशिश अब 12 जनवरी से शुरू हो रहे लगातार तीसरे ऑस्ट्रेलियाई ओपन के खिताब को जीतने की होगी। लगातार दो बार की विजेता सबालेंका अगर ऐसा कर पाती हैं तो स्विटजरलैंड की मार्टिन हिंगिस के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी होंगी। हिंगिस ने 1997 से 1999 तक लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता था। ब्रिसबेन में बीते वर्ष सबालेंका को फाइनल में कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना के हाथों हार मिली थी। सबालेंका ने कुदरमेतोवा के खिलाफ धीमी शुरुआत की। उन्होंने दो बार सर्विस गंवाकर पहला सेट खोया। विश्व नंबर 107 कुदरमेतोवा ने बेसलाइन से अपने जोरदार स्ट्रोक से सबालेंका को परेशान करके रखा। हालांकि अगले दो सेटों में सबालेंका ने तेज ग्राउंड स्ट्रोक से दबदबा बना लिया। सबालेंका ने भी कहा, कुदरमेतोवा ने शानदार टेनिस खेली। वह फाइनल में खेलने की हकदार थीं और जिस तरह वह टेनिस खेल रहीं, अगर वह ऐसा ही करती रहीं तो जल्द शीर्ष 50 में होंगी।

संन्यास वापस लेकर मैदान पर लौटा आरसीबी का डैन क्रिश्चियन, बिग बैग लीग में मचाएगा 'धमाल'

खेल डेस्क,, 6 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट में कई खिलाड़ियों को रिटायरमेंट वापस लेकर दोबारा से खेलते हुए देखा गया है। वहीं अब इस लिस्ट में एक ओर खिलाड़ी का नाम जुड़ गया है। जी हां हम बात कर रहे हैं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व धाकड़ ऑलराउंडर डैन क्रिश्चियन की। जिन्होंने अपना संन्यास वापस लेकर बिग बैग लीग में खेलने का फैसला किया है।

खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही सिडनी थंडर के लिए अब बाकी बचे मैचों में डैन क्रिश्चियन खेलते हुए नजर आएंगे। दरअसल बीते कुछ दिनों पहले बीबीएल में खेले गए पर्थ स्कॉर्चर्स और सिडनी थंडर के बीच खेले गए मैच में सिडनी के दो खिलाड़ियों की आपस में भिड़ंत हो गई थी, जिसके चलते उनको अस्पताल में

भर्ती कराया गया था, अब उनकी जगह डैन की एंट्री हो रही है।

डैन क्रिश्चियन को दो साल पहले बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए देखा गया था। सिडनी सिक्सर्स का ये मुकाबला सेमीफाइनल में ब्रिसबेन हीट के साथ था, जिसमें डैन आखिरी बार खेले थे, इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला था। अब डैन क्रिश्चियन का नाम बीबीएल में खेले वाले सबसे ज्यादा उम्र दराज खिलाड़ियों की लिस्ट में जुड़ गया है। डैन 40 साल की उम्र में बीबीएल खेलने के लिए तैयार हैं। हालांकि बीबीएल में सबसे उम्र दराज खिलाड़ी के रूप में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई पूर्व दिवंगत दिग्गज शेन वॉर्न थे। जिन्होंने 43 साल की उम्र में बिग बैश लीग का मैच खेला था।

डैन क्रिश्चियन आईपीएल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने साल 2011 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था, जबकि साल 2021 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना आखिरी आईपीएल मुकाबला खेला था। डैन क्रिश्चियन ने आईपीएल में 49 मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 460 रन बनाए थे।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना पर सहयोग करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना की प्रगति के लिए अपना पूर्ण समर्थन प्रदान करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन किया, जिसमें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने भाषण के दौरान रेवंत रेड्डी ने रेलवे टर्मिनल के पूरा होने के लिए तेलंगाना के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि राज्य सरकार ने हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना के विकास के लिए पहले ही केंद्र को प्रस्ताव सौंपे हैं और इसके पूरा होने में सहायता का अनुरोध किया है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में 370 किलोमीटर क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए पहले ही योजना तैयार कर ली है और केंद्र सरकार से आरआरआर और क्षेत्रीय रिंग रेल दोनों के निर्माण में पूर्ण सहयोग करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विकाराबाद से कृष्णा, कलवाकुर्ती से माचेरला और दोर्नाकल से अतिरिक्त दो लाइनों को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइनों के निर्माण के लिए सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर जीडीपी अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, जो बदले में भारत के लिए पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के बड़े उद्देश्य में योगदान देगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार को हैदराबाद को बंदर पोर्ट से जोड़ने वाले एक ग्रीनफील्ड राजमार्ग और एक सीधे रेलवे नेटवर्क के विकास पर सहयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे प्रणाली की उन्नति राष्ट्र की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि तेलंगाना जैसे राज्यों का विकास रेलवे बुनियादी ढांचे में सुधार से निकटता से जुड़ा हुआ है।

केंद्र को तेलंगाना में रेलवे नेटवर्क के विस्तार को प्राथमिकता देनी चाहिए: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि भारत के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों को रणनीतिक रूप से जोड़ने वाला तेलंगाना रेलवे कनेक्टिविटी के मामले में दसवें स्थान पर है। उन्होंने केंद्र सरकार से जिलों और गांवों को बेहतर तरीके से जोड़ने के लिए रेलवे नेटवर्क का विस्तार करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। चरलापल्ली रेलवे टर्मिनल के उद्घाटन के अवसर पर राज्य सरकार की ओर से बोलते हुए श्रीधर बाबू ने अन्य राज्यों की तुलना में तेलंगाना में अविकसित रेल नेटवर्क पर चिंता व्यक्त की। "तेलंगाना के विकास और प्रति व्यक्ति आय में तेजी से प्रगति के बावजूद, हमारी रेलवे कनेक्टिविटी बहुत पीछे है। उदाहरण के लिए, यहां का नेटवर्क राजस्थान में उपलब्ध नेटवर्क का केवल आधा है, जिसे कई मामलों में पिछड़ा राज्य माना जाता है।

उन्होंने नई रेलवे लाइनें बिछाने और मौजूदा रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करने का आह्वान किया। मंत्री श्रीधर बाबू ने विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार के साथ-साथ मलकाजगिरी के सांसद इटेला राजेंद्र से तेलंगाना के रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास की वकालत करने की अपील की। अत्याधुनिक चर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने आने वाले वर्षों में यात्री यातायात के मामले में सिकंदराबाद, नामपल्ली और काचीगुडा जैसे मौजूदा स्टेशनों से आगे निकलने की इसकी क्षमता पर जोर दिया। "यात्रियों के लिए निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, चर्लापल्ली टर्मिनल के आसपास पहुंच मार्ग और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए, केंद्र सरकार को विशेष धनराशि देकर राज्य सरकार को अपना समर्थन देना चाहिए," उन्होंने आग्रह किया। इस कार्यक्रम में टीजीआईआईसी के कार्यकारी निदेशक पवन कुमार, मुख्य अभियंता श्याम सुंदर, क्षेत्रीय प्रबंधक अनुराधा और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

पंचायती जमीन की बिक्री का विरोध करने पर 8 परिवार बहिष्कृत

परिवारों की शिकायत पर वीडीसी अध्यक्ष समेत 4 पर केस

निजामाबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालकोंडा विधानसभा क्षेत्र के वेलपुर मंडल के पोचमपल्ली गांव के आठ परिवारों को स्थानीय ग्राम विकास समिति द्वारा ग्राम पंचायत की जमीन की बिक्री का कथित रूप से विरोध करने पर बहिष्कृत कर दिया गया है। पिछले एक सप्ताह से इन परिवारों को सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। गांव के विकास में सहायता करने वाली अनौपचारिक संस्था वीडीसी ने अपने आदेश में कहा है कि लोग बहिष्कृत परिवारों से बात भी न करें। आठ परिवारों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसने वीडीसी अध्यक्ष जे मुत्यम, सदस्य चिंतलापल्ली गंगा रेड्डी, एच रमेश और ए चिन्नैया के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यह सब तब शुरू हुआ जब आठ परिवारों ने पोचमपल्ली गांव में ग्राम पंचायत की 90, 100 और 120 वर्ग गज की तीन जमीनों को बेचने के वीडीसी के फैसले का विरोध किया। परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर पंचायत सचिव और मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) से वीडीसी सदस्यों के खिलाफ शिकायत की। आठ परिवारों की हरकत से नाराज वीडीसी सदस्यों ने उन पर 3 लाख रुपये का जुर्माना और खर्च के लिए 26,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। वीडीसी ने गांव वालों से इन परिवारों से दूर रहने को कहा और चेतावनी दी कि अगर कोई इन परिवारों की मदद करने की कोशिश करेगा तो उस पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वीडीसी द्वारा जारी किए गए आदेश के बाद, आठ परिवारों ने वेलपुर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। वेलपुर सब इंस्पेक्टर संजीव ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए वीडीसी अध्यक्ष और अन्य सदस्यों को बुलाया था।

कविता ने इंद्रवेली शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एमएलसी ने रेवंत सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता एमएलसी के. कविता ने आज कहा, "रेवंत रेड्डी सरकार लोगों की ओर से आवाज उठाने वालों के खिलाफ अवैध मामले दर्ज कर रही है। सरकार हमारी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के खिलाफ झूठे मामलों के साथ बदले की भावना से काम कर रही है। हम अपने खिलाफ दर्ज मामलों से डरते नहीं हैं। लोगों के अधिकारों के लिए हमारी लड़ाई लगातार जारी रहेगी"। एमएलसी कविता ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर अपने वादों को पूरा करने में असमर्थता के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के शासन में किसानों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने रायतु भरोसा के तहत 15,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन किसानों को धोखा देते हुए इसे घटाकर 12,000 रुपये कर दिया।' उन्होंने कहा, इस विश्वासघात के जवाब में बीआरएस कार्यकर्ता पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों से डरकर सरकार अवैध मामलों के जरिए उत्पीड़न का सहारा ले रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार जनता की अदालत में सजा से बच नहीं सकती।

श्री तेज से मिल सकेंगे अल्लू अर्जुन, मिली सशर्त मंजूरी

केआईएमएस में चल रहा इलाज

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन को रामगोपालपेट पुलिस से कुछ शर्तों के साथ श्री तेज से मिलने की अनुमति मिल गई है। श्री तेज 9 वर्षीय बच्चे का इलाज सिकंदराबाद के कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) में चल रहा है। श्री तेज संध्या थिएटर में पुष्पा-2 के प्रीमियर शो में घायल हो गया था। रामगोपालपेट पुलिस ने कुछ शर्तें रखीं, जिनमें पुलिस को पहले से सूचित करके अस्पताल जाना और कानून-व्यवस्था में गड़बड़ी से बचने के लिए अपने दौरे का प्रचार न करना शामिल है। पुलिस ने कहा कि अगर वह उनकी सलाह की अनदेखी करता है, तो जो भी गलत होगा, उसके लिए वह जिम्मेदार होगा। अल्लू अर्जुन, जिन्हें पुष्पा-2 के प्रीमियर में भगदड़ के दौरान श्री तेज की मां की मौत के मामले में आरोपी बनाया गया है, ने रविवार को अस्पताल जाने की अपनी इच्छा बताई थी। लेकिन, पुलिस द्वारा उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए नोटिस भेजे जाने के बाद उन्हें अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

विदेश में नौकरी के अवसर

ऑस्ट्रिया में काम करने हेतु विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखानों विभाग के तहत पंजीकृत भर्ती एजेंसी तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकॉम) 16 जनवरी को जर्मन बी 1-स्तर की योग्यता वाले नर्सों के लिए साक्षात्कार आयोजित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिसके बाद ऑस्ट्रिया में काम करने के लिए स्टाफ नर्स के रूप में नियुक्ति की जाएगी।

22 से 36 वर्ष की आयु के उम्मीदवार, जिनके पास बीएससी नर्सिंग या जीएनएम की योग्यता हो तथा बी1 योग्यता (जर्मन भाषा) हो, इस कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। उम्मीदवारों को बी2-स्तर तक जर्मन भाषा में प्रशिक्षित होने के लिए तैयार होना चाहिए और प्रशिक्षण ऑनलाइन/ऑफ़लाइन मोड के माध्यम से प्रदान किया जाता है। साक्षात्कार प्रक्रिया के सफल समापन पर, उम्मीदवार को ऑस्ट्रिया के ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और बुजुर्ग देखभाल गृहों में स्टाफ नर्स के रूप में रखा जाएगा, जिसका वेतन लगभग 2.5 लाख रुपये से 3 लाख रुपये प्रति माह होगा।

कोमपल्ली में कार ने ट्रक को टक्कर मारी, चालक घायल

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह बोलारम-कोमपल्ली रोड पर एक कार के ट्रक से टकरा जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब कार सिकंदराबाद से मेडचल की ओर जा रही थी। दुर्घटना का कारण तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाना माना जा रहा है। जब कार बोलारम-कोम्पल्ली राजमार्ग पर पहुंची, तो चालक को झपकी आने के कारण उसने नियंत्रण खो दिया और पीछे से ट्रक में टक्कर मार दी। टक्कर के कारण कार चालक को चोटें आईं तथा वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। एक वाहन चालक से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और वाहनों को वहां से हटवाया। घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अभी तक दुर्घटना के समय कार में सवार यात्रियों की पहचान नहीं कर पाई है।

भारत सहित विश्व भर में फैल रहा है एचएमपीवी संक्रमण

आईसीएमआर ने किया स्पष्ट

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सोमवार को कर्नाटक में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के दो मामलों की पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया कि यह संक्रमण भारत सहित विश्व भर में फैल रहा है और विभिन्न देशों में एचएमपीवी से जुड़ी श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले सामने आए हैं।

आईसीएमआर ने स्पष्ट किया कि आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के वर्तमान आंकड़ों के आधार पर, देश में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है।

आईसीएमआर ने एक बयान में कहा कि कर्नाटक में एचएमपीवी के दोनों मामलों की पहचान कई श्वसन वायरल रोगजनकों के लिए नियमित निगरानी के माध्यम से की गई थी, जो देश भर में श्वसन संबंधी बीमारियों की निगरानी के लिए आईसीएमआर के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावित रोगियों में से किसी का भी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा का कोई इतिहास नहीं है।

एचएमपीवी के भय के बीच फ्लू जैसी बीमारियों में वृद्धि

डॉक्टरों ने दी श्वसन संक्रमण बढ़ने की चेतावनी

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चीन में एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस) संक्रमण की चर्चा के बीच, सुबह-सुबह कोहरे के साथ-साथ ठंडी और बादल छाए रहने वाले मौसम की वजह से हैदराबाद में मौसमी ऊपरी श्वसन पथ के संक्रमण में लगातार वृद्धि होने लगी है। हैदराबाद में नर्सिंग होम, निजी क्लीनिक और बस्ती दवाखानों में सूखी खांसी, शरीर में दर्द और बुखार सहित फ्लू जैसे लक्षणों की शिकायत करने वाले मरीजों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि देखी जाने लगी है।

हैदराबाद के डॉक्टरों ने कहा कि लोगों को सर्दियों के दौरान अनिवार्य बुनियादी सावधानियां बरतनी चाहिए। पिछले पखवाड़े में वायरल बुखार के मामलों में वृद्धि के स्पष्ट संकेत मिले हैं और छाती में संक्रमण के मामलों में भी वृद्धि हुई है। हालांकि, हमारे सभी मरीज सामान्य रूप से ठीक हो रहे हैं।

डॉक्टरों ने सलाह दी कि हम ऊपरी और निचले श्वसन पथ के संक्रमण में मामूली वृद्धि देख रहे हैं, लोगों को अपनी प्रतिरक्षा के स्तर को बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। प्रतिरक्षा में सुधार करने और मौसमी बीमारियों से बचने के लिए सरल भारतीय तरीके हैं। लोगों को बुनियादी सावधानियां बरतनी चाहिए।

प्रतिरक्षा को मजबूत करने के लिए करें ये उपाय :

पूरे दिन गर्म पानी पिएं

कम से कम 30 मिनट तक प्राणायाम और ध्यान

खाना पकाने में हल्दी, जीरा, धनिया और लहसुन को खूब शामिल करें।

सुबह एक टेबल स्पून च्यवनप्राश। मधुमेह रोगियों को चीनी रहित च्यवनप्राश खाना चाहिए।

तुलसी, दालचीनी, कालीमिर्च, शुंठी और मुनक्का से बनी हर्बल चाय दिन में एक या दो बार पियें।

गोल्डन मिल्क यानि आधा चम्मच हल्दी पाउडर 150 मिली लीटर गर्म दूध में दिन में एक या दो बार लें।

प्रदर्शन से पहले विधायक पाडी कौशिक रेड्डी व अन्य नेता हिरासत में

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फॉर्मूला-ई रेस मामले में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के समक्ष पेश होने और बीआरएस द्वारा रैतु भरोसा विश्वासघात के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की घोषणा के साथ, राज्य में कई बीआरएस नेताओं को नजरबंद किया जा रहा है। हुजूराबाद के विधायक पडी कौशिक रेड्डी को आज सुबह पुलिस ने जिम जाने से रोक दिया। सुबह 5.30 बजे से ही उन्हें हैदराबाद में नजरबंद कर दिया गया है।

इसी तरह, बीआरएसवी महासचिव मेकला विद्या सागर को रात में हिरासत में लिया गया और उन्हें कोल्लूर पुलिस स्टेशन में हिरासत में रखा गया है। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर 100 से ज़्यादा बीआरएसवी नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया है। उन्हें अलग-अलग पुलिस स्टेशनों पर हिरासत में रखा गया है। बीआरएस पार्टी के नेता राज्य सरकार द्वारा जांच की आड़ में पार्टी नेताओं को गिरफ्तार करने और उन्हें पुलिस थानों में नजरबंद रखने के कदम पर कड़ी आपत्ति जता रहे हैं।

तेलंगाना में शीतलहर का प्रकोप कम हुआ

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले तीन-चार दिनों से हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य भागों में जारी शीत लहर में कमी आने के संकेत मिल रहे हैं और कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस से 4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। शीत लहर में थोड़ी कमी आने के बावजूद, हैदराबाद में कोहरे और धुंध के साथ ठंड का मौसम अभी भी बना हुआ है और कई स्थानों पर औसत न्यूनतम तापमान (रविवार शाम से सोमवार सुबह के बीच) 10 डिग्री सेल्सियस से लेकर 14 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है। कुछ दिनों पहले तक, इन स्थानों पर न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता था, जो हैदराबाद में तापमान बढ़ने का स्पष्ट संकेत है।

इसी प्रकार, आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद और संगारेड्डी जिलों में न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है, जो कल तक भीषण शीत लहर के प्रभाव में थे। हालांकि ठंड के बावजूद सोमवार सुबह इन क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि रविवार को औसत न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस और 8 डिग्री सेल्सियस के बीच था।

22 लाख रुपये की शराब जब्त

गोवा से तस्करी कर लाई गई थी

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी विभाग के राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार को विभिन्न ब्रांडों की 82 शराब की बोतलें जब्त कीं, जिनकी कुल कीमत 22 लाख रुपये है, जिन्हें अवैध रूप से गोवा से हैदराबाद ट्रेन से तस्करी करके लाया जा रहा था। पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ कर्मियों ने रविवार को गोवा से हैदराबाद आ रही वास्को-डि-गामा-सिकंदराबाद ट्रेन के वातानुकूलित डिब्बों में जांच की।

शहर के बाहरी इलाके शादनगर में ट्रेन में सवार होकर एसटीएफ की टीमें सिकंदराबाद तक तलाशी लेती रहीं। इस दौरान कुल 82 शराब की बोतलें जब्त की गईं, जिनकी कीमत 22 लाख रुपये आंकी गई है।

माता-पिता पर देह व्यापार के लिए मजबूर करने का आरोप

हैदराबाद, 6 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मधुरा नगर की एक नाबालिग लड़की ने अपने माता-पिता पर कथित तौर पर उस पर देह व्यापार के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है। किशोरी लड़की के पिता एक दिहाड़ी मजदूर हैं और शराब के आदी हैं, जबकि उसकी मां सेक्स वर्कर के तौर पर आजीविका चलाती है। पिछले कुछ दिनों से उसके माता-पिता उस पर कथित तौर पर सेक्स व्यापार में शामिल होने का दबाव बना रहे हैं ताकि परिवार की आर्थिक मदद की जा सके।

उत्पीड़न को और अधिक सहन करने में असमर्थ, लड़की घर से भाग गई और कुछ दिनों तक अपने दोस्त के घर में शरण ली, उसके बाद उसने अपने स्कूल के प्रधानाध्यापक को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद प्रधानाध्यापक ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने घटना में शामिल लड़की के माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक के लाइसेंस को रद्द किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदान किए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को क्रमशः इसकी वैधता अवधि समाप्त होने से पहले लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन नहीं करने एवं, लाइसेंस के स्वैच्छिक समर्पण के कारण निरस्त कर दिया है-

क्र. सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख
1	**वेस्टन ट्रैवल एंड फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड** एसवाई. नंबर 43, अर्का रोचिश खाजागुड़ा रोड, मणिकोंडा, रंगारेड्डी-500 089	HYD-FFMC-0354-2023	26.12.2023	12.12.2024
2	**हनमकोंडा फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड** द.सं .5-9-116, सी-37, एल. बी. रोड, हनमकोंडा, वारंगल-506 013	FE.HY.FFMC/171/2019-2020	01.04.2022	12.12.2024

निरस्ती के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनियां मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेंगी।

हस्ता/-
(प्रियांक बहुगुणा)
उप महाप्रबंधक

स्थान: हैदराबाद
दिनांक : जनवरी 07, 2025

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.